

धुलिखेल नगरपालिकाको वस्तुगत विवरण,

२०७३

Municipality Profile of Dhulikhel Municipality,
2016

प्रतिवेदन पेश गरिएको निकाय

धुलिखेल नगरपालिका

धुलिखेल, काभ्रे

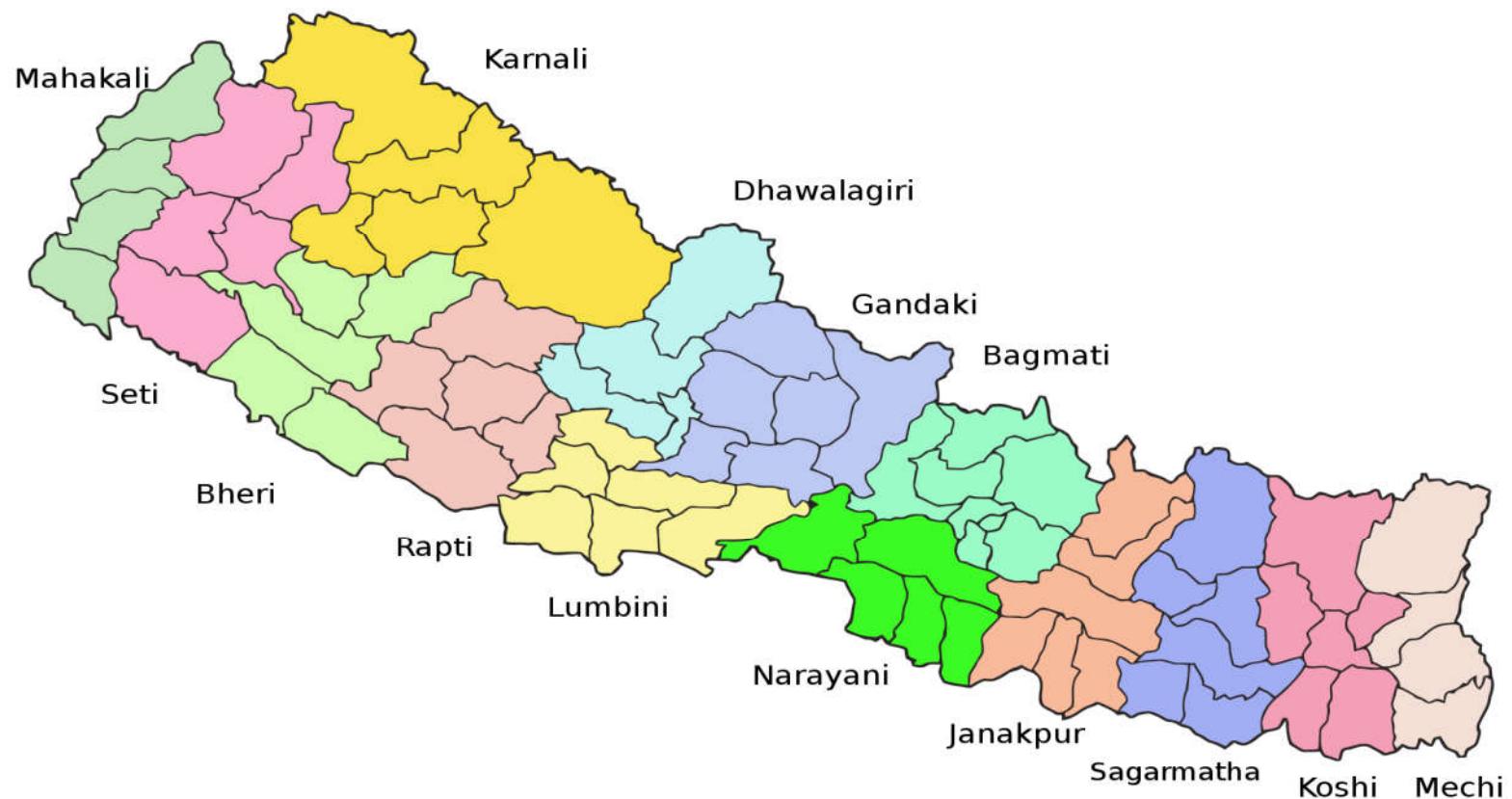
प्रतिवेदन पेश गर्ने निकाय

वालार्क इन्टरनेशनल प्रा. लि.

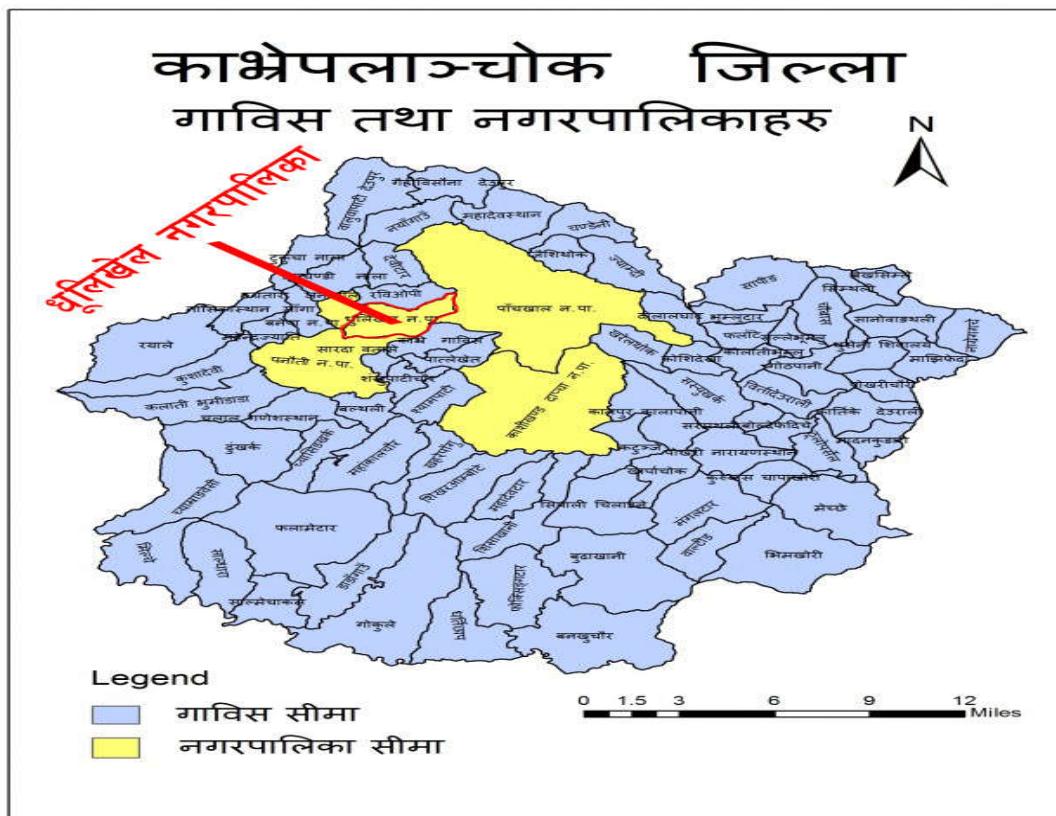
पुतलीसडक, काठमाण्डौ

श्रावण, २०७३

नेपालको चित्र



धुलिखेल नगरपालिका



कृतज्ञता

मध्यमाञ्चल विकास क्षेत्र अन्तर्गत पर्ने बागमती अंचल भित्र रहेको काखेपलाञ्चोक जिल्लामा अवस्थित यस धुलिखेल नगरपालिका नेपालकै सबैभन्दा सानो नगरपालिकाको रूपमा स्थापना भएको थियो जसमा ९ वटा वडाहरु मात्र थिए । पूनः वि. स. २०७२ साल असोज १ गते काखेपलाञ्चोक नित्यचण्डेश्वरी गा. वि. स. का नौ वटा वडाहरुलाई चार वडाहरुमा बाडफाँड गरि हाल १३ वडाहरु भएको नगरपालिका बनाईएको छ । जसको पूर्वमा काखेपलाञ्चोक नगरपालिका, उत्तरमा रविओपि तथा पाँचखाल गाविस र दक्षिणमा पनौती नगरपालिकाको को चार किल्लाभित्र घेरिएको यस नगरपालिका विश्व मानचित्रमा २७ डिग्री ३६ मिनेट उत्तरी अक्षांश देखि ८५ डिग्री ३३ मिनेट पुर्वी देशान्तरसम्म फैलिएको छ ।

त्यसकारण यो नगरपालिकामा साविकको काखेपलाञ्चोक नित्यचण्डेश्वरी गा. वि. स. मिलाएर बनाईएको हुँदा नगरको यथोचित विकासका लागि आवश्यक यथार्थ तथ्यांक नभएका कारण यस नगरपालिका कार्यालयले वालार्क ईन्टनरनेशनल प्रा. लि. लाई नेपाल सरकारले निर्दिष्ट गरेको नगरको वस्तुगत विवरणको प्रतिवेदन तयार गर्ने जिम्मा दिएकोमा यस वालार्क ईन्टनरनेशनल प्रा. लि. धुलिखेल नगरपालिका परिवार प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछ ।

राज्यको पहुँच गा. वि. स. र नगरपालिका सम्म भए सँगै राज्यको तर्फबाट गर्नु गराउनु पर्ने अर्थिक, सामाजिक, प्रशाशनिक आदि कार्यहरु र अन्य कामहरु सुलभ सहज र सरल तरिकाले गर्ने गराउने जिम्मा यी नै इकाईहलाई दिईन्छ । यी स्थानिय इकाईहरुबाट वितरण हुने सेवा तथा सुविधाहरु स्थानिय स्वायत्त शासन ऐन २०५५ र यसमा आधारित भएर जारी गरिएका निर्देशिका, नियमावली र कार्यादेशले तोकेको ढाँचा र प्रक्रिया अन्तर्गत रहेर प्रवाहित हुन्छन् । खासगरि यो वस्तुगत विवरणको मर्म र आवश्यकतालाई महशुस गरी आवश्यक कार्य र रकम निकासा समेतमा तदारुकता देखाउने कार्यकारी अधिकृत श्री विनोद भट्टराईज्यू प्रति यो संस्था भित्रै देखि आभार प्रकट गर्दछ । साथै नगरपालिकाका अन्य पदाधिकारीहरु, वडा सचिवहरु र कर्मचारीहरुको नियमित सहयोग र सुभाव प्रति या संस्था हार्दिक कृतज्ञ छ र उहाँहरुको सहयोगलाई उच्च कदर गर्दछ । तथ्यांक संकलनका क्रममा विभिन्न वडाका जनसमुदाय, नागरिक समाज, राजनितिक संयन्त्र तथा पार्टी कार्यकर्ता तथा वडा नागरिक मञ्चका सम्पूर्ण सदस्यहरुका राय सल्लाह, सुभाव तथा नगरपालिकाको यथार्थ तथ्यहरुका आधारमा यो प्रतिवेदन पुरा गर्न

सकिएको छ । तसर्थ उहाँहरु सबै प्रति वालार्क ईन्टरनेशनल प्रा. लि. हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछ ।

वालार्क ईन्टरनेशनल प्रा. लि. ले भाद्र १३ गते नगरपालिकामा बुझाएको प्रारम्भिक मस्यौदा प्रतिवेदनलाई अध्ययन गरी त्यसमा रहे भएका त्रूटी र कमजोरीहरुसमेतलाई औल्याई यस प्रतिवेदनलाई पूर्णता प्रदान गरिदिनहुने यहाँहरु सबैलाई पूनः धन्यवाद प्रकट गर्दछ र यहाँहरुको सुझाव र सल्लाहलाई आवश्यकता अनुसार अन्तिम प्रतिवेदनमा राखेर नगरपालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

बिषय सूचि

| <u>क्रम संख्या</u> | <u>बिषय</u> | <u>पृष्ठ नं.</u> |
|--------------------|---|------------------|
| अध्याय एक | अध्ययनको पृष्ठभूमि | (१-६) |
| १.१ | बिषय प्रवेश | १ |
| १.२ | विश्वसनिय तथ्य र तथ्याङ्काट हुने फाईदाहरु | २ |
| १.३ | वस्तुगत विवरण संकलन तथा तयारीका विधिहरु | ३ |
| १.४ | अध्ययन गर्दा अपनाइएका प्रक्रियाहरु | ३ |
| १.५ | अध्ययनले समेटेका विषयगत क्षेत्रहरु : | ४ |
| १.६ | अध्ययनका सीमाहरु | ५ |
| १.७ | प्रतिवेदनका भागहरु | ५ |
| अध्याय दुइ | नगरपालिकाको संक्षिप्त चिनारी | (७-१५) |
| २.१ | परिचय | ७ |
| २.१.१ | ऐतिहासिक पृष्ठभूमि | ७ |
| २.१.२ | भौगोलिक स्थिति | ८ |
| २.१.३ | सामाजिक गतिविधिहरु | ९ |
| २.१.४ | विकास आयोजना तथा अन्य गतिविधिहरु | १० |
| २.१.५ | चुनौती, सम्भाव्यता तथा अवसरहरु | ११ |
| २.१.६ | अन्तरसम्बन्ध तथा समन्वय | १५ |
| अध्याय ३ | पारिवारिक तथा जनसांख्यीकीय विवरण | (१६-२६) |
| ३.१ | घरधुरी तथा जनसंख्याको विवरण | १६ |
| ३.२ | उमेर सम्हअनुसार जनसंख्याको विवरण | १७ |
| ३.३ | जातिगत जनसंख्याको अवस्था | १८ |
| ३.४ | मातृ भाषा अनुसारको जनसंख्या | १९ |
| ३.५ | धर्मको आधारमा जनसंख्याको विवरण | २० |

| | | |
|------|--|----|
| ३.६ | मातृ भाषा अनुसारको जनसंख्या | २० |
| ३.७ | जन्मस्थानको आधारमा | २१ |
| ३.८ | वसोवासका कारण | २२ |
| ३.९ | वैवाहिक अवस्थाको विवरण | २३ |
| ३.१० | व्यवसायको सिलसिलामा नगर बाहिर रहेका परिवारको विवरण | २३ |
| ३.११ | विशेष सिप तालिम | २४ |
| ३.१२ | नगरपालिकामा दुर सञ्चार सम्बन्ध विवरण | २५ |

अध्याय चार सामाजिक क्षेत्र (२७-४५)

| | | |
|-------|---|----|
| ४.१ | शिक्षा | २७ |
| ४.१.१ | शैक्षिक स्थिती | २८ |
| ४.१.२ | विद्यालय गएको / नगएको | २८ |
| ४.१.३ | शैक्षिक विवरण | २९ |
| ४.१.४ | विद्यालय सम्बन्धी तथ्यांक | ३० |
| ४.१.५ | शिक्षण संस्थाहरूको विवरण | ३१ |
| ४.१.६ | बालकलब संबन्ध विवरण | ३१ |
| ४.१.७ | पुस्तकालय, वाचनालय | ३२ |
| ४.२ | स्वास्थ्य | ३२ |
| ४.२.१ | अपाङ्गता | ३२ |
| ४.२.२ | दीर्घ रोगी | ३३ |
| ४.२.३ | उपचारको पहुँच | ३४ |
| ४.२.४ | गर्भवती वा सुत्केरीको महिलाहरूको अवस्था | ३६ |
| ४.२.५ | खोपको उपलब्धता | ३६ |
| ४.३ | खानेपानी तथा सरसफाई | ३७ |
| ४.३.१ | खानेपानीको श्रोत | ३८ |
| ४.३.२ | सार्वजनिक धारा तथा ईनारको विवरण | ३९ |
| ४.३.३ | फोहोर विसर्जन गर्ने तरिका | ३९ |
| ४.४ | शौचालय (चर्पी) प्रयोग | ४० |

| | | |
|--------------------|---|----------------|
| ४.४.१ | शौचालयको प्रयोग | ४९ |
| ४.५ | धुलिखेल नगरपालिकामा सामाजिक समावेशीकरणको अवस्था | ४२ |
| ४.६ | प्राकृतिक प्रकोपको खतरा | ४३ |
| ४.७ | द्वन्दवाट खतरा र विस्थापित | ४३ |
| ४.८ | संघ संस्थामा महिला संलग्नता | ४४ |
| ४.९ | जातिय भेदभाव | ४५ |
| अध्याय पाँच | भौतिक पूर्वाधार सम्बन्धी विवरणहरु | (४६-५१) |
| ५.१ | प्रयोग गरेको घरको स्वामित्व | ४६ |
| ५.२ | प्रयोग गरेको घरको किसिम | ४७ |
| ५.३ | खाना पकाउने इन्धन | ४८ |
| ५.४ | बत्ती बाल्ने इन्धन | ४८ |
| ५.५ | विद्युतीकरणको अवस्था | ४९ |
| ५.६ | सडकको किसिम | ५० |
| ५.७ | नगरपालिका भित्रको ढल तथा ढल निकास | ५० |
| अध्याय छ | आर्थिक विकासका क्षेत्रहरुको विवरणहरु | (५२-६२) |
| ६.१ | मासिक आम्दानी | ५२ |
| ६.२ | धैदेशिक रोजगारीको अवस्था | ५३ |
| ६.३ | लक्षित देशहरु | ५४ |
| ६.४ | विदेशीनुका कारणहरु | ५४ |
| ६.५ | आम्दानी रकमको प्रयोग | ५५ |
| ६.६ | जग्गा जमिनको स्वामित्व | ५६ |
| ६.७ | कृषि उत्पादनको पर्याप्तता | ५६ |
| ६.८ | आम्दानीको मुख्य श्रोत | ५७ |
| ६.९ | परिवार धान्न चाहिने मासिक खर्च | ५८ |
| ६.१० | कामको शिलशिलामा घरबाहिर रहेका नाबालक | ५९ |
| ६.११ | विभिन्न संघसंस्थाबाट लिएको ऋण | ६० |

| | | |
|------------|--|---------|
| ६.१२ | आधारभूत आवश्यकता पूर्ती गर्न नसक्ने अवस्था | ६० |
| ६.१३ | परिवारमा भएका सुविधाहरू | ६१ |
| अध्याय सात | वन तथा वातावरण सम्बन्धी विवरणहरु | (६३-६४) |
| ७.१ | वनको विवरण | ६३ |
| ७.२ | वडा अनुसार वनको विवरण | ६४ |
| अध्याय आठ | विविध क्षेत्रका विवरणहरु (होटल, रेष्टुरेण्ट, गैर सरकारी संघ संस्थाहरु तथा सरकारी कार्यालयहरु | (६५-७७) |
| ८.१ | होटल तथा रेष्टुरेण्टहरु | ६५ |
| ८.१.१ | होटल रेष्टुरेण्ट सम्बन्धी तथ्यांक | ६६ |
| ८.२ | गैर सरकारी संघसंस्थाहरु | ६७ |
| ८.३ | सरकारी कार्यालयहरु | ६८ |
| ८.३.१ | सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाहरुको तथ्यांक | ६९ |
| ८.३.२ | सरकारी कार्यालयहरुको तथ्यांक | ७० |
| ८.४ | धर्म तथा संस्कृति | ७२ |
| ८.५. | सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक सम्पदाहरु | ७५ |
| ८.६ | धुलिखेल नगरपालिका स्थित ढल प्रशोधन केन्द्र | ७६ |
| ८.७ | धुलिखेल नगरपालिका बाट जडान भएको सडक बत्तीहरुको विवरण | ७७ |
| अध्याय नौ | धुलिखेल नगरपालिका समस्या तथा समस्या समाधानका उपायहरु | (७८-८८) |

तालिका सूचि

| तालिका क्रम संख्या | बिषय | पृष्ठ नं. |
|--------------------|---|-----------|
| ३.१.१ | घरधुरी तथा जनसंख्याको विवरण | १७ |
| ३.२.१ | उमेर समुहअनुसार जनसंख्याको विवरण | १७ |
| ३.३.१ | जातिगत जनसंख्याको अवस्था | १८ |
| ३.४.१ | मातृ भाषा अनुसारको जनसंख्या | १९ |
| ३.५.१ | धर्मको आधारमा जनसंख्याको विवरण | २० |
| ३.६.१ | मातृ भाषा अनुसारको जनसंख्या | २१ |
| ३.७.१ | जन्मस्थानको आधारमा | २१ |
| ३.८.१ | वसोवासका कारण | २२ |
| ३.९.१ | वैवाहिक अवस्थाको विवरण | २३ |
| ३.१०.१ | व्यवसायको सिलसिलामा नगर बाहिर रहेका परिवारको विवरण | २४ |
| ३.११.१ | विशेष सिप तालिम | २५ |
| ३.१२.१ | दुर सञ्चार सम्बन्ध विवरण | २६ |
| ४.१.१ | शैक्षिक स्थिती | २८ |
| ४.१.२.१ | विद्यालय गएको नगएको अवस्था | २८ |
| ४.१.३.१ | शैक्षिक विवरण | २९ |
| ४.१.४.१ | विद्यालय सम्बन्धी तथ्यांक | ३० |
| ४.१.५.१ | शिक्षण संस्थाहरूको विवरण | ३१ |
| ४.१.६.१ | वाचानालय, पूस्तकालय सम्बन्ध विवरण | ३२ |
| ४.२.१.१ | अपाङ्गता | ३३ |
| ४.२.२.१ | दीर्घ रोगी | ३४ |
| ४.२.३.१ | नियमित जाँच गराउनेको संख्या | ३५ |
| ४.२.४.१ | गर्भवती अवस्थामा वा सुत्केरी हुँदा र सुत्केरी पछि मृत्युको अवस्था | ३६ |
| ४.२.५.१ | ५ वर्ष मुनिका बच्चालाई खोपको अवस्था | ३७ |
| ४.३.१.१ | खानेपानीको श्रोत | ३८ |
| ४.३.२.१ | सार्वजनिक धारा तथा ईनारको विवरण | ३९ |

| | | |
|---------|--|----|
| ४.३.४ | फोहोर विसर्जन गर्ने तरिका | ४० |
| ४.४.१ | शैचालयको प्रयोग | ४१ |
| ४.६.१ | प्राकृतिक प्रकोपको खतरा | ४३ |
| ४.७.१ | द्वन्दवाट खतरा, विस्थापित | ४३ |
| ४.८.१ | संघ संस्थामा महिला संलग्नता | ४४ |
| ४.९.१ | जातिय भेदभावको विवरण | ४५ |
| ५.१.१ | प्रयोग गरेको घरको स्वामित्व | ४६ |
| ५.२.१ | घरको किसिम | ४७ |
| ५.३.१ | खाना पकाउने इन्धन | ४८ |
| ५.५.१ | विद्युतीकरणको विवरण | ४९ |
| ५.७.१ | डकको किसिम | ५० |
| ५.८.१ | नगरपालिका भित्रको ढल तथा निकास | ५१ |
| ६.१.१ | मासिक आम्दानी | ५३ |
| ६.२.१ | विदेशीएको पारिवारिक विवरण | ५३ |
| ६.३.१ | लक्षित देशहरू | ५४ |
| ६.४.१ | विदेशीनुको कारणहरू | ५५ |
| ६.५.१ | आम्दानी रकमको प्रयोग | ५५ |
| ६.६.१ | जग्गा जमिनको स्वामित्व | ५६ |
| ६.७.१ | कृषि उत्पादनको पर्याप्तता | ५७ |
| ६.८.१ | आम्दानीको मुख्य श्रोत | ५८ |
| ६.९.१ | परिवार धान्न चाहिने मासिक खर्च | ५८ |
| ६.१०.१ | कामको शिलशिलामा घरबाहिर रहेका नाबालक | ५९ |
| ६.११.१ | विभिन्न संघसंस्थावाट लिएको ऋण | ६० |
| ६.१२.१ | आधारभूत आवश्यकता पूर्ती गर्न नसक्ने अवस्था | ६१ |
| ६.१३.१ | परिवारमा भएका सुविधाहरू | ६१ |
| ७.१.१ | सामुदायिक वनको नाम | ६४ |
| ७.२.१ | वडा अनुसार वनको विवरण | ६५ |
| ८.१.१.१ | होटल रेष्टरेण्ट सम्बन्धी तथ्यांक | ६६ |

| | | |
|---------|--|----|
| ८.३.१ | सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाहरूको तथ्यांक | ६९ |
| ८.३.२.१ | सरकारी कार्यालयहरूको तथ्यांक | ७० |
| ८.५.१ | सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक सम्पदाहरू | ७६ |
| ८.६.१ | धुलिखेल नगरपालिका स्थित ढल प्रशोधन केन्द्र | ७७ |
| ८.७.१ | धुलिखेल नगरपालिका वाट जडान भएको सडक बत्तीहरूको विवरण | ७७ |

अध्याय १

अध्ययनको पृष्ठभूमि

१.१ बिषय प्रवेश

राज्यको पहुँच गा. वि. स. र नगरपालिका सम्म भए सँगै राज्यको तर्फबाट गर्नु गराउनु पर्ने आर्थिक, सामाजिक, प्रशाशनिक आदि कार्यहरु र अन्य कामहरु सुलभ सहज र सरल तरिकाले गर्ने गराउने जिम्मा यी नै इकाईहलाई दिइन्छ । यी स्थानिय ईकाईहरुबाट वितरण हुने सेवा तथा सुविधाहरु स्थानिय स्वायत्त शासन ऐन २०५५ र यसमा आधारित भएर जारी गरिएका निर्देशिका, नियमावली र कार्यादेशले तोकेको ढाँचा र प्रक्रिया अन्तर्गत रहेर प्रवाहित हुन्छन् ।

यहि स्वायत्त शासन ऐनका आधारमा नगरपालिकाहरु आ-आफ्नो क्षेत्रको तथ्यगत वस्तुस्थिति तयार गर्नका लागि स्वतन्त्र हुन्छन् र यस्ता वस्तुगत तथ्यहरुको विश्लेषणका आधारमा समस्या पहिचान गरि समस्या समाधानको प्रारूप सहित योजना तर्जुमा, योजना प्राथमिककरण, कार्यान्वयन तथा योजना अनुगमन गर्ने गर्दछ । यसबाट के प्रस्ट हुन्छ भने वस्तुगत तथ्य संकलनमा लापरवाहि वा गैर-जिम्मेवारीपूर्ण कार्य भएमा त्यसका आधारमा बनिने योजना, योजनाको लागत र योजनाको सफलता माथि स्तरियता तथा विस्वासनियता नहुने र त्यसबाट विकासको लक्ष्यपनि पुरा नहुने हुन सक्छ ।

नगरपालिका स्थानीय तहको साधन श्रोतले सम्पन्न प्रशाशनिक ईकाई मानिन्छ, र नगरपालिकाले तयार पारेका आर्थिक, सामाजिक, प्रशाशनिक, सांस्कृतिक, भौतिक, जैविक तथा प्राकृतिक तथाङ्गहरुलाई नै आधार मानेर विकास निर्माण, शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक र वातावरणिय क्रियाकलापहरुको माध्यमबाट सेवा पुऱ्याउने सरकारी संस्थाहरु, राट्रिय, अन्तराष्ट्रिय गैर सरकारी संघ संस्थाहरु, अन्तराष्ट्रिय विकास साभेदारहरु र अन्य सरोकारवालाहरुले योजना बनाउने, योजनाको लागत तयार गर्ने र योजना कार्यान्वयन गर्ने जस्ता कामहरु गर्दछन् । यस अर्थमा योजना निर्माणमा प्रयोग हुने वस्तुगत तथ्यहरुको महत्व नगरपालिकाले बनाउने योजनहरुमा मात्र सिमित नभई बहुसरोकारवाला विकास साभेदारहरु सम्म पुग्ने भएकाले वस्तुगत तथ्य संकलन यथार्थ र वस्तुपरक हुनु नितान्त आवश्यक छ ।

योजनाको आकार यसमा हुने लगानी, सेवाग्राहीहरुको संख्या आदिका आधारमा व्यक्तिगत या संस्थागत, सानो या ठुलो, स्थानिय निकाय वा केन्द्रिय सरकार जो सुकै भएपनि विकास

निर्माणका जुनसुकै आयममा कार्य योजना, योजना निर्माण, योजना संचालन र योजनाको प्रभावकारीता आदि त्यतिखेर मात्र सफल हुन्छ जतिखेर त्यस्ता कार्यहरुले वास्तविक आवश्यकता, जन अपेक्षा अनुसारका कार्यक्रमहरु सञ्चालनमा आउँछन् । त्यस कारण आर्थिक, सामाजिक, योजना बनाउदा स्थलगत तथ्यलाई आधार बनाउन आवश्यक हुन्छ । योजना बनाउदा योजनाको आधार मानिने स्थलगत विवरण दुई तरिकाले तयार गरिएका हुन्छन् :

- क) प्राथमिक सुचाइहरु जो त्यस बेलाको वास्तविक वस्तुस्थितिको अवलोकन, एकल वा सामुहिक छलफल, सम्बधित सरोकारवालाहरुले दिएको जानकारी आदिका आधारमा तयार गरिन्छन् र विषयगत विज्ञहरुको सुभावका आधारमा तथ्यहरुको वास्तविक विवरण तयार पारिन्छ ।
- ख) आवश्यक परेका वा पर्न सक्ने योजना तर्जुमा सँग सम्बन्धित तथ्य तथा सूचनाहरु जो अन्य कृनै संघ संस्था, सरकारका स्थानीय ईकाई, अनुसान्धनकर्ता, योजनाविद् र अन्य सरोकारवालाले तयार पारेका वस्तुतग विश्लेषण, राय सुभाव, लागतको परिमाण आदिलाई आधार मानेर संकलन गरिएको सूचना दोश्रो प्रकारको सूचना हो । दोश्रो प्रकृतिको सूचना तथा तथ्याङ्क प्राथमिक तथ्याङ्क भन्दा कम विश्वसनिय हुन्छ । त्यस कारण जनताहरुको वृति विकास, स्तरिय र फलदायी कार्ययोजना बाट मात्र सम्भव हुने हुदा प्राथमिक सूचनाहरुलाई आधार मान्नु बढि विश्वासनिय मानिन्छ ।

१.२ विश्वसनिय तथ्य र तथ्याङ्कबाट हुने फाईदाहरु :

वार्षिक र आवधिक योजना तर्जुमा, लागत, योजना कार्यान्वयन आफ्नो क्षेत्रभित्रको प्राकृतिक तथा भौतिक साधन श्रोतहरुको व्यवस्थापन संचालन कार्यविधि आदिको प्रयोगबाट नगरपालिकाले गर्ने गराउने अधित्यारी प्राप्त कामहरु गर्दा गराउदा आवधिक कार्य मुल्याङ्कन उपलब्ध जस्ता कुराहरुलाई समेटेर तयार गरिएको प्रमाणित दस्तावेज, जसलाई वस्तुगत विवरण पनि भनिन्छ, ले नगरपालिका भित्र जुनसुकै पक्षवाट गर्ने गराउने आर्थिक सामाजिक कृयाकलापहरुको ढाँचा तयार गर्दा गुणात्मक सहयोग पुऱ्याउछ । यसबाट हुने फाईदाहरु निम्नअनुसार हुन सक्छन् ।

- नगरपालिका भित्रको वस्तुस्थितिको वारेमा संकलित सूचना तथा तथ्याङ्क वास्तविक र सहि भए यसवाट स्थानिय तह देखि केन्द्र सम्म तथ्याङ्कगत एकरूपता आउने र यसका आधारमा बनेका योजनाहरूको प्रतिफल पनि समान रूपमा सबै नागरिकहरू लाई हुन सक्छ । साथै मानवीय तथा प्राकृतिक श्रोतसाधनहरूको पहिचान भई त्यसवाट हुनसक्ने फाईदाहरू र सम्भावित जोखिमहरू विश्लेषण गर्न सकिने हुन्छ ।
- भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, प्राकृतिक र मानवीय जीवनका हरेक पक्षहरूका वारेमा जानकारी प्राप्त गर्न सकिन्छ ।
- नगरपालिका क्षेत्र भित्र संचालित कार्यक्रमहरूको समिक्षा गरी सुधार, समायोजन वा परिवर्तन गर्न र नयाँ योजना तर्जुमाका लागि सहयोगी हुने र यसवाट खोजमुलक, उत्प्रेरणात्मक र जनमुखि कार्य योजनाहरू वन्न सक्ने आधारहरू वन्दछन् ।
- संकलित तथ्याङ्कहरूले नगरपालिकालाई युग सुहाउदो सूचना प्रणालि स्थापित भई जनताहरूविच आपसि भाईचाराको सम्बन्ध निर्माण गरि विकासका कार्यक्रमहरूलाई अगाडी बढाउने आधार वन्दछ ।

१.३ वस्तुगत विवरण संकलन तथा तयारीका विधिहरू

अध्ययन विधि अध्ययन गर्ने संस्था, संस्थालाई प्राप्त भएको श्रोत, संस्थागत अध्ययनगत ढाँचा आदिका आधारमा तयार हुने खाकाले निर्देशित हुने कुरा त छैदैछ, र यसका अलवा अध्ययन टोलीले स्थानिय परिस्थिका आधारमा वनाएका ढाँचाहरू पनि उत्तिकै महत्वपूर्ण हुन्छन् । यो अध्ययनका क्रममा धुलिखेल नगरपालिकाको वस्तुगत विवरण तयारीका लागि धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय, जिल्ला स्थित विभिन्न सरकारी निकायहरू, स्थानिय विकास मन्त्रालय लगायत विभिन्न सरकारी तथा गैरसरकारी निकायहरूले उपलब्ध गराएका प्राथमिक विवरणहरूका आधारमा तयार गरिएको छ भने यसको ढाँचा नेपाल सरकार स्थानीय विकास मन्त्रालयले नमुनाका रूपमा तयार पारिएको ढाँचालाई नै मुल आधार मानी प्राप्त सूचना तथा तथ्याङ्कका आधारमा तयार गरिएको छ ।

१.४ अध्ययन गर्दा अपनाइएका प्रक्रियाहरू

नमुना संकलनको उपयुक्त ढाँचा र यस ढाँचाभित्र रहि संकलन गरिएका प्राथमिक सूचनाहरू, स्थानीय निकायमा कार्यरत संघ संस्था, युवा समुह र अन्य निकायले संकलन गरेका यस्ता

प्रकृतिका विवरणहरूलाई संकलन गरी संकलित विवरणहरूलाई परिमार्जनका साथ तालिकामा समावेश गरिएको छ । यस किसिमका विवरणहरू धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय, अन्य सरकारी तथा गैर सरकारी निकायहरु लगायतका विभिन्न कार्यालयहरूवाट प्राप्त गरिएको छ ।

स्रोतका रूपमा प्रयोग गर्दा प्रस्तुत तालिकामा जुन संस्थावाट सूचनाहरु प्राप्त भएका छन् उनीहरुको नाम समावेश गरिएको छ । विविध स्रोतवाट प्राप्त सूचनाहरुको आधारमा यो दस्तावेज तयार गर्नु परेको र प्राप्त भएका प्रारम्भिक अवस्थामा भरिएका सूचना फारामहरु पूर्णरूपमा भरिएको नपाईनुका साथै सबै आवश्यक सूचकहरु पनि समावेश हुन नसकेको कारणबाट भौगोलिक परिवेशका साथै सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, तथा प्राकृतिक विविधता भएको धुलिखेल नगरपालिकाको सम्पूर्ण पक्ष वारे थप अध्ययन गर्नु राम्रो हुने अध्ययन टोलीको बुझाई छ । तसर्थ यो प्रतिवेदननै अन्तिम नहुने भएकोले धुलिखेल नगरपालिकाले समय समयमा यस्ता प्रतिवेदन माथि परिमार्जन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

१.५ अध्ययनले समेटेका विषयगत क्षेत्रहरु :

अध्ययनका क्रममा संकलित आधारभुत तथ्याङ्कले धुलिखेल नगरपालिका क्षेत्रको भौगोलिक, जनसंख्या वितरण, आर्थिक सामाजिक क्रियाकलाप आदिलाई निम्न अनुसार समेट्ने प्रयास गरेको छ ।

- १.५.१ नगरपालिका क्षेत्रको उचाई, भौगोलिक वनावट, जैविक विविधता, वन्यजन्तु, प्राकृतिक साधन श्रोतहरु, हावा-पानी आदिको वारेमा विश्लेषणात्मक विवरणहरू समाविष्ट छन् ।
- १.५.२ नगरपालिका भित्रको साँस्कृतिक र मौलिक पहिचान तथा अभ्यासहरु, परम्परागत शिप, जिवन पद्धति, कला, रितिरिवाजहरु, जात्रा, पर्व र सामाजिक संस्कारहरु, धार्मिक अवस्था र धर्ममा आधारित क्रियाकलापहरु लाई पनि अध्ययनले समेटेको छ । यसका साथै यस अध्ययनले नगरपालिका क्षेत्र भित्र अवस्थित मठ मन्दिर, पाटी, धर्मशाला, ऐतिहासिक धारा, पोखरी, गुम्बा जस्ता धार्मिक स्थलहरुको वस्तुगत विवरण पनि अध्यावधिक गरिएको छ ।

१.५.३ नगरपालिका भित्र संचालनमा आएका आर्थिक क्रियकलापसँग सम्बन्धित साना तथा कुटीर, मझौला तथा ठूला उद्योगहरु, व्यापार व्यावसाय, पर्यटन, कृषि, कला, साहित्यसँग सम्बन्धित व्यवसायहरु आदिको वारेमा अध्ययनले विश्लेषण गरेको छ ।

१.५.४ रोजगारीको अवस्था, मानिसहरुको आयस्तर, आवासको वनावट, इन्च्यन प्रयोगको अवस्था, वसाईसँराई, सुरक्षा लगायतका क्षेत्रहरु पनि समेटिएका छन् ।

१.६ अध्ययनका सीमाहरु

धुलिखेल नगरपालिकाको वस्तुगत विवरण संकलन तथा तयार पार्ने क्रममा प्राथमिक सूचनाहरुलाई मुख्य आधार मानिएको छ । प्रथम पक्षवाट उपलब्ध गराईएका सूचना, जानकारी तथा तथ्यांकहरुलाई नै प्रमुख आधार मानिएकाले यसको विश्वसनियता धेरै नै रहन गएको छ । व्यक्तिगत अन्तवार्ता, स्थलगत अध्ययन आदिबाट अपुग र अस्प्रस्ट सूचनाहरु प्राप्त गरिएकाले संकलित विवरण आँफैमा विशेष प्रकृतिको हुन पुगेको छ । सिमित श्रोत साधनहरुको अधिकतम् प्रयोगका वावजुत जे जति सूचना तथा तथ्यांकहरु प्राप्त भएका छन् यस प्रयोजनका लागि अति नै श्रेयस्कर सिद्ध भएका छन् । आवश्यक देखिएका सबै प्रकारका सूचनाहरु पूर्णरूपमा प्राप्त हुन नसकेको तथा प्रस्तुत अध्ययनको सिमा भित्र प्रारम्भिक सूचना संकलन गर्ने कार्यले कम प्राथमिकता पाएका कारणले यथार्थ तथ्याङ्कका लागि बाह्य स्रोतलाई आधार मान्नु पर्ने बाध्यता पनि थियो ।

१.७ प्रतिवेदनका भागहरु

यो वस्तुगत विवरणलाई विभिन्न भागहरुमा विभाजन गरि त्यसको सुक्ष्म अध्ययन गर्ने अधिकतम प्रयास गरिएको छ । यस अध्ययनको प्रथम भागमा अध्ययनको पृष्ठभूमि, विषय प्रवेश, अध्ययनको आवश्यकता, महत्व र उपयोग, विवरण संकलन गर्न प्रयोग गरिएका प्रक्रियाहरु आदि प्रकृयागत रूपमा समावेश गरिएका छन् भने दोसो भागमा धुलिखेल नगरपालिकाको सामान्य चिनारी दिने जमर्को गरिएको छ । तेस्रो भागमा जनसंख्या सम्बन्धी विवरण समावेश गरिएकोछ भने चौथो परिच्छेदमा धुलिखेलनगरपालिकाको सामाजिक क्षेत्रलाई समेट्ने प्रयास भएकोछ ।

त्यसै गरी पाँचौ परिच्छेदमा भौतिक पूर्वाधार सम्बन्धी विवरणहरु तथा छैठौंमा आर्थिक विकासका क्षेत्रहरुको विवरण प्रस्तुत गरिएकोछ । वन तथा वातावरणका सम्बन्धमा सातौं परिच्छेदमा समावेश गरिएको छ भने परिच्छेद आठमा विविध क्षेत्रहरुका वस्तुगत विवरणहरु, जुन माथिका परिच्छेदहरुमा समेटिएका छैनन्, लाई समेटिएको छ । यसरी अन्तिम परिच्छेदमा दोखिएका समस्या तथा सुभावहरुलाई पनि समावेश गर्ने प्रयास गरिएको छ । विभिन्न निकायहरुबाट प्राप्त सूचना तथा तथ्यांकहरुलाई सिलसिलावद्ध रूपमा तालिकामा समावेश गरेर अध्ययन तथा विष्लेषण गरिने कार्य भएकोछ ।

अध्याय दुई

नगरपालिकाको संक्षिप्त चिनारी

२.१ परिचय

२.१.१ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

धुलिखेल ऐतिहासिक तथा आर्थिक हिसावले सदियौ देखि महत्व राखेको एक विशिष्ट स्थलको रूपमा रहि आएको छ । ऐतिहासिक हिसावले पनि विशेष महत्व राख्ने यो ठाँउ दक्षिणको सिमाना सहज नहुदा सम्म उत्तरको तिव्वती क्षेत्रबाट हुने सम्पुर्ण व्यापारको व्यापारिक नाका रहि आएको थियो । तिव्वत सँग दैनिक उपभोग्य वस्तु नुन देखी गहनाको रूपमा प्रयोग हुने सुन सम्मको व्यापार यहि क्षेत्रबाट हुने गरेको थियो । यसका अलवा त्यो वेला देखिनै तिव्वतबाट पशु चौपायाहरुको आयत गर्दथ्यो जसमा भेडा च्याङ्गा लगायतका पशुहरु पर्दथे । त्यस्तै नेपालबाट खुर्सानी, खाद्य वस्तु लगायतका कृषिमा आधारित घरेलु सामानहरु तिव्वत तर्फ व्यापार हुने गरेको पाईन्छ ।

व्यापारिक तथा सामरिक महत्व राख्ने धुलिखेल तिव्वत पदमार्गलाई सडक मार्गमा स्तरोन्नति गर्न सन् १९६५ मा चिन सरकारको सहयोग प्राप्त भएपछि सडक विस्तार कार्यले तिब्रता लियो । यो सगै धुलिखेलको विकास गतिमा तिब्रता आउन थाल्यो जसका कारणले पर्यटकहरुका लागि धुलिखेलसम्मको पहाँच ज्यादै सहज हुन सक्यो । तिव्वत सँग जोड्ने स्थलमार्ग निर्माण सगै प्रकृति तथा वातावरणप्रेमि जो सुकैलाई पनि धुलिखेल देखि तिव्वत सम्मको आसपासमा रहेका उच्च हिमालहरु, पहाडी भू-भागहरु र त्यहि भू-भागमा बढे हुर्केका सामाजिक तथा सांस्कृतिक पहिचानहरुले आकर्षित नगर्ने कुरै भएन । परिणामतः धुलिखेल एक व्यापारिक तथा प्रसाशनिक थलोमा मात्र सिमित नभई पर्यटकीय पहिचान सहित लाखौ पर्यटकहरुलाई आकर्षण गर्न सक्ने नेपालका प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्यहरु मध्ये एक भएको कुरा पर्यटक आगवन विवरणले पनि वताउछ ।

धुलिखेल नेवारी भाषामा ‘धुँ’ को अर्थ ‘बाघ’ र ‘ख्यो’ को अर्थ ‘खेल मैदान’ भन्ने जनाउँदछ । यसबाट धुलिखेलमा बन्य जन्तुको विचरण हुने गरेको र त्यसमा पनि बाघ प्रशस्त मात्रामा पाइने गरेको हुनाले यो नामाकरण भएको हुनु पर्दछ । यो शहरले प्राचीन नेवारी सभ्यता, सांस्कृति, कला, वास्तुकला, आदिको जीवन्तरूपमा प्रतिनिधित्व गर्दछ, भन्दा अतिशयोक्ति नहोला ।

धुलिखेल राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय सभा, सम्मेलन, गोष्ठी, सेमिनारहरूको आयोजना स्थल वन्न पुगेको छ । यसका अतिरिक्त व्यापारिक, धार्मिक, सामाजिक तथा राजनैतिक समस्याहरूको समाधानका निमित्त उपयुक्त स्थलको खोजी गर्ने सन्दर्भमा धुलिखेलको नाम अग्र स्थानमा आउने गरेको छ, र ती समस्याहरूको निरुपण केहिहद सम्म भएपनि यसै स्थानबाट हुँदै आएको छ ।

२.१.२ भौगोलिक स्थिति

धुलिखेल नगरपालिका बागमती अञ्चल काभेजिल्लामा अवस्थित रहेको राजधानी काठमाडौंबाट ३० कि. मि. पूर्वमा अवस्थित पहाडि एक सानो तथा सुन्दर शहर हो । यस नगरपालिकाको पूर्वमा खरेलथोक र दोलालघाट, पश्चिममा बनेपा नगरपालिका, उत्तरमा रविओपि तथा पाँचखाल गा.वि.स.तथा दक्षिणमा पनौती नगरपालिका द्वारा घेरिएको छ ।

यस नगरपालिकाको स्थापना वि.सं. २०४३ साल फाल्गुण ५ गते भएको हो । यो नगरपालिका उत्तरी अक्षांश २७.३६'९९२" र पूर्वी देशान्तर ८५३२'४३२" मा अवस्थित रहेको तथा ११५० - १५५० मी (३५०० - ५००० फि.) को उँचाईमा अवस्थित रहेको छ । कूल १०४१ हेक्टर जमिनमा फैलिएको यस नगरपालिकाको शहरी आवास क्षेत्रले ४.० प्रतिशत, ग्रामिण तथा कृषि क्षेत्रले ७३.६ प्रतिशत र वाकि रहेको २२.४ प्रतिशत भूभाग जंगल क्षेत्रले ओगटेको छ । यस नगरपालिकाको औषत तापक्रम २० डिग्री से. रहेको छ । यस क्षेत्रको अधिकतम तपक्रम २६ डिग्री से. र न्यूनतम तापक्रम ०डिग्री से. रहेको छ । औषत वर्षा १५०० मी. मी. रहोको यस नगरपालिकाको अधिकतम वर्षा २०४४ सम्म पुग्ने गरेको छ । काभ्रेपलाञ्चोक जिल्लाको निर्वाचन क्षेत्र नं ३ र ईलाका नं १२ मा पर्ने यस नगरपालिकामा जम्मा १३ वटा वडाहरू रहेका छन् तथा ग्रामीण क्षेत्र अन्तर्गत पर्ने वडाहरूमा १, ६, १०, ११, १२, १३ पर्दछन् भने बजार र शहरी क्षेत्र अन्तर्गत रहेका वडाहरूमा २, ३, ४, ५, ७, ८ र ९ पर्दछन् ।

राजधानीबाट छोटो दुरिमा अवस्थित ऐतिहासिक तथा पुरातात्त्विक सम्पदाले भरिपूर्ण र प्राकृतिक सौन्दर्यले सजिएको यस नगरपालिकामा पर्यटन सँग सम्बन्धित विभिन्न क्रियाकलापहरू बढि मात्रामा हुने गरेका छन् । तर स्तरीय सेवाका लागि पर्यटन व्यवसायीहरू मात्र पर्याप्त नहुने र यो व्यवसायका लागि चाहिने अत्यावश्यक पूर्वाधारहरू जस्तै पानी, विजुली, सडक सञ्जाल, सञ्चार आदि जो राज्यले व्यवस्था गर्नु पर्दथ्यो, पूर्ण रूपमा हुन नसकेको कारणले भएका पूर्वाधारको पनि सहि सदुपयोग हुन सकेको छैन ।

२.१.३ सामाजिक गतिविधिहरू

गाविस हुँदै नगरपालिकाको आधारभूत मापदण्ड पुरा गरेपछि कुनै पनि ठाँउ वा क्षेत्र नगरपालिकामा परिणत हुने हाम्रो कानुनी तथा प्रशासनिक पद्धती अनुरूप यो क्षेत्र नगरपालिकाको मापदण्ड भित्र परेको छ । यो नगरपालिकाका ८०% भन्दा बढि वासिन्दा व्यक्तिगत चर्पी प्रयोग गर्दैन भने हाल ४ वटा सार्वजनिक सौचालयहरू संचालनमा छन् । नगरपालिका क्षेत्रभित्र वसोवास गर्ने १६.२५% नागरिक कृषि क्षेत्रबाट, ४.०% उद्योगबाट, ४३.५% व्यापारबाट, ४.३% सेवा तथा नोकरीबाट, १४.०% पर्यटन व्यवसायबाट र बाकी पेशा नखुलेको श्रोतबाट जिविका पार्जन गर्दै आएको पाईन्छ ।

सानै भएपनि धुलिखेल नगरपालिकाले नागरिकहरूको स्वास्थ्य सुधारका लागि सन्तोषजनक प्रयास गरेको पाईन्छ । २३ जना मेडिकल डाक्टर, १६५ जना कर्मचारीहरू र १६० शैयाको धुलिखेल सामुदायिक अस्पतालका अलवा एउटा स्वास्थ्य चौकी, एउटा स्वास्थ्य केन्द्र र एउटा आयुर्वेदिक अस्पताल मार्फत स्वास्थ्य सेवा प्रदान गरिरहेको छ । त्यस अतिरिक्त चारवटा एम्बुलेन्सले यहाँका सेवाग्राहीहरूलाई नियमित सेवा उपलब्ध गराउँदै आईरहेका छन् । यहाँका अस्पताल तथा स्वास्थ्य चौकीहरूले बि.सी. जी., डि. पी.टी., पोलियो, दादुरा, धनुष्टंकार आदि खोपको व्यवस्था गर्दै आएका छन् ।

स्थानीय ज्ञान तथा आधुनिक ज्ञानको उपयुक्त सामायोजन गरी स्थानिय, राष्ट्रिय र अत्तराष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने खालको जनशक्ति तयार गर्नु पनि गुणस्तरीय तथा उपलब्धमूलक शिक्षाको मूल उद्देश्य हो । यसै उद्देश्य अनुरूप शैक्षिक संस्थाहरू संचालन हुँदै आएका छन् । खास गरी साक्षरता अभियान, अनौपचारिक शिक्षा, बाल विकास केन्द्र, प्राथमिक, निम्न माध्यमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, क्याम्पस तथा विश्वविद्यालयसम्मका तहको अध्ययन कार्य लाई समेटिएको छ ।

शिक्षा सेवा तर्फ यहाँको कुल साक्षरता ८८.१ %, रहेको छ । जसमा महिला ४९.४७ %, तथा पुरुष ५०.५० % रहेका छन् । विद्यालय शिक्षा तर्फ प्राथमिक विद्यालय अन्तर्गत सरकारी तथा सार्वजनिक गरी ७ वटा, निजी २ वटा तथा सामुदायिक विद्यालयहरू २ वटा रहेका छन् । निम्न माध्यमिक विद्यालय २ वटा, माध्यमिक विद्यालय अन्तर्गत सरकारी तथा सार्वजनिक गरी ३ वटा, निजी २ वटा तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय एउटा र महाविद्यालय (क्याम्पस) एउटा

तथा एउटा विश्वविद्यालय सञ्चालनमा छन् । यसका साथै दुइवटा व्यवसायिक विद्यालयहरु तथा एउटा एस ओ एस बालग्राम सञ्चालनमा छन् ।

धुलिखेल नगरपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरुमा विद्युत लाईन प्राय विस्तार भएको छ साथै यो विद्युत लाईन विस्तार हुने क्रम सयमको आवस्यकतालाई सम्बोधन गरिरहेको पाईन्छ । शहरि क्षेत्रमा सडक वत्ति जडानवाट सहरी सुरक्षा र आवागमन सहज वनाउने प्रयास गरिएको छ । औद्योगिक व्यवसाय तर्फ घरेलु तथा साना उद्योगको संख्या ३९, पसल १२८, स्तरीय होटल १०, साधारण होटल ७७ रहेका छन् ।

यो नगरपालिका भित्र वसोवास गर्ने कृषकहरुले खाद्यान्न तर्फका धान, गहुँ, मकै, कोदो उत्पादन गर्दछन भने मास, बोडी, केराउ, भटमास जस्ता दलहन वालीहरु पनि लगाउछन् । आलु, प्याज, काउली, गोलभेंढा, सिमी, बोडी, काँको, फर्सी, मूला, साग, लौका, घिरौला, खुर्सानी, भण्टा, बन्दा जस्ता विविध मौसमी तरकारीहरु उत्पादन गर्ने गरिन्छ । यसैगरि केरा, अम्बा, नासपाति, जुनार, सुन्तला, निबुवा, ज्यामिर, कागति, लप्सी आदि फलफुलहरु उत्पादन हुन्छन् । तेलहनको एकमात्र प्रमुख बाली तोरी सबै किसानहरुको रोजाई भित्र पर्ने गरेको पाईन्छ ।

२.१.४ विकास आयोजना तथा अन्य गतिविधिहरु

धुलिखेल नगरवासिको भौतिक सुविधा प्रयोग गर्ने अधिकारलाई सम्मान गर्दै यो नगरपालिकाले महत्वपूर्ण भौतिक योजनाहरु सम्पन्न गरेको छ । जसमा धुलिखेल बजार (वडा नं. २, ३, ४, ५, ६, ७, ९, १०, र ११ का केही भागहरु) मा स्वच्छ खानेपानी योजना, धुलिखेल सामुदायिक अस्पताल, काठमाडौं विश्वविद्यालय, सामुदायिक खेल मैदान, टुँडिखेल, पार्क, गुणस्तरीय शिक्षा परियोजना, बस स्ट्याप्ड, प्रतिक्षालय, लेवाइज निर्माण, बसपार्क क्षेत्रमा व्यवस्थित सडक वत्ति जडान आदि रहेका छन् ।

यस नगरपालिका वरपरका पर्यटकीय तथा साँस्कृतिक स्थलहरुमा पनौति, नमोबुद्ध, चण्डेश्वरी मन्दिर, पलाञ्चोक भगवती, दोलालघाट, नेपाल तिब्बत सिमा क्षेत्रमा रहेको तातोपानी तथा वरपरका जिरी, चरिकोट, पाँचखाल, नगरकोट आदि रहेका छन् । मनोरञ्जन तथा पर्यटकीय स्थलहरुमा मुख्यतया गौखुरेश्वर महादेव मन्दिर, देवीस्थान, गोसाईस्थान, टुँडिखेल पार्क, रामो बजार क्षेत्र, नारायण स्थान, गीता मन्दिर तथा पुरानो बजार आदि हुन् ।

धुलिखेल नगरवासि र नगरपालिका साथै यसको आसपासमा वसोवास गर्ने नागरिकहरु आफ्नो परम्परागत मौलिक चालचलन, रितिरिवाज, जात्रा पर्व जस्ता सामाजिक संस्कृति र संस्कार सँग जोडिएका सांस्कृतिक तथा धार्मिक कृयाकलापहरु प्रति राम्रो लगाव भएको पाईन्छ र दर्शै, तिहार, बिस्केट जात्रा, नवदुर्गा जात्रा, गाईजात्रा, माघेसक्रान्ति, हरिसिद्धी त्रिशक्ति जात्रा, हिले जात्रा (धिन्ताँगमुनि जात्रा), लाखे नाच, भगवती जात्रा, कृष्णाष्टमी जात्रा आदि पर्वहरु कलात्मक र उत्साहजनक सहभागिता सहित मनाउने गरेका छन् ।

धुलिखेल नगरवासिले जगेडा सहित अंगिकार गरेका विविध संस्कृतिक, धार्मिक कृयाकलापहरु पर्यटकको रोजाईमा नपर्ने कुरै भएन । स्वभावैले राजधानी हुँदै तातोपानि तर्फ जाने पर्यटकहरुलाई धुलिखेल नगरपालिकाले आकर्षण गर्न सफल भएको छ र नगर क्षेत्रमा रम्न चाहने आन्तरिक तथा वाह्य पर्यटकहरुलाई सेवा प्रदान गर्ने उद्देश्यले यस क्षेत्रमा ३०२ वटा साधारण तथा सुविधा सम्पन्न २० वटा होटलहरु संचालनमा रहेका छन् ।

२.१.५ चुनौती, सम्भाव्यता तथा अवसरहरु

धुलिखेल नगरपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति, वातावरण र त्यहा हुर्किएका धार्मिक, सांस्कृतिक चालचलन संस्कृतिसँग जोडिएका धार्मिक स्थल, काष्ठकला, वास्तुकला आदि काठमाण्डौ उपत्यकाको भन्दा खासै फरक नभएको र उपत्यका सँग स्तरिय सडक र भरपर्दो यातायात व्यवस्था हुदा हुँदै पनि तुलनात्मक रूपमा पछि परेको भान हुँच्छ । यस्तो हुनुमा स्थानीय बुद्धिजीवीहरु, प्रशाशकहरु, योजना विद, क्रियान्वयन कर्ता लगायतका सरोकारवालाहरुको दुरदृष्टिता कमजोर भए भई लाग्छ । यो विवरण पत्र तयार गर्ने कममा अध्ययन टोलीले नगरपालिका भित्रका चालचलन, रितिरिवाज, व्यापार व्यावसाय, मनोरञ्जन आदि क्रियाकलापहरुलाई के कसरी र कुन हदसम्म अंगिकार गरिएको छ भन्ने सवाल लाई नजिक बाट विश्लेषण गरेको थियो । विश्लेषणबाट आएका निम्न चुनौतीहरु लाई अध्ययन टोलीले प्रस्ताव गरेको छ ।

- यस नगरपालिकामा अवस्थित होटल तथा रिसोर्टहरुबाट नेपाल आउने पर्यटकहरुले यथोचित सेवा प्राप्त गर्न सकीरहेका छन् । नगरपालिका क्षेत्रबाट अवलोकन गर्न सकिने नेपालका अधिकांश हिम श्रृँखलाको मनोरम छटाले यहाँ आउने पर्यटकहरुलाई मन्त्रमुग्ध पार्दछ भन्दा अतिशयोक्ति नहोला तथापि आधुनिक स्तरको

गुणस्तरीय सेवा उपलब्ध गराउन पर्यटन व्यवसायीहरु अभैपनि चुकिरहेका छन् । यसर्थ पर्यटन व्यवसाय यस क्षेत्रको निमित्त अत्यन्तै उर्वर क्षेत्र भएको हुनाले यहाँको मनोरम दृश्य अवलोकन गर्न आउने पर्यटकहरुका निमित्त अभ बढी आकर्षित तुल्याई उचित सेवा प्रदान गर्ने तथा मनोरञ्जनका उपायहरुको पहिचान गरी सो सुविधा उपलब्ध गराउने र यहाँ बस्ने समय लम्ब्याउन सकेमा अभ बढी उपलब्धिमूलक हुन सक्ने देखिन्छ ।

- विश्वविद्यालय सम्मका शिक्षण संस्थाहरु रहेको यस नगरपालिकाका जनताको शैक्षिक स्तर अपेक्षित मात्रामा माथि उठ्न सकेको देखिएन । यस सन्दर्भमा यस नगरपालिकाका जनतामा व्यापक मात्रामा शैक्षिक चेतना तथा जागरण ल्याउन सक्ने क्रार्यक्रमहरु अति आवश्यक भएको पाईयो र यसो गर्न सके यस क्षेत्रको शैक्षिक उन्नती हुन सक्ने ठम्याई छ ।
- यस नगरपालिकाले वितरण गरिरहेको खानेपानी उच्च गुणस्तरको भएतापनि परिमाणात्मक अपर्याप्तता र छिरलिएको बस्ति भएकाले प्रत्येक घरधुरीमा धारा जडान हुन नसकेको अवस्था छ ।
- जनस्वास्थ्य सेवाका क्षेत्रमा, आधुनिक उपचार प्रणालीले सुसज्जित अस्पतालको उपलब्धता भएतापनि अपेक्षितरूपमा जागरुकता आई स्वास्थ सेवा उपलब्ध गराउन नसकिएको वर्तमान अवस्था एउटा ठूलो चुनौतिकारूपमा रहेको छ । अस्पताल र स्वास्थ्य केन्द्रमा गएर उपचार गराउनुको सट्टा धामी भाँक्रीमा विश्वास गर्ने र तदनुरूपका उपचार पद्धति अपनाउने प्रवृत्ति हट्न नसकेको अवस्था विद्यमान छ यसर्थ परापूर्वकालदेखी प्रचलनमा आएका रुढिवादी भावनालाई तिरस्कार गरी सामाजिक जागरण ल्याउनु पर्ने अवस्था अद्यापि विद्यमान छ ।
- विकासको भावि गति र संभावनाहरुको प्रक्षेपण नगरी शहरि विकासका कार्यहरु अघि बढाईने गरिएको पाईयो । यसबाट विकासको गति कुन रूपमा अघि जाने हो भन्ने विषय दिशाविहिन हुन पुगेको छ । भोलिको आवश्यकताहरुको प्रक्षेपण गरेर योजना तर्जुमा गर्न सकेमा आज निर्मित संरचनाहरूले दिर्घकाल सम्म सेवा प्रदान गरिरहने छन् । अन्यथा आज विना योजना निर्मित संरचनाहरु भोली भताभुङ्ग बनाउने अवस्था शृजना हुन सक्नेछ ।

- यस नगरपालिकामा उपयुक्त योजना बिना अनियन्त्रित र अव्यवस्थित शहरीकरणको विकास भएकाले कतिपय असहज अवस्थाहरूको शृजना हुने गरेको पाईयो जसका कारणले गर्दा सेवाग्राहीलाई आवश्यक सेवा उपलब्ध गराउन कठिन भैरहेको छ ।
- यो नगरपालिका कार्य सम्पादन र सेवा प्रदायकका दृष्टिकोणबाट अन्य नगरपालिकाको तुलनामा अब्बल नगरपालिकाहरूको श्रेणीमा पर्दछ । उपयुक्त सामाजिक अवस्थाका बाबजुद यस नगरपालिकाको विकासको गति द्रुतर मात्रामा अघि बढीरहेको छ । यो परिपाटीलाई यस नगरपालिकाको भविष्यको विकास निर्माणमा गरिने भावी योजनाको प्रक्षेपणका लागि सकारात्मक तथा शुभ संकेत मान्नु पर्दछ ।

नगरपालिकाको वर्तमान संरचनामा भएको विविध व्यवस्थापकिय सुधारहरूमा निम्न कार्यहरू अभ्य व्यवस्थित गर्ने सके आगामी दिनहरूमा राम्रो उपलब्ध हुने निश्चित छ ।

- नगरक्षेत्र भित्र उत्पादित फोहरमैलाको वैज्ञानिक तरिकाबाट व्यवस्थापन गर्ने । फोहोरको श्रोतमा नै जैविक र अजैविक फोहर छुट्याई सोही अनुसारको प्रशोधन र विसर्जन कार्य गर्ने ।
- स्वच्छ नगर विकासको लागि नगरपालिकालाई प्लाष्टिक मुक्त क्षेत्र र दिशा मुक्त क्षेत्र घोषणा गरि त्यसको कार्यान्वयन भए नभएको सम्बन्धित निकायबाट नियमित रूपमा अनुगमन गर्ने ।
- मनोरम दृश्य अवलोकन गर्न आउने पर्यटकहरूका निमित्त अभ्य बढी आकर्षित तुल्याई उचित सेवा प्रदान गर्नका लागि पर्यटक पथप्रदर्शकको व्यवस्था गर्ने । आगान्तुक पर्यटकहरूलाई आवश्यक सुविधा उपलब्ध गराई यहाँ बस्ने समय लम्ब्याउन सकेमा अभ्य बढी आर्थिक उपलब्धिमूलक हुने देखिन्छ ।
- रोजगारी तथा आय आर्जनकालागि अन्य संभावित क्षेत्रहरूको खोज तथा पहिचान गरी गुणस्तरिण सेवा प्रदान गर्न सक्ने सीपयुक्त सक्षम जनशक्ति तयार पार्न सकिएमा र उपलब्ध श्रोतसाधनहरूको अत्याधिक मात्रामा परिचालन गर्न सकेमा ग्रामीण रोजगारीका अवसरहरूमा स्थानीय स्तरमानै वृद्धि हुनगई यहाँको जीवनस्तरमा व्यापकमात्रामा सुधार हुँदै जाने कुरा निर्विवाद नै छ ।

- यहाँका अन्य सम्भाव्य उत्पादनशील क्षेत्रहरूको पहिचान गर्ने र तदनुरूपको प्राथमिकता निर्धारण गरी योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने वर्तमान अवस्थाको टड्कारो आवश्यकता छ ।
- यहाँका जनताले अनुभूत गरेका योजनाहरूको कार्यान्वयन पक्षलाई सबल तुल्याई गति दिनु पर्ने अवस्था देखिन्छ । यसबाट बाजिछत मात्रामा विकासको गति अधिक बढ्न सक्ने अपेक्षा गर्न सकिन्छ । यस प्रयोजनका लागि प्रभावकारी सूचना प्रणालीको सञ्जाल निर्माण गर्नु पर्ने नितान्त आवश्यक छ ।
- विकास निर्माणका कार्यहरूलाई गतिशील तुल्याई निर्देशित समयमा सम्पन्न गर्नका लागि आर्थिक पारदर्शिता एउटा महत्वपूर्ण पक्ष हो । कतिपय स्थानीय निकायहरू आर्थिक पारदर्शिताको अभावमा विभिन्न समस्याहरूको सामना गरिरहेका छन् । यस समस्याको समाधानार्थ नगरपालिकाले मासिक रूपमा आफ्नो आम्दानी खर्चको विवरण सार्वजनिक गर्ने र सार्वजनिक सुनवाइका माध्यमबाट प्रगति विवरण जनसमक्ष प्रस्तुत गर्दा नगरपालिकाको साखमा अभिवृद्धि हुन जानेछ ।
- नगरपालिकाको आम्दानी - खर्चको लेखा परीक्षणबाट देखा परेका अनियमितता, बेरुजु, भ्रष्टाचार तथा हिनामिना भएको रकम असुल फछ्यौट सम्बन्धमा स्थानीय निकायले प्रचलित कानून बमोजिम कार्यवाही गर्ने र सम्बन्धित निकायलाई गर्न लगाउने ।
- नगरपालिकामा लगानीको विश्वसनीय वातावरण बनाउनाका लागि शान्ति सुरक्षाको भरपर्दो व्यवस्था गरी लगानी मैत्री वातावरण शृङ्जना गर्ने । उच्चमी, व्यवसायी तथा लगानीकर्तालाई लगानी गरिएको सम्पति सुरक्षित रहेको प्रत्याभूति दिने तथा समय समयमा अन्तरक्रिया गरी बाधा व्यवधान तथा गुनासाहरूको निरूपण गर्ने ।
- नगरपालिकामा शृङ्जना हुने रोजगारीमा स्थानीय लक्षित वर्गको पहुँच हुने वातावरण नगरपालिकाले शृङ्जना गरी दिने ।
- स्थानीय स्तरमा सञ्चालन गरिएका विकास आयोजना, परियोजना तथा कार्यक्रमहरू निर्दिष्ट तौर तरिकाबाट सञ्चालन भए नभएको बारेमा नियमितरूपमा नगरपालिकाबाट अनुगमन तथा निरीक्षण गर्ने र राम्रो काम गर्ने कर्मचारी, उपभोक्ता समिति, उच्चमी, व्यवसायी तथा लगानीकर्तालाई पुरस्कृत गर्ने । राम्रो काम

नगर्ने कर्मचारी, उपभोक्ता समिति, उद्यमी, व्यवसायि तथा लगानिकर्तालाई प्रचलित कानून बमोजिम कारबाहि गर्ने ।

२.१.६

अन्तरसम्बन्ध तथा समन्वय

यो दस्तावेज धुलिखेल नगरपालिकाको हालको वस्तु स्थिती समेट्ने गरि वनाईएका प्रश्नावली, विशेष व्यक्तिगत छलफल, समुहिक छलफछ, स्थलगत अवलोकन र आम नागरिकको सुभाव लाई आधार मानेर तयार गरिएको हो । यसमा संकलन भएका तथ्यहरूले अहिले सम्म भए गरेका भौतिक निर्माणका प्रयासहरु, आर्थिक सामाजिक उत्थानका विभिन्न पक्षहरु, सांस्कृतिक तथा वातावरणिय परिदृश्यहरूलाई सम्भव भएसम्म बढी सूचनामूलक वस्तुपरक र व्यवहारिक वनाउने प्रयास गरिएको छ ।

उर्ध्वगामी अन्तर सम्बन्धमा नगरपालिकाले जिल्ला विकास समिति तथा नेपाल सरकार स्थानिय विकास मन्त्रालयसंग सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध कायम गरी कार्य सञ्चलन गर्न सकेमा निम्न कार्यहरूमा गतिशीलता आउन सक्ने देखिन्छ ।

- ✓ जिल्ला स्तरका सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यालयहरूसंग सुमधुर सम्बन्ध कायम गर्ने, कार्यक्रम सञ्चालनमा समन्वय स्थापना गर्ने तथा पारस्परिक सहयोग आदान प्रदान गर्नु उपयुक्त हुने ।
- ✓ जिल्ला स्थित राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय गैर सरकारी संघसंस्थाहरूसंग समन्वय गरी कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु उपयुक्त हुने ।
- ✓ नगरपालिकामा रहेका राजनैतिक संयन्त्रहरु विच सुमधुर सम्बन्ध स्थापना गरी कार्यक्रम सञ्चालन गरे संचालित कार्यक्रममा बढी प्रभावकारिता आउने छ ।
- ✓ नगरपालिकाका प्रत्येक वडा कार्यालयहरूसंग समन्वय गरी कार्यक्रम सञ्चालनमा देखिएका कठिनाई तथा बाधा अवरोध हटाउनका निमित्त सक्रिय भूमिका निर्वाह गर्ने तथा आयोजनाहरूको नियमित अनुगमन गरी देखिएका त्रुटिहरु हटाउनका लागी समय समयमा निर्देशन दिने ।

अध्याय ३

पारिवारिक तथा जनसांख्यिकीय विवरण

नगरपालिकाले उपलब्ध गराउने सेवा, भौतिक निर्माण, जनचाहना अनरूपको कार्यविस्तार नगरपालिका भित्र बसोबास गर्ने नागरिकहरूको अवस्था बारे पूर्ण विश्लेषण नगरी गरिएको भए त्यसको औचित्य रहदैन । नगर क्षेत्रको जनसांख्यिकीय विवरण लाई आधार मानेर नै कार्य योजना, श्रोत वितरण र योजना कार्यान्वयन गर्नु गराउनु पर्ने कानूनी प्रावधान पनि छ ।

यो विवरण तयार गर्दा पनि जनसांख्यिकीय विवरणलाई आधार मानिएको छ । यसबाट नगरपालिका भित्र बसोबास गर्ने परिवार संख्या, घरमुलि, कुल जनसंख्या, उनीहरूले अपनाउँदै आएका पेशा, व्यवसाय आदिको बारेमा जानकारी भएमा वर्तमान अवस्था र भविष्यमा अपनाउनु पर्ने नीति तथा रणनीति बारे पनि आवश्यकता अनुसार प्रक्षेपण गरी कार्यक्रम तय गर्न सजिलो हुनेछ ।

कुनैपनि देशको सभ्य, सुशील, अनुशासित र शिक्षित जनशक्तिले त्यस देशको उत्थान, उन्नति र विकासमा महत्वपूर्ण योगदान गर्ने गरेको हुन्छ जबकि अशिक्षित, सिप नभएका तथा अनुशासनहीन जनशक्तिले राष्ट्रलाई अधोगतितिर लैजाने गर्दछ ।

यस परिप्रेक्षमा राष्ट्रको आवश्यकतानुसार अपेक्षित विकास योजना तयार पार्नकालागी त्यस देशको जनशक्तिबारे जानकारी हासिल गर्ने र तदनुरूपका योजना तथा कार्यक्रम निर्धारण गर्नु पर्ने आजको आवश्यकता हो । मीथ उल्लेखित सन्दर्भलाई हृदयांगम गरी धुलिखेल नगरपालिकाको पारिवारिक तथा जनसंख्याबारे अध्ययन गरी तत्सम्बन्धि विवरण तयार पारी प्रस्तुत गरिएको छ ।

३.१ घरधुरी तथा जनसंख्याको विवरण

राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त तथ्यहरूलाई प्रचलित कम्प्युटर सफ्टवेयरको माध्यमबाट विश्लेषण गर्दा प्राप्त भएका निचोड तथा तथ्याङ्कहरूलाई तलको तालिका अनुसार राखिएको छ ।

तालिका नं ३.१.१ घरधुरी तथा जनसंख्याको विवरण

| | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | |
|---------------|-----------|------|------|-----|------|------|------|------|-----|------|------|------|------|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | जम्मा |
| घरधुरी संख्या | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |
| परिवार संख्या | २४४४ | १०६५ | १०१८ | ९३९ | ११६१ | ३३४५ | ३५६७ | १०८६ | ८१५ | २२७२ | १६४७ | २३६१ | ३०६३ | २४७८३ |
| पुरुष | १२४३ | ५२८ | ५०६ | ४६७ | ५७४ | १६६७ | १७८० | ५३८ | ४०१ | ११३२ | ८१८ | ११६२ | १५०९ | १२३२५ |
| महिला | १२०१ | ५३७ | ५१२ | ४७२ | ५८७ | १६७८ | १७८७ | ५४८ | ४१४ | ११४० | ८२९ | ११९९ | १५५४ | १२४५८ |
| जम्मा | २४४४ | १०६५ | १०१८ | ९३९ | ११६१ | ३३४५ | ३५६७ | १०८६ | ८१५ | २२७२ | १६४७ | २३६१ | ३०६३ | २४७८३ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

यस नगरपालिकामा गरिएको घरधुरी सर्वेक्षणका तथा जनगणना २०६८ का आधारमा उपलब्ध तथ्यांकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ जम्मा घरधुरी संख्या ४६७८, परिवार संख्या २४७८३, जसमा पुरुष १२३२५ र महिला १२४५८ रहेको देखिन्छ। यस सर्वेक्षण तथा अध्ययनबाट सबैभन्दा कम घरधुरी बडा नं ९ मा १५३ रहेको तथा सबैभन्दा बढी घरधुरी बडा नं ७ मा ६७३ रहेको देखिन्छ। यसकासाथै जम्मा परिवार संख्या सबैभन्दा कम बडा नं ९ मा ८१५ तथा सबैभन्दा बढी बडा नं ७ मा ३५६७ रहेको देखिन्छ। पुरुष र महिलाको संख्या हेर्दा बडा नं ९ मा सबैभन्दा कम क्रमशः ४०१ र ४१४ तथा सबैभन्दा बढि बडा नं ६ मा १७८० तथा १७८७ रहेको देखिन्छ।

३.२ उमेर समुहअनुसार जनसंख्याको विवरण

धुलिखेल नगरपालिका भित्र वसोवास गर्ने सम्पूर्ण वासिन्दाहरुको उमेरलाई विभिन्न समुहमा विभाजन गरि उमेरमा पाईएको विविधतालाई वर्गीकरण गरि तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका नं. ३.२.१ उमेर समुहअनुसार जनसंख्याको विवरण

| उमेर समुह | महिला | पुरुष | जम्मा |
|---------------|-------|-------|-------|
| ० - ४ वर्ष | १७४४ | १७३५ | ३४७९ |
| ५-१४ वर्ष | ३८१७ | ३७६५ | ७५८२ |
| १५-५९ वर्ष | ६६४९ | ६५७९ | १३२२८ |
| ६० भन्दा माथि | २४८ | २४६ | ४९४ |
| जम्मा | १२४५८ | १२३२५ | २४७८३ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरूको विश्लेषण गर्दा यहा बसोवास गर्ने मानिसहरूको उमेर अनुसार चार वर्षसम्मका बाल बालिका ३४७९ जना, ५-१४ वर्ष सम्मका ७५८२ जना, १५-५९ वर्षसम्मका १३२२८ तथा ६० वर्षभन्दा माथिका ४९४ जना गरी जम्मा २४७८३ जना रहेको पाइएको छ ।

३.३ जातिगत जनसंख्याको अवस्था

अध्ययनले जातका आधारमा कुन र कति संख्यामा जनसंख्या वितरण भएको छ भन्ने कुरालाई पनि समेटेको थियो र नगरपालिका भित्र वसोवास गर्ने नागरिकहरु तलको तथ्याङ्कमा राखिएको छ ।

तालिका नं. ३.३.१ जातिगत जनसंख्याको अवस्था

| | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|----------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| क्षेत्री | १२३ | २३७ | २४५ | ३३४ | १८० | २३० | ६०५ | १४५ | ५३ | २१० | १७५ | ४४९ | ५६७ | ३५५३ |
| बाहुन | २१९ | १७८ | - | - | - | २३९ | २४५ | २०२ | ५७ | ६४३ | ३५३ | २३४ | २४५ | २६१५ |
| मगर | - | - | - | - | - | २३९ | ३१६ | - | ७८ | २६५ | २१२ | २६५ | २४२ | १६१७ |
| थारु | - | - | - | - | - | - | ५७ | - | ४२ | - | ६७ | ५३ | - | २१९ |
| तमाड | ७५६ | १३० | १०५ | १२४ | ९५ | ९९६ | ३२४ | १६८ | १२७ | २८ | ३४७ | २७८ | ३५९ | ३८३७ |
| नेवारी | १६३ | ८७६ | ८६७ | ४५७ | ७५३ | ७७९ | ९३४ | ५८६ | ३४६ | ४०५ | ३६९ | ६५३ | ७६७ | ७८५५ |
| मुस्लीम | - | - | - | - | - | ४६ | - | - | १२ | ३६ | ८९ | १५ | ४५ | २४३ |
| कामी | ६७ | ३९ | १० | १६ | ६७ | ८७ | ५९ | ९५ | ६९ | १०५ | ६५ | ७८ | २३५ | १०७२ |
| राई | ३५ | ४५ | ३४ | १२ | ५६ | १७८ | ३४ | ४१ | ३८ | २३ | १६७ | १५७ | ११५ | ९३५ |
| गुरुड | - | २१ | - | - | ८९ | १२९ | १२५ | - | ७९ | १०१ | - | - | - | ५४४ |
| दमाई | २३४ | १३० | ७८ | - | २४५ | २५ | ६७ | ५७ | ६४ | १० | ११० | - | - | १०१० |
| थकाली | २४३ | - | ३२ | ५६ | - | - | - | - | ४५ | ६७ | ३२ | २१ | - | ४९६ |
| थामी | - | - | - | - | - | - | - | - | २३ | - | - | - | - | २३ |
| पहारी | १२ | - | - | - | - | - | - | १४ | - | - | - | - | - | २६ |
| सार्की | - | - | - | - | - | २३४ | ६४ | ३६ | - | - | - | - | ४७ | ३८१ |
| सुनुवार | - | - | - | - | ३४ | - | - | - | २३ | ५६ | ६७ | - | - | १८० |
| अन्य | २३ | १२ | - | १२ | ४८ | ७४ | ३४ | - | १४ | १९ | - | - | १५ | २४९ |

श्रोतः- राष्ट्रीय जनगणना २०६८ तथा ध्रुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

प्राप्त तथ्यांकहरुको आधारमा विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोवास गर्ने जनताहरु मध्ये ३५५३ क्षेत्री, २६१५ ब्राह्मण, १६१७ मगर, २१९ थारु, ३८३७ तामाङ, ७८५५ नेवार, २४३ मुस्लिम, १०७२ कामी, ९३५ राई, ५४४ गुरुङ, १०१० दमाई, ४९६ थकाली, ३८१ सार्की, १८० सुनुवार, २३ थामी २६१० पहारी, तथा अन्य २४९ गरी जम्मा २४७८ जना रहेको देखिन्छ ।

३.४ मातृ भाषा अनुसारको जनसंख्या

नेपालको जनसंख्या विवरणको विविधतालाई यो नगर पालीकामा बसोवास गर्ने नागरिकहरुले पनि प्रतिनिधित्व गर्दछन् । गाउँको तुलनामा वजार क्षेत्रको जनसंख्या वितरणमा बढि विविधता छ जसलाई तलको तालिकाले पुष्टि गर्दछ ।

तालिका नं. ३.४.१ मातृ भाषा अनुसारको जनसंख्या

| भाषा | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-----------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | | |
| नेपाली | १५२२ | ११०५ | ६४३ | ३६८ | ८९२ | १३५६ | १५४२ | ९६४ | ७३० | ७५४ | ५६८ | ८७६ | ६४० | ११९६० | |
| मैथिली | - | - | - | २ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | २ | |
| भेजपूरी | - | - | - | ५ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | ५ | |
| थारु | २५ | ५६ | ९८ | ५६ | २०५ | १२७ | १२७ | २३४ | - | १७५ | २३१ | ३१५ | २१५ | १८६४ | |
| तामाङ | ६७ | ८३ | १४३ | १३८ | १५६ | ६७० | २४५ | ४२८ | २१६ | २३७ | २१३ | १६५ | ३१२ | ३०७३ | |
| नेवारी | १०२८ | ५९९ | ४६५ | ९४५ | ५६७ | १२३० | ९८७ | ९३१ | ४२८ | ६७९ | ९६७ | ९८४ | ६७८ | १०४८६ | |
| गुरुङ | १३३ | ८९ | ७४ | १२३ | १६७ | २०७ | १४९ | ३९८ | २१६ | १३६ | १३८ | २३१ | २१३ | २१०४ | |
| अन्य | ४५ | २३ | २२ | २९ | ५६ | १०५ | ८८ | २६ | ५८ | ३७ | ३४ | २१ | ३४ | ५२८ | |
| जम्मा | २८२० | १९५५ | १४४५ | १६६६ | २०४३ | ३६९५ | ३०८८ | २९०९ | १५५८ | २०१८ | २१५१ | २५९२ | २०९२ | | |

श्रोतः- राष्ट्रियजनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

प्राप्त तथ्यांकहरुको आधारमा विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोवास गर्ने विभिन्न जातजातिका मानिसहरुले बोल्ने मातृ भाषाका आधारमा नेपाली भाषा भाषीहरु ११९६०, मैथिली भाषा भाषीहरु २, भोजपुरी भाषा भाषीहरु ५, तामाङ भाषा भाषीहरु ३०७३, नेवारी भाषा भाषीहरु १०४८६, थारु भाषा बोल्नेहरु १८९४ तथा गुरुङ भाषा भाषीहरु, २१०४ अन्य भाषा बोल्ने नागरिकहरु बसोवास गर्दछन् ।

३.५ धर्मको आधारमा जनसंख्याको विवरण

बहुसंख्यक नागरिकरिक हिन्दु धर्म मान्ने भएपनि बौद्ध, ईस्लाम, ईसाई आदि धर्म मान्ने मानिसहरु पनि यहाँ बसोबास गर्दछन् । यसबाट धार्मिक तथा सांस्कृतिक विवरणामा विविध आयमहरु भएको तथ्य पुष्टि हुन्छ । धर्मका आधारमा जनसंख्याको प्रतिनिधित्व तलको तालिकामादेखाईएको छ ।

तालिका नं. ३.५.१ धर्मको आधारमा जनसंख्याको विवरण

| धर्म | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|------------|-----------|-----|-----|-----|-----|------|------|------|-----|-----|------|------|------|-------|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | | |
| हिन्दु | ८९० | ५३१ | ५९८ | ५२४ | ५१३ | १९६३ | १५५६ | १८०० | ५४३ | ९५१ | १३४५ | ९८२ | १२०४ | १३२०० | |
| बौद्ध | १५० | ६१२ | ४३६ | ४२२ | ८४३ | १३२४ | १०११ | ७५६ | ७३४ | ४४४ | ६९० | १२८९ | २९४ | ९२१४ | |
| क्रिष्णियन | १७८ | १३२ | १२१ | ४४ | ४५ | १२१ | १५६ | १२३ | ३४ | २३६ | ३४ | १३८ | १४६ | १५०५ | |
| मुस्लिम | १४ | - | - | - | - | - | २५ | १८ | - | १३ | - | - | - | ७० | |
| शिख | - | - | ३ | - | - | - | २१ | ४५ | - | ५२ | - | - | - | १२१ | |
| अन्य | २८ | २१ | ६७ | ५६ | ३२ | २७ | ४८ | ४९ | ४७ | १२ | ७२ | ८३ | ४८ | ६७० | |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने विभिन्न जातजातिका मानिसहरुले अपनाउँदै आएको धर्ममा विविधता रहेको छ । जसमा हिन्दु धर्म मान्ने १३२००, बौद्ध धर्म मान्ने ९२१४, ईस्लाम धर्म मान्ने ७०, ईसाई धर्म मान्ने १५०५, शिख धर्म मान्ने १२१ जना र अन्य धर्म मान्ने वा धर्म नखुलेको जनसंख्या ६७० रहेका छ ।

३.६ मातृ भाषा अनुसारको जनसंख्या

नेपालको जनसंख्या विवरणको विविधतालाई योस नगर पालीकामा बसोबास गर्ने नागरिकहरुले पनि प्रतिनिधित्व गर्दछन् । गाउँको तुलनामा वजार क्षेत्रको जनसंख्या वितरणमा बढि विविधता छ जसलाई तलको तालिकाले पुष्टि गर्दछ ।

तालिका नं. ३.६.१ मातृ भाषा अनुसारको जनसंख्या

| भाषा | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-----------|------|-----|-----|-----|------|------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | | |
| नेपाली | ५२२ | ११०५ | ६४३ | ३६८ | ७१२ | १२५६ | १३४२ | ८६४ | ९३० | ६५४ | ४६८ | ७७६ | ५४० | १७९६० | |
| मैथिली | - | - | - | २ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | २ | |
| भेजपुरी | - | - | - | ५ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | ५ | |
| थारु | १५ | ४६ | ४८ | ५६ | १०५ | २७ | २७ | १३४ | - | ४५ | १३१ | ११५ | ११५ | १६६४ | |
| तमाङ | ६७ | ८३ | १४३ | १३८ | १५५ | ६७० | २४५ | ४०८ | २१६ | २३७ | २०३ | १६५ | ३०२ | ३०३२ | |
| नेवारी | १०२८ | ५९९ | ४६५ | १४५ | ५६७ | १०३० | ४८७ | ४३१ | ४२८ | ४७९ | ७६७ | ७८४ | ४७८ | ८४८ | |
| गुरुङ | १३३ | ८९ | ७४ | १२३ | १६७ | २०७ | १४९ | ३९८ | २१६ | १३६ | १३८ | २३१ | ११३ | २००४ | |
| अन्य | ३५ | १३ | २२ | २९ | ५६ | ५५ | २८ | २६ | ३८ | ३७ | ३४ | २१ | ३४ | ४२८ | २४७८३ |

श्रोतः- राष्ट्रीय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

माथि उपलब्ध तथ्यांकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने विभिन्न जातजातिका मानिसहरुले बोल्ने मातृ भाषाका आधारमा नेपाली भाषीहरु १७९६०, मैथिली भाषा भाषीहरु २, भोजपुरी भाषा भाषीहरु ५, तामाङ्ग भाषा भाषीहरु ३०३२, नेवारी भाषा भाषीहरु १०४८६, तथा गरुङ्ग भाषा भाषीहरु २१०४ रहेको तथ्याङ्कले देखाउछ ।

३.७ जन्मस्थानको आधारमा

स्वभावैले मानिसले अवसर खोजदछ र पाएसम्म आफुलाई सहज हुने ठाँउमा स्थायी तथा अस्थायी तरिकाले वसोवास गर्दछ । यो नगरपालिका क्षेत्रमा पनि रैथानेका अलवा अन्य ठाँउहरुबाट वसाई सरि वस्नेहरुको सम्ह ठुलै छ ।

तालिका नं. ३.७.१ जन्मस्थानको आधारमा

| | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------|-----------|------|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|------|------|------|-------|--|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | जम्मा | |
| यहि न. पा. | १४४० | १४४८ | १७६ | ११७६ | १३७८ | २०७९ | १२१२ | ५२८ | १०२८ | ५९५ | १०९२ | १०९३ | ११५० | १५१९५ | |
| यही जिल्ला | ६८५ | ५६३ | ३२४ | ३५६ | ४३६ | ५८९ | ६८६ | ६९६ | ३१५ | ५९३ | ६१७ | ९६१ | ६७३ | ७०९४ | |
| अर्को जिल्ला | २६७ | २३९ | २३७ | १०७ | २१७ | ३२७ | ७९ | ६६५ | २०८ | १२७ | १३१ | १३८ | १०८ | २३९५ | |
| विदेश | ८ | ५ | ८ | ७ | १२ | - | ११ | १२ | ७ | ३ | १० | - | १६ | ९९ | |

श्रोतः- राष्ट्रीय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ वसोवास गर्ने विभिन्न जातजातिका मानिसहरुको वसोवासका अलावा बाहिरी जिल्लाबाट बसाई सराई गर्ने जातजातिको संख्या पनि उल्लिखित होको पाईएको छ। यसबाट के प्रष्ठ हुन्छ भने मानिसहरु सुविधाको खोजिमा एक ठाउँ बाट अर्को ठाउँमा सर्ने कार्य तिब्र रूपमा भईआएको र यसलाई समयमानै सम्बोधन गर्नुपर्ने हुन्छ। माथिको तालिका अनुसार अध्ययन गर्दा यसै नगरपालिकामा जन्म भएका १५१९५, यही जिल्लामा जन्म भएका ७०९४, अर्को जिल्लामा जन्म भएका २३९५, विदेशमा जन्म भएका ९९जना मानिसहरु रहेको पाईयो।

३.८ वसोवासका कारण

जनसंख्या अदल बदल हुने वा जनसंख्या वितरणमा प्रभाव पार्ने विविध आर्थिक सामाजिक पक्षहरु छन् र जनसंख्या वितरणलाई प्रभाव पार्ने त्यस्ता पक्षहरुलाई पनि यो प्रतिवेदनले समेत नेप्रयास गरेको छ। जनसंख्या वितरणमा कुन पक्षले कर्ति प्रभाव पार्न्यो भन्ने कृतालाई तालिकामा वितरित आकडाले देखाउछ।

तालिका नं. ३.८.१ वसोवासका कारण

| क्र सं. | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|----------------|-----------|-----|-----|------|-----|------|------|------|-----|------|-----|------|------|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| विवाह | १०५६ | ७७६ | ४५० | ७५३७ | ९३१ | ११०७ | १०९२ | ११६२ | ५७६ | १०३४ | ८७६ | ११५४ | १०३९ | १२२९० |
| अन्य पारिवारिक | २८९ | २२४ | २६७ | ३७८ | ४५१ | ४९३ | ४३९ | ३३९ | ३३० | २४८ | ३४१ | ४७० | २३८ | ४५११ |
| राम्रै तलब | १३४ | १०१ | १४ | ७८ | ९८ | ११४ | ११६ | ७४ | १७२ | १०६ | १९८ | १६१ | १०३ | २६२९ |
| व्यवसाय | ९६ | ६७ | २५ | ६५ | १८६ | १२४ | १९७ | १८६ | १५३ | ५७ | १२३ | १०३ | १७१ | १५५३ |
| सरुवा | ६७ | ४८ | ८९ | ५१ | ३८ | ३२ | १६४ | १०८ | ८५ | ८४ | ८९ | ६९ | ७८ | १००२ |
| अध्ययन तालिम | ३४ | ३१ | ४४ | १३८ | ८४ | १०४ | १०२ | ७२ | ९१ | ९३ | ३९ | १३४ | १०२ | १०२८ |
| कामको खोजी | ११३ | ९७ | २८ | ८७ | ९९ | ११२ | १०१ | १०९ | ६९ | ९१ | ९४ | ९१ | ७५ | ११७६ |
| सुविधाको लागि | २०३ | ७५ | ८२ | ९२ | १०२ | ९४ | १२० | १०० | ७९ | ९८ | ७० | ९२ | ७९ | १३०० |
| अन्य | १८ | २६ | ६ | ४० | ५४ | ३५ | १२ | १६ | ३ | ७ | १२ | १८ | ७ | २५४ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

यसमा माथि उल्लेखित बसोवासलाई आधारमानी बसोवासका कारणहरुबाटे अध्ययन गर्दा विवाह १२२९०, अन्य पारिवारिक ४५११, राम्रो तलब २६२९, यहाँको जागिर व्यवसाय १९५३, जागीर सरुवा १००२, अध्ययन तालिम १०२८, कामको खोजी ११७६, सुविधाका लागी १३४१ तथा २५४ मासिहरु यस क्षेत्रमा बसोवास गरेको पाईयो ।

३.९ वैवाहिक अवस्थाको विवरण

विवाह एक सामाजिक प्रक्रिया हो । यस नगरपालीकामा बसोवास गर्ने मानिसहरु पनि वैवाहिक स्थीतीमा बाधिएको पाईयो । विवाहको स्थीतीलाई तलको तालिकामा प्रस्तुत गर्न सकिन्छ ।

तालिका नं. ३.९.१ वैवाहिक अवस्थाको विवरण

| क्र सं. | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|----------------|-----------|-----|-----|-----|-----|------|------|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | |
| विवाह नभएको | ८३४ | ५५६ | ५६७ | ७८६ | ६७८ | ५२९८ | १०८३ | ९९४ | ४५६ | ४६२ | ७२ | ६७६ | ४७८ | ८५८० | ८५८० |
| एक विवाह | ८८६ | ७६१ | ३१२ | ४१६ | ६९३ | ६८६ | ४३५ | ९६० | ६१२ | ८४३ | ९९७ | ८९९ | ९३१२ | | |
| बहु विवाह | ६७ | ३५६ | १३ | ६ | ३४ | १६ | ७६ | १७ | १२ | ३४ | ३१ | ४१ | ३४ | ३३७ | |
| पुनर्विवाह | ३४ | ९ | १६ | २३ | १८ | १७ | ४५ | ३७ | ३४ | २५ | ५१ | २४ | ४२ | ३७५ | |
| विदुर | ४६ | ३६ | ३२ | ४ | ३६ | ७१ | २६ | ३७ | २१ | २२ | २७ | २९ | १६ | ४०३ | |
| विधवा | ७६ | १९ | २१ | १९ | ३१ | ४१ | ३२ | ४१ | ४१ | १२ | ३५ | ११ | २९ | ४०८ | |
| पारपाचुके | ३४ | १० | ९ | ८ | ७ | १९ | ३२ | ३२ | २६ | १६ | १३ | ३१ | २८ | २६५ | |
| छुट्टिएको | ५४३ | ३०८ | ३७५ | ४०४ | ३४६ | ३४७ | ३४९ | ७८३ | ३४६ | २२५ | २३९ | ५७३ | ३६५ | ५२०३ | |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

यसमा माथि उल्लेखित तालिकाले नगरक्षेत्रभित्र बसोवास गर्ने मानिसहरुको वैवाहिक स्थीतीको वारेमा थाहा पाउन सकिन्छ । नगर क्षेत्रभित्र अविवाहित ८५८०, एकल विवाह गर्ने ९३१२, बहु विवाह गर्ने ३३७, पुनर्विवाह गर्ने ३७५, विदुर ४०३, विधवा ४०८, पारपाचुके २७५ तथा छुट्टिएको ६२०३ पाईयो ।

३.१० व्यवसायको सिलसिलामा नगर बाहिर रहेका परिवारको विवरण

मानिस पेशा तथा व्यवसायको क्रममा आफ्नो जन्म थलो छोडेर अन्यत्र गई काम गर्ने परम्परा नै छ । अन्य ठाँउको मानिसहरु जस्तै यस ठाउका मानिसहरु कमको खोजीमा नगर बाहिर गएका छन् । अवसरको खोजी तथा आर्थिक विकासको लागि यस नगरपालिकाका मानिसहरु

पनि अन्य ठाँउमा गएर काम गरेको विवरणलाई तलको तालिकामा निम्नानुसार देखाउन सकिन्छ ।

तालिका नं. ३.१०.१ व्यवसायको सिलसिलामा नगर बाहिर रहेका परिवारको विवरण

| विवरण | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | |
|---------------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | जम्मा |
| घरधुरी संख्या | २९ | ११० | १३० | ११२ | १४० | ६५ | १२ | १३२ | ८८ | ६७ | ८६ | १०१ | ४५ | १११७ |
| परिवार संख्या | १९८ | ७५२ | ७१४ | ७४५ | ८१५ | २५० | ९८ | ७५२ | ३५५ | ३६५ | ४८७ | ३५९ | ५३४ | ६४२४ |
| पुरुष | ८५ | ३८० | ३२४ | ३७५ | ४०२ | १२२ | ५२ | ३७० | १७६ | २७९ | ३७० | २८४ | २८४ | ३५०३ |
| महिला | ११३ | ३७२ | ३९० | ३७० | ४१३ | १२८ | ४६ | ३८२ | १७९ | २९५ | १७५ | ३२१ | ४२३ | ३६०७ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

माथीको तालिकालाई अध्ययन गर्दा यस धुलिखेल नगरपालिका भित्र वासेवास गर्ने मानिहरु मध्ये ३५०३ पुरुष तथा ३६०७ महिलाहरु विभिन्न व्यवसाय तथा कामको शिलशिलामा नगरबाहिर रहेको पाईयो । यो तथ्याङ्कले विदेश जाने, व्यवसाय तथा विभिन्न कामको लागि नगरवाट बाहिरिने चलन बढिरहेको कुरालाई पुष्टि गर्दछ ।

३.११ विशेष सिप तालिम

मानव जिवनको लागि सिप तथा तालिमको महत्व अपरिहार्य छ । यसले मानव क्षमताको बहुआयमिक पक्षहरूलाई प्रस्फूटन गरि जीवन उपयोगि शिप तथा क्षमता विकास गराउन अहम भूमिका खेल्छ ।

जीवन निर्वाहका लागि आवश्यक पर्ने जीवीकोपार्जनका माध्यमहरूको प्रयोग गर्दा जस्तै कृषि कार्य, पशुपालन, सिकर्मि, डकर्मि, शिलाई, फर्निचर, हस्तकला, होटल सञ्चालन आदिमा प्रशिक्षण तथा तालिमको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । यो यथार्थलाई धुलिखेल नगरपालिकाले पनि आत्मसाथ गरेको पाईयो । यस क्षेत्रका मानिसहरूले राम्रो जिवन सञ्चालनका लागि प्राप्त गरेका तालिमका विवारणहरूलाई तलाको तालिकामा उल्लेख गरिन्छ ।

तालिका नं. ३.११.१ विशेष सिप तालिम

| कोड | सिप | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|-----|---------------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | कृषि | १३ | - | ३२ | ११४ | १२३ | १७० | १४९ | ७६ | ६ | ३२ | १७ | ५३ | ४५ | ८३० |
| २ | स्वास्थ्य | ७ | १३ | १४ | ३ | ९ | २१ | ४४ | २० | ११ | १४ | ९ | ९ | १७ | १९१ |
| ३ | मर्मत | १ | १ | ५ | ३ | - | ४ | १५ | ४ | ३ | १ | २ | २ | - | ४१ |
| ४ | लुगा सिउने | २४ | २५ | २६ | १९ | ४६ | २१ | ५८ | ३० | १२ | १२ | १५ | ९ | २५ | ३२२ |
| ५ | फर्निचर | ४ | ८ | - | १ | १ | ११ | ४ | २ | २ | २ | ५ | १ | ८ | ४९ |
| ६ | प्लम्बिङ | १० | ५ | - | - | - | १० | ७ | ३ | १ | ५ | २ | ९ | ११ | ६३ |
| ७ | सिकर्मी | ६ | - | १ | ५ | १३ | ३६ | २० | ८ | ४ | १२ | २३ | १९ | ७ | १५४ |
| ८ | इलेक्ट्रिसियन | ७ | १३ | ४ | ३ | - | ९ | ५ | ३ | ५ | ५ | १७ | ३ | १० | ८४ |
| ९ | होटल | २३ | ४ | ७ | ९ | १५ | ६३ | २८ | ९ | ४ | २१ | ३२ | ९ | १५ | २२९ |
| १० | केश श्रृंगार | १ | ३ | ६ | १० | ६ | ४ | १० | ३ | ३ | ३ | २ | ६ | ८ | ६५ |
| ११ | सवारी चालक | ५० | ४ | ३ | - | ३ | ३४ | ३३ | १२ | १५ | ३ | ६ | १८ | ८ | १८९ |
| १२ | कम्प्युटर | ५१ | ३४ | ७६ | ७३ | ३५१ | १२६ | १२९ | ५० | २७ | ३२ | २८ | ३१ | २१ | १०२८ |
| १३ | हस्तकला | - | ६ | ३ | ११ | ३ | २ | २५ | ३० | - | १२ | ३ | - | ७ | १०० |
| १४ | फोटोग्राफी | १ | ६ | २ | - | - | २ | ८ | १ | २ | २ | १ | ४ | ६ | ३५ |
| १५ | अन्य | २ | १ | १२ | १० | ५६ | १२ | १८४ | २७४ | ८ | ६५ | ७८ | ९३ | ११२ | १०७ |
| | जम्मा | २०० | ११३ | १२३ | २६१ | ६२६ | ५२५ | ७९ | ५२५ | १०३ | २२१ | २४१ | २६६ | ३०० | २८०५ |

श्रोतः- राष्ट्रियजनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

यस क्षेत्रका ८३० जना मानिसहरूले कृषि, १११ जना मानिसहरूले स्वास्थ्य, ३२२ जनाले लुगा सिउने, २२९ जनाले होटल तालिम लिएका छन् । त्यस्तै गरि सवारी चालक, कम्प्युटर, हस्तकला सिक्ने मानिसहरूको संख्या क्रमस १८९, १०२८, १०० रहेका छन् ।

३.१२ नगरपालिकामा दुर सञ्चार सम्बन्ध विवरण

आधुनिक युगको महत्वपूर्ण विषयमा पर्ने दुरसंचार यहाँका बासिन्दाको पहुँचमा रहेको पाइन्छ । जसको प्रुष्ट्याई तलको तालिका बाट गर्न सकिन्छ ।

तालिका नं. ३.१२.१ दुर सञ्चार सम्बन्धि विवरण

| क्र. सं. | सञ्चार सेवाको किसिम | परिमाण | कैफियत |
|----------|------------------------|--------|--------|
| १ | PSTN टेलिफोन लाईन | ७७४ | |
| २ | ADSL सेवा | २२३ | |
| ३ | इन्टरनेट तथा GPRS सेवा | - | |
| ४ | मोवाईल टावर GSM | ४ | |
| ५ | मोवाईल टावर स्काई | १ | |
| ६ | GSM पोष्टपेड मोवाईल | - | |
| ७ | GSMप्रिपेड मोवाईल | - | |
| ८ | स्काई पोष्टपेड मोवाईल | - | |
| ९ | स्काई प्रिपेड मोवाईल | - | |

श्रोतः- दुरसंचार कार्यालयबाट प्राप्त

उपलब्ध ताथ्याङ्गलाई अध्ययन गर्दा टेलिफोन लाईन ७७४, ADSL २२३ ले प्रयोग गरिरहेको देखिन्छ। प्रत्येक व्यक्ति व्यक्तिको हातमा मोवाईल चलाएको अवस्थामा पनि आँकडामा त्यो देखिदैन किनकि प्रायले मोवाईल काठमाण्डौबाट लिने हुनाले पनि यस्तो अवस्था देखिन्छ।

अध्याय चार

सामाजिक क्षेत्र

समाज आफ्नै मौलिक परिपपाटिबाट परिचालित हुन्छ, तर यसको परिचालनको ढाँचामा विभिन्न तरिकाले स्तरोन्तरी गर्न सकिन्छ जसबाट सामाजिक जिवन बढि सहज र सरल हुन सक्छ । समाजमा अन्तरनिहित सिर्जनात्मक प्रतिभा र क्षमतालाई उजागर गर्दै सामाजिक उत्थानका साथै दैनिक आवश्यकीय सेवाहरु प्रदान गर्नु सामाजिक क्षेत्रको कार्य हो । खासगरी समाजमा वसोवास गर्ने सबै लाई प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने किसिमका कार्यहरु यस अन्तर्गत पर्दछन् जुन जनताहरूलाई प्रत्येक क्षणमा आवश्यक परिरहन्छन् । यस अन्तरगत शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी तथा सरसफाई, स्थानीय विकास, मानव सशाधन, प्राकृतिक प्रकोप व्यवस्थापन, आदि पर्दछन् । यहाँ प्राप्त तथ्याङ्कलाई आधार निम्न क्षेत्रलाई मात्र समेटने प्रयास गरिएकोछ ।

४.१ शिक्षा

मानविय मूल्य एवं मान्यतालाई आत्मसात गरी आधुनिक प्रविधिवाट दैनिक कार्य सम्पादन गर्न सक्ने नागरिक तयार गर्नु शिक्षाको मुख्य उद्देश्य हो । तसर्थ सबै शैक्षिक प्रक्रियाहरूलाई आम नागरिक तथा बालबालिकाको दैनिक जीवनसँग तादत्प्रता राख्दै स्थानीय ज्ञान तथा आधुनिक ज्ञानको उपयुक्त सामायोजन गरी स्थानीय, राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने खालको जनशक्ति तयार गर्नु पनि गुणस्तरीय तथा उपलब्धिमूलक शिक्षाको मूल उद्देश्य हो । वर्तमान युगमा एउटा कोरा सैद्धान्तिक शिक्षाबाट उत्पादित जनशक्तिले देश विकासमा टेवा पुऱ्याउन कदापि सक्दैन ।

देश विकासमा टेवा पुऱ्याउनका लागी शीपमूलक प्रविधि र ज्ञान हासिल गरेका दक्ष जनशक्तिको आवश्यकता पर्दछ । यसै उद्देश्य अनुरूप यस नगरपालिकामा विभिन्न शैक्षिक संस्थाहरु संचालन हुँदै आएका छन् । धुलिखेल नगरपालिका शैक्षिक उन्नयनका लागि नेपालमा एउटा नमूना नगरपालिकाकारूपमा अग्रसर हुँदै आएको छ । खास गरी साक्षरता अभियान, अनौपचारिक शिक्षा, बाल विकास केन्द्र, प्राथमिक, निम्न माध्यमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, क्याम्पस तथा विश्वविद्यालयसम्मका तहको अध्ययन कार्यलाई यस नगरपालिकाको शैक्षिक विकासका क्रममा समेटिएको छ ।

४.१.१ शैक्षिक स्थिती

नगरपालिका क्षेत्रको हालको शैक्षिक अवस्था कुन स्तरको छ जान्नु आवश्यक थियो । यो प्रतिवेदनका लागि आवश्यक सूचना संकलन गर्ने क्रममा शिक्षाको अवस्थाको वारेमा पनि तथ्य संकलन गरिएका थिए । संकलित तथ्याङ्कहरूलाई तलको तालिकामा तालिकाबद्ध गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.१.१ शैक्षिक स्थिती

| कोड | कर्ति सम्म जानेको | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|-------|-------------------|-----------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | पढन मात्र जानेको | ३४८ | ७ | १२४ | १०८ | १०३ | ६४२ | ५२९ | ५३ | ४६० | ३२ | ६५ | ३८ | ७८ | २५८४ |
| २ | पढन लेखन | २१७ | २०३७ | १६५७ | १६७९ | १२१० | १५८४ | १६४० | १०५८ | १११५ | १८७९ | १८९४ | १५६१ | १९६३ | २१०८८ |
| ३ | पढन लेखन नजानेको | ३९ | ८१ | ९४ | २४ | ५४ | ३० | ५५ | २२३ | १५३ | ४२ | १३२ | ९९ | ८५ | ११११ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | २४७८३ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा जिल्ला शिक्षा कार्यालय धुलिखेलबाट प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरूको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने विभिन्न जातजातिका मानिसहरुको शैक्षिक अवस्थाका वारेमा अध्ययन गर्दा पढन मात्र जानेका ६८३, पढन लेखन जानेका ११९०१, पढन लेखन नजानेका २८११ रहेको पाईयो ।

४.१.२ विद्यालय गएको / नगएको

विविध सामाजिक, आर्थिक तथा धार्मिक तत्वहरुले गर्दा नेपालमा शिक्षाको पहुच निम्न स्तर भएका जनता सम्म पुऱ्याउन सरोकारवालाहरु असफल भएका छन् । आज पनि नेपालका धेरै बालबालिकाहरु आधारभुत शिक्षाबाट बन्चित छन् भन्ने कुरा तलको तालिकाबाट प्रष्ट हुन्छ ।

तालिका नं. ४.१.२.१ विद्यालय गएको नगएको अवस्था

| क्र.सं. | | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|----------------|-----------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | विद्यालय गएको | १४६७ | ३१९९ | २११३ | ११५९ | २३०४ | १५८० | २५५४ | १२२३ | ११०१ | १३४९ | १२१० | १६७३ | १५८९ | २३२६५ |
| २ | विद्यालय नगएको | ४६३ | ५९ | ५३ | २९ | ५० | १६६ | ७६ | ५७ | ५५ | ५१ | ७८ | ९६ | ९४ | १५१८ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | २४७८३ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा जिल्ला शिक्षा कार्यालय धुलिखेलबाट प्राप्त

माथि उल्लेखित तथ्यांकका आधारमा धुलिखेल नगरपालिका भित्र रहेका सम्पूर्ण वालबालिकाहरूले विद्यालय शिक्षा पाउन सकेका छैनन्। कुल ६५४१ वालबालिकाहरू रहेको यस नगरपालिकामा ५२६५ जना वालबालिकाहरूले मात्र विद्यालय शिक्षाको अवसर प्राप्त गरेका छन्।

४.१.३ शैक्षिक विवरण

संकलित सूचनालाई विश्लेषण गर्दा नगरपालिकाभित्र वसोवास गर्ने मानिसहरूको शैक्षिक विवरण निम्नानुसार पाईयो। मानिसहरूले प्राप्त गरेका शिक्षाको स्तर र शिक्षा प्राप्त गर्ने जनसंख्या तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

तालिका नं. ४.१.३.१ शैक्षिक विवरण

| कोड | शैक्षिक स्तर | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|-----|--------------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | साक्षर | १०७७ | १७३ | १५९ | १४९ | १८३ | २४३ | २५८ | १४८ | १४७ | ३४५ | २१४ | १४५ | १०८ | २१७९ |
| २ | प्राथमिक | १५२ | १३३ | १५४ | १४९ | १९२ | ४२५ | ३१३ | १५८ | १४५ | ४३२ | १२२ | १८९ | १३३ | २३०७ |
| ३ | नि.मा.वि. | १०३ | ११४ | ८८ | १९२ | १९२ | ३१४ | ३३१ | १७० | १७८ | २८८ | १९८ | ३२१ | ३११ | २८०० |
| ४ | मा.वि. | २१ | ११५ | १२५ | ७९ | १३५ | १९२ | २७८ | १६७ | १० | ६७ | ९० | ७६ | ७६ | १५११ |
| ५ | एस.एल.सी. | १०३ | २११ | ११९ | ९३ | १५४ | १८८ | २९२ | २०० | ११८ | ११२ | २३१ | १७९ | १११ | २२११ |
| ६ | आइ.ए. | ४ | १३६ | १७० | १११ | ३० | १५७ | २४६ | ८० | ५० | ३४ | २१ | १२२ | ६७ | १२२८ |
| ७ | वि.ए. | २५ | ७८ | ९४ | ७५ | ९२ | ६५ | ११८ | ५८ | ३३ | ३२ | २९ | ६७ | ९५ | ८६१ |
| ८ | एम.ए. | - | ४८ | ३१ | २९ | १७ | २२ | ५४ | ३० | ३७ | २१ | २१ | ४१ | ३१ | ३८२ |
| ९ | अन्य | - | | १७ | १० | ५ | २० | २१ | २३ | ३० | १३ | ३१ | २९ | १५ | २१४ |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | १३६९३ |

श्रोत:- राज्यिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरूको विश्लेषण गर्दा यहाँ वसोवास गर्ने विभिन्न जातजातिका मानिसहरूको शैक्षिक अवस्थाका बारेमा अध्ययन गर्दा साक्षर २१७९, प्राथमिक शिक्षा २३०७, नि.मा.वि.२८००, मा.वि.१५११, एस.एल., सी. २२११, आइ.ए १२२८, वि.ए. ८६१, एम.ए. ३८२ तथा अन्य १२६ गरी जम्मा १११०५ भएको पाईयो।

४.१.४ विद्यालय सम्बन्धी तथ्यांक

तालिका नं. ४.१.४.१ विद्यालय सम्बन्धी तथ्यांक

| क्र. स. | संस्थाको नाम | स्थापना मिति | ठेगाना | शिक्षक संख्या | | विद्यार्थी संख्या | | दलीत | | जनजाती | | मौसमी कक्षा छाइने विद्यार्थी संख्याँ | छाइनुको कारण | विद्यालयको जग्गा | | विद्यालय भवन | |
|---------|----------------------------------|--------------|--------|---------------|-----|-------------------|--------|-------|--------|--------|--------|--------------------------------------|---------------|------------------|-------|--------------|--------|
| | | | | म. | पू. | छात्र | छात्रा | छात्र | छात्रा | छात्र | छात्रा | | | भएको | नभएको | भएको | भाडामा |
| १ | भैरव प्रा.वि. | २०५२ | ४ | ३ | २ | २१ | २८ | ३ | १ | १८ | २७ | - | - | भएको | | भएको | |
| २ | पुर्णसीञ्जवनी लम्कनामाइ उ.मा.वि. | २०१७ | ५ | १३ | २० | २५८ | २८ | ५४ | ३२ | १३० | १३५ | २० | ज्याला मजदुरी | भएको | | भएको | |
| ३ | पञ्चकन्या नि.मा.वि. | २०२९ | | ५ | ३ | ८० | ८५ | १७ | २० | ५० | ६१ | २४ | काम गर्नु | भएको | | भएको | |
| ४ | माउण्ट भ्यु मा.वि. | २०४१ | २ | ९ | ६ | ७३ | ४५ | १ | २ | ४० | ३० | - | - | भएको | | भएको | |
| ५ | मण्डली देवी प्रा.वि. | २०४७ | ६ | ३ | ३ | ६१ | ४६ | - | - | ३१ | ३९ | - | - | भएको | | भएको | |
| ६ | हरिसिंद्धि नि.मा.वि. | २०२९ | २ | ८ | | ७५ | ७० | ४ | | ५७ | ५६ | - | - | भएको | | भएको | |
| ७ | श्रीखण्डपुर प्रा.वि. | | ८ | ६ | १ | ३४ | ५३ | ११ | १८ | २३ | २९ | ६ | आर्थिक समस्या | भएको | | भएको | |
| ८ | चक्रदेवी प्रा.वि. | २०४० | १ | ४ | १ | २२ | १७ | | | २२ | १७ | - | - | भएको | | भएको | |
| ९ | श्रीखण्डपुर उ.मा.वि. | २०३५ | ८ | ५ | २२ | १६१ | २०७ | ११ | ३३ | ८२ | १०० | ६ | आर्थिक कारण | भएको | | भएको | |
| १० | बाल मन्दिर नि.मा.वि. | २०४५ | २ | ३ | ८ | ९६ | १२१ | १४ | ३२ | ३७ | ३२ | - | - | दर्ता नभएको | | दर्ता नभएको | |
| ११ | सञ्जिवनी नमुना उ.मा.वि. | २००६ | २ | ९ | ३१ | ५१५ | ५१० | ३१ | २६ | २७० | ३१४ | २२ | स्थानान्तरण | भएको | | | |
| १२ | इम्यानुअल से.ई.बो. स्कुल | २०५८ | ३ | १० | ८ | १४१ | १२१ | १८ | ९ | ७४ | ४५ | - | - | भाडामा | | | |
| १३ | कालिदेवी प्रा.वि. | २०४९ | ६ | ३ | | ३२ | २६ | २ | १ | १४ | ९ | - | - | भएको | | कच्ची | |

श्रोत: जिल्ला शिक्षा कार्यालय धुलिखेलबाट प्राप्त

४.१.५ शिक्षण संस्थाहरूको विवरण

शिक्षण संस्था नगरिकहरूले शिक्षा लिने ठाँउ हो । मानिसहरूलाई समय अनुसारको शिक्षा उपलब्ध गराई आत्म निर्भर बनाउन विभिन्न पक्ष तथा सरोकारवालाहरूले समुदायमा विद्यालयहरु स्थापना गरिएको पाईन्छ । यस धुलिखेल नगरपालिका भित्र उपलब्ध शिक्षण संस्थाहरूको विवरण तल उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.१.५.१ शिक्षण संस्थाहरूको विवरण

| क्र.सं. | शिक्षण संस्था | संख्या |
|---------|----------------|--------|
| १ | विश्व विद्यालय | १ |
| २ | क्याम्पस, कलेज | १ |
| ३ | उच्च मा.वि. | ३ |
| ४ | मा.वि. | ४ |
| ५ | नि.मा.वि. | ५ |
| ६ | प्रा.वि. | १५ |
| ७ | निजी विद्यालय | ८ |
| | जम्मा | ३७ |

श्रोतः- जिल्ला शिक्षा कार्यालय धुलिखेलबाट प्राप्त

यस नगरपालिका भित्र १ विश्वविद्यालय, १ क्याम्पस, ३ उच्च मावि, ४ मावि, ५ निमावि, १५ प्रावि, ८ निजी विद्यालय रहेको छ । स्थानिय विद्यार्थी तथा बाह्य विद्यार्थीहरूको धुलिखेल नगरपालिका एउटा केन्द्रको रूपमा स्थापित हुदै गएको छ ।

४.१.६ बालकलव संबन्धि विवरण

यो नगरपालिकाका सबै बडाहरूमा कम्तिमा एउटा बालकलव सञ्चालित छन् । यसका अलाभा नगरपालिका भित्र सञ्चालित सबै विद्यालय मध्ये १७ वटा विद्यालयमा बालकलव तथा सबै विद्यालयमा बालमैत्री कक्षा सञ्चालनमा छन् ।

ILO को अध्ययन अनुसार यो नगरपालिका क्षेत्र भित्रबाट क्रमशः ३१ बालक र ४ बालीका बाहिरिएका छन् भने १४ र १७ बाल बालीका यहाँ आएका छन्। त्यसैगरी ८ र ९ वडा बाल श्रम मुक्त छन् भने वडा नं. १ र २ मा एक एक वटा बाल मैत्री क्लब र वडा नं. २ मा बालमैत्री संपर्ककेन्द्र रहेका छन्।

४.१.७ पुस्तकालय, वाचनालय

विद्यालयमा लिईने औपचारिक शिक्षा मात्र विद्यार्थीको चौतर्फी विकास गर्न अपुग हुने भएकाले यस नगरपालिका भित्र पुस्तकालय, युवा क्लब आदि जस्ता संस्थाहरु स्थापना भएका छन्। नगरपालिका क्षेत्रभित्र रहेको युवा क्लब, पुस्तकालय तथा अभिलेख केन्द्रहरुको विवरण तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

तालिका नं. ४.१.६.१ वाचनालय, पुस्तकालय सम्बन्धि विवरण

| वाचनालय, पुस्तकालय | वडा नं. | | | | | | | | | | | | |
|---|---------|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ |
| धुलिखेल युवा क्लब | - | - | - | - | १ | - | - | - | - | - | - | - | - |
| प्रकाश पुस्तकालय | - | - | - | - | - | - | - | - | १ | - | - | - | - |
| सुचना तथा अभिलेख केन्द्र धु.न.पा. कार्यालय | - | - | १ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| जम्मा | १ | - | १ | - | १ | - | - | - | १ | - | - | - | - |

श्रोतः- धुलिखेल नगरपालिका कार्यालयबाट प्राप्त

धुलिखेलबासीले यस क्षेत्र भित्र रहेका १ युवा क्लब, १ पुस्तकालय, तथा १ सूचना तथा अभिलेख केन्द्र बाट विभिन्न किसिमका सूचनाहरु पाईरहेको पाईयो।

४.२ स्वास्थ्य

४.२.१ अपाङ्गता

अपाङ्गता पछाटेपनको परिचायक हो। समाजको सर्वाङ्गिण विकासको लागि अपाङ्गता बाधक बन्ने गरेको छ। हुन त अपाङ्गता मानिसको रहर होईन यो वाध्यता हो। कोही मानिस नचाहदा नचाहदै अपाङ्ग हुन पुग्छन्। अन्य समाजमा जस्तै यस नगरपालिकामा रहेका अपाङ्ग तथा तिनिहरुको प्रकार निम्नानुसारको छ।

तालिका नं. ४.२.१.१ अपाङ्गता

| कोड | अपाङ्गताको प्रकार | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|-------|-------------------|-----------|---|----|----|----|----|----|----|---|----|----|----|----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | शारीरिक | २ | १ | ७ | १ | ४ | १० | १७ | ११ | ५ | २ | १२ | ५ | ९ | ८६ |
| २ | दृष्टिविहन | १ | - | १ | - | - | १ | ३ | - | २ | १ | - | - | २ | ११ |
| ३ | बहिरा | २ | ४ | २ | १ | ० | १ | ५ | १ | १ | ३ | १ | २ | १ | २४ |
| ४ | सुस्तमनस्थिती | ३ | १ | | ४ | २ | १ | १० | ४ | ५ | ३ | ९ | ९ | १ | ५२ |
| ५ | बहु अपाङ्ग | - | - | - | - | - | - | ४ | ४ | २ | - | - | - | ३ | १३ |
| ६ | दीर्घ रोगी | ७ | - | ७५ | ५१ | १५ | ३५ | १७ | ३ | ६ | ५ | ९ | ८ | ७ | ३१८ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | ५०४ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

माथिको तालिकालाई अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्दा यस नगरपालिका क्षेत्रभित्र वसोवास गर्ने नागरिकहरु मध्ये ८६ जना शारीरिक रूपमा अपाङ्गता भएका, ११ जना दृष्टि विहन, २४ जना बहिरा, ५२ जना सुस्त मनस्थिति, १३ जना बहु अपाङ्गता तथा ३१८ जना दीर्घ रोगी रहेको पाईयो ।

४.२.२ दीर्घ रोगी

केहि मानिसहरु जन्मदै वा कोही पछि विभिन्न कारणले दिर्घ कालको लागि रोगी बन्ने गरेका छन् । खानपान, वंशाणुगत गुण, असुहाउदो हावापानि, कुलत, दुर्घटना आदि कारणहरूले मानिसहरु दिर्घ रोगी बन्ने गरेका छन् ।

समाजले यस्ता दिर्घ रोगीहरूलाई एउटा वोभको रूपमा लिने गरेका छ तर उनीहरूलाई समाजबाट अवहेलना नभई माया तथा संरक्षणको जरुरी पर्दछ । अध्ययनका क्रममा पाईएका दीर्घ रोगीहरुको संख्यालाई तालिका नं. ४.२.२.१ म प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.२.२.१ दीर्घ रोगी

| कोड | दीर्घरोगको प्रकार | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|-----|-------------------------|-----------|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | क्यान्सर | १ | २ | - | - | - | - | २ | - | - | ३ | - | - | १ | ९ |
| २ | मुटुसम्बन्धी | ५ | ८ | - | ७ | ६ | ५ | १ | ७ | १ | ६ | ७ | १ | २ | ५६ |
| ३ | दम, खोकी | ३ | २ | ५ | १ | २ | ३ | १ | ४ | २ | ५ | १ | २ | १ | ३२ |
| ४ | मधुमेह | १ | २ | ८ | ५ | १ | ३ | ८ | ४ | ८ | २ | ९ | १ | ७ | ५९ |
| ५ | मानसिक | - | २ | ३ | १ | - | - | - | - | ३ | २ | - | - | १ | १२ |
| ६ | बाथ तथा जोड्नी सम्बन्धी | ३ | २ | २ | ३ | - | १ | २ | ३ | ४ | २ | ३ | ४ | १ | ३० |
| ७ | उच्च रक्तचाप | - | ४ | ३ | ४ | २ | १ | ५ | २ | २ | ५ | ७ | ४ | १ | ४० |
| ८ | मृगौला सम्बन्धी | - | - | - | १ | १ | १ | ५ | २ | ५ | ४ | - | ३ | १ | ३१ |
| ९ | अन्य | १ | १ | - | ७ | - | ४ | ६ | ४ | ७ | ७ | ९ | २ | १ | ४९ |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ३१८ |

श्रोतः- जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय धुलिखेलबाट तथा धुलिखेल अस्पतालबाट प्राप्त

मथिको तालिकालाई हेर्दा कुल नगरवासिहरु मध्ये ९ जना क्यान्सरबाट, मुटु सम्बन्धी रोगबाट ५६ जना, दम खोकीबाट ३२ तथा मधुमेहबाट ५९ जना मानिसहरु दिर्घ रोगी भएको पाईयो । त्यसैगरि मानसिक रोगबाट १२ जना, उच्च रक्तचापबाट ४०, मृगौला सम्बन्धी रोगबाट ३१ मानिसहरु दिर्घ काल सम्मका लागि रोगी भएको पाईयो ।

४.२.३ उपचारको पहुँच

स्वास्थ्य मानिसको आधारभूत आवश्यकता हो । विमारीपना हरेको मानिसको लागि दुख हुने गरेको छ । यसबाट ठूलो धनराशिको क्षति हुनुको साथै मानिसको ज्यान पनि जान्छ । केहि रोगहरु घरायसी उपचार पद्धतिबाट निको हुन्छ, भने कुनैको उपचारका लागि अस्पताल, औषधि पसल आदि ठाँउमा जानु पर्ने हुन्छ । विरमी भएको वेलामा स्थानिय वासिन्दाले उपचार गराउने संस्था तथा ठाँउहरुको विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिन्छ ।

यस नगरपालिकाका मानिसहरु विरामी हुँदा उपचार गर्ने ठाउ़हरुमा सरकारी स्वास्थ्य संस्थामा ५४०, निजीमा ७४७ औषधि पसलमा १०२८, धामी भाँकी ९२६ प्राकृतिक चिकित्सामा १४७, अन्य सामुदायिक अस्पतालमा ११५४० गरी जम्मा ३४३५ रहेको देखिन्छ ।

गर्भ अवस्था एक जटिल अवस्था भएकाले गर्भवति महिलाहरुलाई माया, पोषणका साथै उनीहरुको नियमित रूपमा स्वास्थ्य चेकजाँचको पनि आवश्यकता पर्दछ । नेपालमा हरेक वर्ष हजारौ महिलाहरुले गर्भवति भएको अवस्था वा सुत्केरी हुने अवस्थामा ज्यान गुमाएका छन् ।

यो जटिल अवस्थालाई ध्यानमा राखि यस क्षेत्रका धेरै जसो गर्भवति महिलाहरुले नियमित रूपमा स्वास्थ्य चेकजाँच गराएका पाईयो । उनीहरुमा भएको चेतनाकोस्तर तथा विभिन्न समयमा सरकारी तथा गैर सरकारी निकायहरुको सहभागिता तथा सहयोगमा गर्भवति महिलाहरुले गर्भको समयमा सेवा पाईरहेका छन् । यस नगरक्षेत्रभित्र अध्ययनमा क्रममा पाईएका गर्भवति महिला र उनिहरुले लिएका सेवा सुविधालाई तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.२.३.१

नियमित जाँच गराउनेको संख्या

| क्र.सं. | गर्भवती महिलाको जाँच | वार्ड नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|--|-----------|---|---|----|---|----|---|---|----|----|----|----|----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | तोकिए बमोजिम नियमित जाँच गराएको | २६ | ३ | ६ | १० | ३ | १९ | ६ | ५ | १३ | १४ | १७ | ९ | ४ | १३५ |
| २ | कहिलेकाही समस्या पर्दा मात्र जाँच गराएको | ७ | १ | ६ | ४ | २ | ५ | ३ | ३ | १ | ६ | २ | २ | ४ | ४६ |
| ३ | स्वास्थ्य जाँच नगराएको | १ | - | - | १० | - | - | - | - | ५ | - | ७ | - | २३ | |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | २०४ |

श्रोत:- धुलिखेल नगरपालिका तथा जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय धुलिखेलबाट प्राप्त

माथिको तालिकालाई अध्ययन गर्दा कुल २०४ महिलाहरु मध्ये १३५ जना गर्भवति महिलाले चिकित्सकको सल्लाह बमोजिम नियमित नजिकैको स्वास्थ्यकेन्द्रबाट रूपमा चेकजाँच गरि स्वास्थ्य सेवा बारे जानकारी लिईरहेका पाईयो ।

गर्भ रहेका अवस्थामा नियमित रूपमा चेकजाँच नगरि समस्या पर्दा मात्र जाँच गराउने महिलाहरुको संख्या ४६ तथा चेकजाँच नगराउने महिलाहरुको संख्या २३ रहेको पाईयो ।

४.२.४ गर्भवती वा सुत्केरीको महिलाहरुको अवस्था

यस नगरपालिका क्षेत्र काठमाण्डौबाट नजिकको दुरिमा रहनु तथा स्वास्थ्यसेवाको राम्रो पहुँच हुदा हुदै पनि विभिन्न व्यक्तिमा गर्भवति महिलाहरुको मृत्यु हुने गरेको छ । अन्य समाजमा जस्तै यस समाजमा पनि विद्यमान रहेका रुढिबादि परम्परा तथा सुत्केरी हुदाको समयमा घरमै परम्परागत तरिकाबाट सुत्केरी गराउने, गर्भअवस्था र सुत्केरी भईसकेको पछि पर्याप्त मात्रामा पोषणको अभाव तथा कडा परिश्रम गर्नुपर्ने बायताका कारण यस्ता समस्याहरु बरम्बार आउने गरेका छन् ।

सम्पूर्ण रूपमा सम्पन्न नभएपनि नगरपालिकामा प्राथमिक पूर्वाधार पुरेको र स्वास्थ्यको पहुँच रहेको देखिन्छ । यती हुँदा हुदै पनि सात जना महिला बिगत १२ महिनामा मृत्यु भएको देखिन्छ । यसको विवरण तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.२.४.१ गर्भवती अवस्थामा वा सुत्केरी हुँदा र सुत्केरी पछि मृत्युको अवस्था

| क्र.सं. | मृत्यु भएको | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-------------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | थियो | १ | | १ | | १ | - | २ | १ | - | १ | - | - | - | ७ |
| २ | थिएन | २९ | २७ | २७ | ४२ | ३८ | ४४ | १८ | ३२ | ७३ | ६५ | ४८ | ५४ | ७६ | ७२४ |
| | जम्मा | १३० | १२८ | १२८ | ११३ | १३९ | ३९४ | ४२० | १३९ | २७३ | १६६ | १९८ | १५४ | १७६ | ७३१ |

श्रोत:- जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय धुलिखेलबाट तथा धुलिखेल अस्पतालबाट प्राप्त

४.२.५ खोपको उपलब्धता

रोगविरुद्ध लड्नको लागि बालबालिकाहरुको प्रतिरक्षा प्रणालिको विकास गर्नुपर्दछ । बालबालिकाहरुलाई दिईने खाना तथा आमाको दुध मात्र प्रतिरक्षा प्रणालीको विकासमा प्रयाप्त हुदैन तसर्थ प्रतिरक्षा प्रणाली विकासको लागि समय समयमा विभिन्न रोग विरुद्ध खोपको व्यवस्था गर्नु पर्दछ । यस नगरवासिले बच्चालाई नियमित रूपमा खो दिए नदिएको विवरण तल प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.२.५.१ ५ वर्ष मुनिका बच्चालाई खोपको अवस्था

| क्र.सं. | खोप दिएको | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|--------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | छ | ११३ | १३५ | १६९ | १३८ | १३३ | १५५ | १३० | १२२ | १८४ | १५८ | १९८ | २८९ | १९३ | ३४२० |
| २ | छैन | ३ | ३ | ९ | ५ | ४ | ९ | २ | ४ | ४ | ३ | २ | ४ | ७ | ५९ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | २७७९ | |

श्रोतः- जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय धुलिखेलबाट तथा धुलिखेल अस्पतालबाट प्राप्त

माथिको तालिका लाई अध्ययन गर्दा कुल बालबालिका मध्य ३४२० बालबालिकाले नियमित रूपमा खोप पाएका छन् भने ५९ बालबालिकाहरूले नियमित रूपमा खोप सेवा पाएका छैनन् ।

४.३ खानेपानी तथा सरसफाई

मानिसको स्वास्थ्य र दैनिक जिवनमा खानेपानी तथ सरसफाईको प्रत्यक्ष सम्बन्ध रही आएको छ । खानेपानी तथा सरसफाई सुविधाको समुचित प्रबन्धले आम जनताको स्वास्थ्यमा सुधार हुने र स्वस्थ जनशक्तिको विकासवाट राष्ट्रको समग्र विकास र उन्नतीमा महत्वपूर्ण योगदान पुग्ने तथ्य त सर्वविदितै छ । खानेपानी तथा सरसफाईलाई आधारभूत सेवाको रूपमा लिने गरिएको छ ।

आधारभूत रूपमा खानेपानीको सेवाको विस्तारमा क्रमशः बुद्धि हुन्दै गएता पनि स्वास्थ्यको लागि हानी रहित खानेपानीको उचित व्यवस्थाका साथै सरसफाईको पनि समुचित व्यवस्था हुन नसकदा पानीजन्य रोगवाट नेपाली नागरिकहरूले छुटकारा पाउन सकेका छैनन् । अधिकांश नेपालीहरू जे शहरी क्षेत्रमा वसोवास गर्दछन् उनीहरू स्वच्छ खानेपानि को आधारभूत सुविधाबाट बञ्चित भएका छन् । राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय संघसंस्था, दातृ निकायकहरूको आर्थिक तथा प्राविधिक सहयोगमा स्वच्छ खानेपानिको व्यवस्था गरिदै आएको छ । आधारभूत खानेपानी सेवा उपलब्ध, खानेपानी सेवास्तर अभिवृद्धि, गुणस्तर सुधार, मर्मत तथा पुनःस्थापन, सरसफाई सुविधा र सेवा स्तर अभिवृद्धि, जनचेतना अभिवृद्धि, ढल निर्माण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरी यस क्षेत्रलाई सरकारले विषेश ध्यान दिएको पाइन्छ ।

हुनत हाम्रो देश नेपालमा खानेपानीका विविध श्रोतहरू छन् । त्यस किसिमका स्रोतहरूलाई सुद्धिकरण गर्न सकिएको छैन भने विभिन्न निकायहरूवाट संचालित विविध कार्यक्रमहरूलाई पनि

प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्याकन हुन नसकेवाट निर्मित संरचना र उपलब्ध सेवाको स्तरीयता र एकरूपता कायम हुन पनि सकेको पाँइदैन ।

स्थानीय जनसहभागिता, व्यापक जनजागरण, नगरपालिकाको सक्रीयता, दातृ निकायहरुको आवश्यक सहयोग र आधुनिक प्रविधिको उपयोगबाट धुलिखेल नगरपालिकामा खानेपानीको उपलब्धतामा सहजता आउन सकेको छ । छिरलिएका बस्तीहरु तथा अनियन्त्रित बसोवास र योजनाबद्ध तौरतरिकाको बस्ती विकास नभएका कारणबाट खानेपानी उपलब्धतामा वाञ्छित मात्रामा सहज आपूर्ति तथा वितरण गर्न नसकिएको यथार्थ पनि छ । तथापि परम्परागत स्रोत पनि उपलब्ध भै रहेको यस नगरपालिकामा खानेपानीको आपूर्ति तथा वितरण कार्यलाई प्रभावकारी तथा नमूनाको रूपमा मान्नु मर्दछ ।

४.३.१ खानेपानीको श्रोत

स्वच्छ खानेपानिलाई विकासको पूर्वाधार पाईन्छ । पानि पिउन, खाना पकाउन, सरसफाई आदिका लागि नियमित प्रयोग गर्ने गरिन्छ । खानेपानिका विभिन्न श्रोतहरु हुन्छ, यस नगरवासीहरुले प्रयोग गर्ने पानिका श्रोतलाई तलको तालिकामा देखाउन सकिन्छ ।

तालिका नं. ४.३.१.१ खानेपानीको श्रोत

| क्र.सं. | खानेपानीको श्रोत | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | पाइप | ३७६ | १३८ | १३८ | १२८ | १४६ | ५२६ | ५६५ | १२२ | ८९ | ३४६ | २२४ | ३३५ | ५०० | ३६४४ |
| २ | झार, कुवा | ६ | १२ | १२ | ८ | १२ | २४ | २२ | १२ | ११ | ३४ | २५ | १८ | १७ | २१४ |
| ३ | ट्युबेल | | | | | | | | | | | | | | |
| ४ | हुङ्केहारा | १७ | १७ | १७ | १५ | २१ | २३ | २४ | २१ | ३४ | १२ | २४ | १७ | १४ | २५६ |
| ५ | नदी खोला | ३२ | १२ | १२ | ६ | १६ | २७ | १८ | १६ | १६ | ८ | २६ | ३० | ३६ | २५५ |
| ६ | अन्य | ३० | २१ | २१ | १९ | २३ | ३१ | ४३ | २३ | ३ | २८ | १० | ४५ | १२ | ३०९ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | ४६७८ |

श्रोत:- राष्ट्रियजनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

यस नगरपालिकामा उपलब्ध हुने गरेको खानेपानी अत्यन्तै स्वच्छ, मानिन्छ । पानीको प्रशोधन आधुनिक प्रणालीबाट गर्ने गरिएको छ । तथापि कतिपय घरधुरिहरुलाई पानी निर्वाधरूपमा उपलब्ध गराउन नसकिएको अवस्थापनि छ । यस नगरपालिकाबाट गरिएको घरधुरी सर्भेक्षणका आधारमा उपलब्ध तथ्यांकहरुको विश्लेषण गर्दा प्रमुख खानेपानीको श्रोतमा पाइपबाट ३६४४

परिवार, इनार कुवाबाट २१४, दुँगे धाराबाट २५६, तथा नदी खोलाबाट २५५ र ३०९ घरपरिवारले अन्य श्रोतहरूबाट खानेपानिको आपूर्ती गर्ने गरेको पाईयो ।

४.३.२ सार्वजनिक धारा तथा ईनारको विवरण

यस नगरपालिका क्षेत्र भित्र सामाजिक तथा सांस्कृतिक महत्व वोकेका धारा, सार्वजनिक कुवा, दुँगे धारा, कुवाहरूबाट नगरवासीहरूले नियमित रूपमा पानिको सुविधा पाउदै आएका छन् । विभिन्न खानेपानीको श्रोत जो सदैव सार्वजनिक रूपमा स्थानिय वासिन्दाहरूको संरक्षणमा सञ्चालन हुदै आएको छ । नगरपालिका भित्र रहेका सार्वजनिक धारा तथा ईनारको विवरणलाई तल तालिका नं. ४.३.३.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.३.३.१ सार्वजनिक धारा तथा ईनारको विवरण

| क्र.सं. | खानेपानीको श्रोतको किसिम | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|--------------------------|-----------|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | | |
| १ | सार्वजनिक धारा | ६५ | ६ | ८ | ८ | ९ | ५४ | ३२ | १८ | ११ | १२ | ७ | ९ | १० | २४९ | |
| २ | ईनार | - | - | - | - | - | - | - | १ | २ | ३ | १ | - | - | ७ | |
| ३ | दुँगे धारा | - | - | - | - | - | २ | - | २ | १ | ४ | २ | - | १ | १२ | |
| ४ | कुवा | ३ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | ३ | |
| ५ | | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| | जम्मा | ६८ | ६ | ८ | ८ | ९ | ५६ | ३२ | २१ | १४ | १९ | १० | ९ | ११ | २७१ | |

श्रोत:- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

माथिको विवारणलाई विश्लेषण गर्दा यस नगर क्षेत्रभित्र सार्वजनिक धारा २४९, ईनार ७, दुँगेधारा १२ तथा ३ कुवाहरू संचालनमा रहेको पाईयो । पछिल्लो पटक विकास भएको पाईप विस्तारले यस्ता पुराना महत्व वोकेका सार्वजनिक खानेपानिका श्रोतलाई विस्तापित गर्ने खतरा पनि बढ़दै गएको छ ।

४.३.३ फोहोर विसर्जन गर्ने तरिका

हाम्रा घरवरपर फोहोर हुनुका कारणहरू थुप्रै रहेका छन् । फोहोरको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्न नसक्नु, फोहोर उत्पादनमा कमि ल्याउन नसक्नु, फोहोरलाई जथाभावि रूपमा प्याक्ने जस्ता असामाजिक क्रियाकलापहरूले यस नगरपालिका क्षेत्रको सौन्दर्यलाई दिनानु दिन विगादै गएको

छ । यस सुन्दर नगरमा बसोबास गर्ने मानिसहरूले फोहोर विसर्जनको तरिकालाई तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.३.४ फोहोर विसर्जन गर्ने तरिका

| क्र.सं. | फोहोर फ्याल्ने ठाँउ | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-----------------------|---------|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | खोल्सामा | ४० | - | - | - | ५ | ६४ | - | ७ | ९ | २३ | २२ | १२ | ८ | १९० |
| २ | सडकमा | - | - | - | - | १४ | २ | - | - | ६ | - | - | - | - | २२ |
| ३ | फोहोर थुपार्ने ठाँउमा | २११ | १५७ | १७६ | १० | १७० | २९० | ५६१ | ८६ | १०१ | ३७० | २७७ | ४१३ | ५६८ | ३३७१ |
| ४ | घरमा लिन आउँछ | १२ | ३ | २ | ८६ | ५ | १९ | - | - | १७ | ३४ | - | - | - | १७८ |
| ५ | आफै घर कम्पाउण्ड | १५ | - | ३ | - | १२ | १३ | - | - | ८ | १ | - | - | - | ५२ |
| ६ | कम्पोष्ट मल बनाउने | १७५ | ४० | १५ | - | ९ | २३७ | ७० | १११ | १२ | - | ११ | २० | ३ | ८०३ |
| ७ | सार्वजनिक स्थल | ३ | - | २ | - | ३ | २ | ४२ | - | - | - | - | - | - | ५२ |
| ८ | जथाभावी फाल्ने | ५ | - | २ | - | - | ४ | - | - | - | - | - | - | - | १० |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ४६७८ |

श्रोत:- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरूको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरूले उत्पादन गरेको फोहोर विसर्जन गर्ने तरिकाका सम्बन्धमा हेर्दा खोल्सामा फाल्ने १९०, सडकमा २२, फोहर फाल्ने ठाँउमा ३३७१, घरमा लिन आउने १७८, आफै घर कम्पाउण्डमा ५२, कम्पोष्ट मल बनाउने ८०३, सार्वजनिक स्थलमा फाल्ने ५२, जथाभावी फाल्ने १० गरी जम्मा २४२४ परिवारले विभिन्न ठाँउमा फोहर विसर्जन गर्ने गरेको देखिन्छ ।

४.४ शौचालय (चर्पी) प्रयोग

स्वास्थ नागरिकका निमित्त सरसफाइको ठुलो महत्व छ । सरसफाइ बिना मानिस निरोगी रहन सक्दैन । रोगी मानिसले राष्ट्रिय विकासमा अपेक्षित योगदान गर्न सक्दैन । यसकारण स्वास्थ्य क्षेत्रमा नेपालमा व्यापक लगानी हुँदै आएको पाइएको छ । शौचालय बेगर शौच गर्ने परम्परागत तौर तरिका अस्वस्थकर भएका कारणबाट पनि हिजो आज शौचालयमा शौच गर्ने विषय सभ्य नागरिकको परिचयको प्रमुख आवश्यकताका रूपमा लिन सकिन्छ । शहरी क्षेत्रमा प्रत्येक घरमा

शौचालय रहनु एउटा अनिवार्य आवश्यता रहने गरेको छ भने ग्रामीण क्षेत्रहरुमा पनि प्रत्येक घरमा शौचालय निर्माण गरिनु अनिवार्य जस्तै हुन गएको छ ।

नेपालका ग्रामीण वस्तीहरुपनि अब क्रमिकरूपमा बाह्य संसारसंग सुपरिचित हुने अवसर प्राप्त गरी रहेका छन् । धुलिखेल नगरपालिकामा गत विगत वर्षहरुबाटै राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय संघ संस्थाहरुले विविध प्रकारका विकास निर्माणका कार्यहरु सञ्चालन गर्दै आइ रहेका छन् ।

तसर्थ नगरपालिकाको प्रतिष्ठा तथा सम्मानका लागी पनि यहाँ घरघरमा शौचालय निर्माण गरिनु एउटा अनिवार्य आवश्यकता हुन आएको छ । यस नगरपालिकामा निर्मित शौचालयको संख्या तथा अवस्था हेर्दा सन्तोषजनकै मान्नु पर्दछ ।

४.४.१ शौचालयको प्रयोग

शौचालयलाई सभ्यताको परिचय मानिन्छ । शौचालयको नियमित प्रयोगबाट बातावरण र मानिसको स्वास्थ्य अवस्था राम्रो नहुने मात्र भई सामाजिक रूपमा समेत प्रतिष्ठा हासिल गर्न सकिन्छ । नेपालमा विविध कारणले गर्दा सबै मानिसहरुले शौचालयको प्रयोग गर्न पाएका छैनन् । अध्ययनको क्रममा यस नगरपालिका भित्र रहेको शौचालयको विवरणलाई निम्नानुसार प्रस्तुत गरिन्छ ।

तालिका नं. ४.४.१ शौचालयको प्रयोग

| क्र.सं. | शौचालयको किसिम | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|----------------|---------|-----|-----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | पक्की | १७८ | १२३ | १५४ | ९१ | ८९ | ४८१ | ३५३ | १३० | १०२ | १२३ | ११२ | २१२ | २५४ | २४०२ |
| २ | साधारण | १०८ | ४२ | २७ | ५७ | ८९ | ८३ | १४९ | ३९ | १३ | १२२ | ८६ | ८८ | १२९ | १०३२ |
| ३ | कच्ची | ४३ | १२ | ९ | ७ | ६ | ४३ | १११ | १९ | २० | ८९ | ५७ | ९८ | ११० | ६२४ |
| ४ | सामुदायिक | - | २ | - | - | - | २ | ४ | २ | ९ | ३ | - | १ | ३ | २६ |
| ५ | खुल्ला | १३२ | २१ | १० | २१ | ३४ | २२ | ५६ | १४ | ९ | ११ | ५५ | ४६ | ८३ | १२१८ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ४६७८ | |

श्रोतः- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरुले प्रयोग गर्ने चर्पीमा पक्की २४०२, साधारण १०३२, कच्ची ६२४, सामुदायिक २६, खुल्ला १२१८ गरी जम्मा ४६७८ परिवारले चर्पीको प्रयोग गर्ने गरेको पाइएको छ ।

४.५ धुलिखेल नगरपालिकामा सामाजिक समावेशीकरणको अवस्था

शैक्षिक क्षेत्रमा विश्वविद्यालय सम्मका शिक्षण संस्थाहरू भएर पनि नगरपालिकामा रहेका दलित र जनजातीहरूको शैक्षिक स्तर माथि उठ्न नसकेको र उच्च शिक्षामा पहुच नभएको देखिन्छ ।

यस नगरमा महिला र पुरुष बराबर संख्यामा रहेको तथांकले देखाएता पनि महिलाहरूको सामाजिक र आर्थिक दुवै पक्षमा पहुचमा कमी देखियो त्यसैले महिला र जनजातीहरूको वर्ग उत्थान हुने खालका कार्यक्रमहरू राख्न सकेमा अभ बढी नगरको विकास हुने देखिन्छ ।

यस नगरपालिकाका मानव विकास सुचाङ्ग हेर्दा राम्रो विकास भएको मान्न सकिन्छ । तर नगरका ग्रामिण वस्तीहरू अझै राम्रोसंग विकसित हुन सकेको अवस्था छैन । महिला, दलित र जनजातीको पहुचमा कमी देखिन्छ । यी सबै वर्गको समान विकासका लागि समानतामा भन्दा समतामा आधारित समाज निर्माणको लागि जोड दिन अपरिहार्य देखिन्छ ।

विकास निर्माण कार्यमा सबैलाई समान सहभागीता गराउन सहभागितामुलक योजनातर्जुमाको प्रचार प्रसारलाई ग्रामीण वस्तीमा पुऱ्याउन नगरपालिकाले पहल गर्नु पर्ने देखिन्छ । साथै महिला शास्त्रिकरणका कार्यक्रमहरू नगरपालिकामा रहेका अन्य सामाजिक समावेशीकरण सम्बन्धी काम गर्ने संस्थाहरूसंग मिलेर सहकार्य गर्न सके अझै राम्रो हुने देखिन्छ ।

नगरमा रहेका ग्रामीण वस्तीहरूमा स्वास्थ्य तथा सरसफाईलाई ध्यानमा राखी खुला दिशा पिशाब मुक्त क्षेत्र घोषणा गर्नुपर्ने र त्यसका लागि नगरपालिकाले शौचालय नभएका घर पहिचान गरी शौचालय निर्माणको पहल छिट्टै गर्नुपर्ने देखिन्छ । गाउँ नगर स्वच्छ राख्ने यस्ता कार्यक्रमको जिम्मा महिलाहरूलाई दिन सक्यो भने ग्रामीण महिलाहरूको स्तर माथि उठ्ने देखिन्छ ।

धुलिखेल हस्पिटल जस्तो नेपालकै राम्रो मध्येको एक हस्पिटल भए पनि शहरी क्षेत्रका महिलाको तुलनामा ग्रामीण क्षेत्रका महिलाको स्वास्थ्यमा पनि पहुच कम रहेको देखिन्छ । त्यसैले पहुचमा बृद्धि गर्न जनचेतनाका कार्यक्रमहरू वस्ती स्तरमा लानुपर्ने देखिन्छ । विशेषगरी महिला लक्षित कार्यक्रमहरू तत्कालै गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

४.६

प्राकृतिक प्रकोपको खतरा

तालिका नं. ४.६.१

प्राकृतिक प्रकोपको खतरा

| क्र.सं. | प्राकृतिक प्रकोपको खतरा | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-------------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | छ | २२ | - | - | - | - | ८२ | ६ | - | - | ६ | ४ | ९ | १ | १३० |
| २ | छैन | ४३९ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ५४९ | ६६७ | २०४ | १५३ | ४२२ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४५४८ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ४६७८ | |

श्रोतः- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

प्राप्त तथ्यांकहरूको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरूलाई आइपर्ने प्राकृतिक प्रकोपका सम्बन्धमा जम्मा १३० घरधुरीलाई प्राकृतिक प्रकोपको सम्भावना रहेको तथा ४५४८ लाई सम्भावना नरहेको देखिन्छ ।

४.७

द्वन्दवाट खतरा र विस्थापित

समाजमा विविध कारणहरूले गर्दा द्वन्द्को अवस्थामा गुर्जन पुगेको पाईन्छ । द्वन्द तथा अन्य कारणहरूले मानिसहरू आफ्नो ठाँउबाट विस्थापित भएका छन् । यस नगरपालिकाभित्र द्वन्द तथा अन्य कारणबाट विस्थापित हुन सक्ने घर परिवारहरूको विवरण तल उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.७.१ द्वन्दवाट खतरा, विस्थापित

| क्र.सं. | द्वन्दवा खतरा, विस्थापित | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|--------------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | छ | - | - | - | - | - | १ | ४ | - | - | - | - | - | - | ५ |
| २ | छैन | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३० | ६६९ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७३ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | |

श्रोतः- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

प्राप्त तथ्यांकहरूको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरूलाई छन्दबाट खतरा तथा विस्थापन हुनबाट खतराका सम्बन्धमा जम्मा ५ घरधुरीलाई छन्दबाट खतरा तथा विस्थापन हुनबाट खतराको सम्भावना रहेको तथा ४६७३ लाई सम्भावना नरहेको देखिन्छ।

४.८ संघ संस्थामा महिला संलग्नता

महिलाहरूको पछौटेपनको सवाललाई विश्वभरिनै शस्त्र बनाईएको हालको अवस्थालाई मध्यनजर गर्दै यो विवरण तयार पार्दाका बखत अध्ययन टोलीले यस विषयमा पनि सूचना संकलन गरेको थियो। संकलित सूचनाका आधारमा पाईएका विवारणहरु तलको तालिकामा दिईएको छ।

तालिका नं. ४.८.१ संघ संस्थामा महिला संलग्नता

| क्र.सं. | संघ संस्थामा महिला संलग्नता | बडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-----------------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | छ | १४३ | ६५ | २४ | ७६ | ७६ | १६५ | १७३ | ५४ | ५३ | ८९ | ७८ | १४५ | १६८ | १३०९ |
| २ | छैन | ३१८ | १३५ | १७६ | १०० | १४२ | ४६६ | ५०० | १५० | १०० | ३२७ | २२२ | ३०० | ४७१ | ३३६९ |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ४६७८ |

श्रोतः- धुलिखेल स्थीत विभिन्न संघसंस्थाबाट प्राप्त

मथिको तालिकालाई विश्लेषण गर्दा यस नगरपालिका क्षेत्रमा रहेका १३०९ घरधुरीका महिलाहरु विभिन्न संघ संस्थामा आवद्ध भएको पाईयो र ३३६९ घरधुरीका महिलाहरूको कुनै पनि संघसंस्थामा पहुच तथा उनिहरूको आवद्धता भएको पाईएन।

४.९ जातिय भेदभाव

नेपाल बहुजातिय देश भएकाले समय समयमा विभिन्न जातजातिहरु विच विभिन्न किसिमका आपसि मन मुटाब हुने गरेको पाईन्छ। एउटा जातिले अर्को जातिलाई विभिन्न बाहना गलाई विभिन्न किसिमका भेदभाव हुने गरेको पाईन्छ।

तालिका नं. ४.९.१

जातीय भेदभावको विवरण

| क्र.सं. | जातीय भेदभाव | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|--------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | छ | ८ | ७ | ९ | १ | १४ | ७३ | ६९ | १५ | ७ | १ | ८ | ९ | २ | २२३ |
| २ | छैन | १३७ | ११० | १११ | ७३ | ११३ | १३४ | १३१ | १२७ | ११७ | ११८ | ११६ | १२४ | १२२ | १५३३ |
| ३ | कमै छ | ३१६ | ८३ | ८० | १०२ | १०४ | ४२४ | ४७३ | ६२ | २९ | ३०९ | १८६ | ३१३ | ४५५ | २९२२ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | २४२४ |

श्रोतः- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरुमा जातीय भेदभाव ज्यादै न्युन रहेको पाइएको छ । जम्मा २२३ परिवारमा जातीय विभेदको अनुभूति हुने गरेको, १५३३ परिवारमा हुदै नभएको तथा २९२२ परिवारमा कमैमात्रामा रहेको पाइएको छ ।

अध्याय पाँच

भौतिक पूर्वाधार सम्बन्धी विवरणहरु

राष्ट्रिय विकासमा भौतिक पूर्वाधारको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ । पूर्वाधारको अभावमा समग्र देश तथा समाजको विकास गर्न सकिन्दैन । आजको युगमा उपयुक्त पूर्वाधारको विकास विना विकास कार्यले लिनु पर्ने गति लिन सक्दैन । त्यस कारण विकासको गति अघि बढाउनका लागि तत्सम्बन्धी आवश्यकीय पूर्वाधार निर्माण गरिनु प्रमुख आवश्यकता हो ।

पर्याप्त भौतिक पूर्वाधारको विकास नै यस क्षेत्रको विकासको आधार बन्न पुगेको छ । तर यस क्षेत्रमा स्थापना भएका पूर्वाधारहरु पर्याप्त नभएका कारणले कठिपय विकास निर्माणका कार्यहरु सुसम्पन्न गर्नकालागी अत्यन्त आवश्यक पूर्वाधारहरु निर्माण गरिनु नितान्त आवश्यक देखिन्छ ।

५.१ प्रयोग गरेको घरको स्वामित्व

घर मानिसको अत्यावश्यक वस्तु हो । मानिसले घरबाट सुरक्षा, आत्म गौरव पाउनुका साथै विविध सामाजिक तथा आर्थिक गतिविधिहरु संचालनको लागि घरको आवश्यकता टड्कारो रूपमा देखिन्छ । भन पछिल्लो समय बढ्दै गएका वेरोजगारि, प्राकृतिक प्रकोप, हिंसा लगाएतका घटनाहरुले घरको महत्वलाई दिनानु दिन बढवा दिईरहेको छ । यस क्षेत्रभित्र वसोवास गर्ने मानिसहरुको घरमाथिको स्वामित्वलाई तलको तालिकामा निम्नानुसार देखाउन सकिन्छ ।

तालिका न ५.१.१ प्रयोग गरेको घरको स्वामित्व

| क्र.सं. | घरको स्वामित्व | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-------------------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | निजी | ३३३ | १५८ | १४८ | १२४ | १४१ | ४३० | ५३८ | १४६ | ६६ | ३४५ | २११ | ३३५ | ३३३ | ३३०८ |
| २ | भाडाको | ५४ | २१ | २३ | १२ | ३४ | ६५ | ८७ | ३१ | २३ | ३४ | ५४ | ४३ | ९८ | ५७९ |
| ३ | सुकुम्बासी | ६७ | १३ | २८ | ३६ | ३६ | १२८ | ४५ | २१ | ५७ | ३९ | ३७ | ५८ | १४७ | ७१२ |
| ४ | अन्य सार्वजनिक | ७ | ८ | १ | ४ | ७ | ८ | ३ | ६ | ७ | १० | ८ | ९ | १ | ७९ |
| | | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

मथिको तथ्याँकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरुको घरको स्वामित्वका सम्बन्धमा निजी ३३०८, भाडाको घरमा वस्ने ५७९, सुकुम्बासी ७१२ तथा अन्य सार्वजनिक ७९गरी जम्मा ४६७८ घरधुरी पाईयो ।

५.२ प्रयोग गरेको घरको किसिम

मानिसहरुले हावापानि, संस्कृति, धर्म, आर्थिक स्थिति तथा भूगोलको आधारमा विभिन्न किसिमका घरहरुको निर्माण गरेको पाईन्छ । यस क्षेत्रमा पनि मानिसहरुको धर्म, हावापानि, आर्थिक स्थितिअनुसारको घरहरु वनावटमा विविधता भएको कुरालाई तलको तालिकामा निम्नानुसार पाईयो ।

तालिका नं. ५.२.१ घरको किसिम

| घरको किसिम | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|--|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| पक्का इटामा सिमेन्ट जोडाई र आर.सि.सि. छाना | १३५ | १४१ | १०९ | १३४ | १४४ | १८९ | १७७ | १५७ | ११९ | १६७ | १९८ | १५३ | १३४ | ३२५७ |
| पक्का इटामा माटोको जोडाई र आर.सि.सि.छाना वा पक्का इटामा सिमेन्टको जोडाई र टिन, टायलको छाना | १०४ | १७ | १८४ | १२ | १८ | ५६ | ६० | २१ | ७ | ४५ | १५ | ५२ | २५ | ४८६ |
| पक्का इटामा माटोको जोडाई र जस्ता टायल वा भिंगटीको छाना | ४ | १६ | ३५ | ४८ | ७२ | ३ | - | ४२ | ४७ | ४५ | ७६ | २३ | ९८ | ५०९ |
| काँचो इटामा माटोको जोडाई भै जस्ता टायल वा खरको छाना | १३ | - | - | १८ | १५ | ९४ | ४० | १९ | २५ | ४३ | ५४ | १९ | ७६ | ४१६ |
| दुङ्गा वा इंटाको पर्खाल | १४ | - | - | - | - | १८ | ४३ | - | - | ३४ | - | - | २१ | १३० |
| अन्य | ११९ | - | - | - | - | ८८ | - | - | - | ७७ | १२ | - | - | २९६ |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ४६७८ |

श्रोत:- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

प्राप्त तथ्याँकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरुका घरको किसिमका बारे अध्ययन गर्दा पक्का इटामा सिमेन्ट जोडाई र आर.सि.सि. छाना ३२५७, पक्का इटामा माटोको जोडाई र आर.सि.सि.छाना वा पक्का इटामा सिमेन्टको जोडाई र टिन, टायलको छाना ४८६, पक्का इटामा माटोको जोडाई र जस्ता टायल वा भिंगटीको छाना ५०९, काँचो इटामा

माटोको जोडाई भै जस्ता टायल वा खरको छाना ४१६, ढुङ्गा वा इँटाको पर्खाल १३० तथा २९६, अन्य गरी जम्मा ४६७८ भएको पाईयो ।

५.३ खाना पकाउने इन्धन

इन्धनको प्रयोग विविध प्रयोजनका लागि गरिन्छ । यसलाई बत्ति बाल्न, खाना बनाउन, सवारी साधन चलाउने लगाएतका आदि कामको लागि यसलाई प्रयोग गरिन्छ । काठ, दाउरा, गोबर र्यास, र्यास, पेट्रल आदिको प्रयोग नगरवासिहरूले खाना पकाउनको लागि कसरी प्रयोग गरेका छन् भन्ने कुरालाई तलको तालिकामा हेर्न सकिन्छ ।

तालिका नं. ५.३.१

खाना पकाउने इन्धन

| क्र.सं. | इन्धनको किसिम | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|---------------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | | |
| १ | काठ दाउरा | २७२ | १०८ | ८१ | ९१ | १२४ | ३९३ | ४३३ | १२९ | ६७ | ३११ | २१२ | ३२७ | ४०० | २९४८ | |
| २ | गोबर गुइँठा | ४ | - | - | - | ३ | ८ | ७ | - | - | १ | २ | ५ | ७ | ३७ | |
| ३ | मटितेल | २६ | २३ | ४१ | २६ | ११ | १४ | २४ | ३२ | २८ | २९ | ३२ | ३३ | ७० | ३८९ | |
| ४ | सि. र्यास | १५४ | ६५ | ७८ | ५६ | ७८ | २१३ | २०१ | ४३ | ५५ | ८७ | ६४ | ७३ | १०२ | १२२९ | |
| ५ | गोबर र्यास | ५ | ४ | - | ३ | २ | ३ | ८ | - | ३ | - | - | ७ | - | ३५ | |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ | |

श्रोत:- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

उपलब्ध तथ्यांकहरूको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरूले घरेलु प्रयोजनकालागी खाना पकाउन प्रयोग गर्ने इन्धनमा काठ दाउराबाट ११९६, गोबर गुइँठाबाट ६, मटितेलबाट ११२, सि.र्यासबाट १०२५, गोबर र्यासबाट ८६ गरी जम्मा ३०२४ परिवारले उपभोग गर्ने गरेको देखिन्छ ।

५.४ बत्ती बाल्ने इन्धन

बहुप्रयोजनको क्षमता भएको इन्धन बत्ति बाल्ने कामको लागि पनि प्रयोग गरिन्छ । मानिसहरूले रातिको समयमा विविध प्रकारका इन्धनहरू प्रयोग गरि घरायसी कामहरू गर्ने गर्दछन् । अध्यारोको समयमा यसको प्रयोग व्यापक रूपमा गरिन्छ । नगरपालिका वासीहरूले उज्यालोको लागि प्रयोग गर्ने इन्धनको अवस्थालाई तलको तालिकाले प्रस्तु पार्दछ ।

तालिका ५.४.१

बती बाल्ने इन्धन

| क्र.सं. | बतीको इन्धन | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|----------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | बिजुली | ३९५ | १६१ | १४४ | १३७ | १८४ | ५८७ | ६२८ | १६८ | १०० | ३७७ | २६९ | ३८० | ५०० | ४०३० |
| २ | मटितेल | २६ | २३ | ४१ | २६ | ११ | १४ | २४ | ३२ | २८ | २९ | ३२ | ३३ | ७० | ३८९ |
| ३ | गोबर ग्यास | ५ | ४ | - | ३ | २ | ३ | ८ | - | ३ | - | - | ७ | - | ३५ |
| ४ | अन्य | ३५ | १२ | १५ | १० | २१ | २७ | १३ | ४ | २२ | २२ | ९ | २५ | ९ | २२४ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २९८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३९० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोत:- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

माथिको तालिकामा उपलब्ध तथ्यांकहरुको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरुले घरेलु प्रयोजनका लागी बती बाल्ने कामका लागी प्रयोग गर्ने इन्धनमा बिजुली ४०३० परिवारले, मटितेल ३८९, गोबर ग्यास ३५ र अन्य २२४ परिवारले प्रयोग गरेको पाईयो ।

५.५ विद्युतीकरणको अवस्था

विद्युत विकासको पूर्वाधार हो । यसलाई उद्योग संचलन, घरायसि कामकाज, ठूला ठूला मिसिनहरुको संचालनको लागी प्रयोग गरिन्छ । पछिल्लो समयमा आएर यसको महत्व निकै बढेको पाईन्छ । यो वातावरण मैत्री भएकाले यसको प्रयोगले कुनै प्रकारको वातावरणिय हास ल्याउने काम गर्दैन । नगर क्षेत्रभित्र बसोबास गर्ने मानिसहरुको घरमा बिजुलीको मिटर भए नभएको कुरालाई तलको तालिकामा देखाईएको छ ।

तालिका नं. ५.५.१ विद्युतीकरणको विवरण

| क्र.सं. | विद्युत मिटर जडान | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|----------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | छ | ४५० | १९४ | १८९ | १७२ | २०९ | ६०५ | ६५६ | २०० | १४३ | ४०३ | ३०१ | ४२५ | ५५६ | ४५०३ |
| २ | छैन | ११ | ६ | ११ | ४ | ९ | २६ | १७ | ४ | १० | २५ | ९ | २० | २३ | १७५ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २९८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३९० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोत:- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा विद्युत कर्पोरेशन द्वारा प्राप्त

यस नगरपालिका क्षेत्रभित्र विद्युत मीटर जडान गरिएका ४५०३ घरहरु तथा जडान नगरिएका १७५ घरधुरी संख्या रहेको पाईन्छ ।

५.६

सडकको किसिम

सडक सञ्जाल विकासको आधारभूत अवश्यकता हो । धुलिखेल नगरपालिका क्षेत्रको केहि भाग बाहेक सबै क्षेत्रमा सडक सञ्जालले जोड्न मुस्किल पनि छ । भौगोलिक तथा आर्थिक कठिनाईका वावजुत यो नगरपालिकाले सडक विस्तारलाई उच्च प्राथमिकतामा राखि काम गर्दै आएको पाईयो । बाक्लो बस्ति भएका अधिकांश शहरोन्मुख ईलाकाहरूमा स्थायी सडकले जोडिएको छ, भने ग्रामिण वस्तिहरूमा मौसमी सडकबाट नागरिकहरूले लाभ उठाईरहेका छन् । समग्रमा यस नगरपालिकाको सडकको अवस्थालाई तालिका नं. ५.७.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ५.७.१ सडकको किसिम

| क्र.सं. | सडकको किसिम | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-----------------------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | मोटर बाटो नभएको | ५७ | ७ | १२ | २२ | १८ | १०९ | ७३ | ८ | १८ | २८ | १०९ | २२ | ७९ | ५३६ |
| २ | कच्ची मोटरबाटो भएको | १३७ | १५ | २५ | ३८ | ५४ | १९१ | ५६ | २३ | २५ | ८७ | ५८ | ८९ | ७० | ८६८ |
| ३ | दुङ्गा छापेको | ९८ | ६ | २१ | १२ | १८ | ५६ | ४४ | १३ | १९ | १८ | ५१ | ६५ | ७१ | ४९२ |
| ४ | ग्रामेल मोटरबाटो भएको | ११३ | १४५ | १३४ | १२८ | १४६ | १४४ | १८८ | १८३ | ३५ | ६३ | ३२ | ४६ | ८० | १४३८ |
| ५ | पक्की मोटरबाटो भएको | ५६ | १२७ | १०८ | ६७ | ८२ | १३१ | ११२ | ७७ | ५६ | १३२ | ६७ | १२३ | २७९ | १३४४ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोता:- धुलिखेल नगरपालिका तथा जिल्ला सडक कार्यालय बाट प्राप्त

उपलब्ध तथ्याँकहरूको विश्लेषण गर्दा यहाँका विभिन्न वडाहरूका सडकको वर्गीकरण तथा सडकको अवस्थाको अध्ययन गर्दा मोटरबाटो नभएको ५३६, कच्चीबाटो भएको ६८८, दुङ्गा छापेको ४९२, ग्रामेल मोटर बाटो भएको १४३८, पक्की मोटरबाटो भएको १३४४ परिवार गरी जम्मा ४६७८ परिवारले बाटोको प्रयोग गरेको पाईयो ।

५.७ नगरपालिका भित्रको ढल तथा ढल निकास

शहरी स्वच्छतालाई व्यवस्थित गर्न फोहोर तथा ढल व्यवस्थापन व्यवस्थित हुनै पर्छ । ढल व्यवस्थापनमा नगरपालिकाले गरेका प्रयासहरूको अवस्था लाई तालिका नं. ५.८.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ५.८.१ नगरपालिका भित्रको ढल तथा निकास

| क्र.सं. | सतह ढल | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|--------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | छे | १८ | १९३ | १९४ | १४९ | २०१ | ५६७ | ५९८ | १८९ | १५० | ४२२ | ३०० | ४०७ | ५०१ | ३८८ |
| २ | छैन | ४४३ | ७ | ६ | २७ | १७ | ६४ | ७५ | १५ | ३ | ६ | १० | ३८ | ७८ | ७८ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोतः- धुलिखेल नगरपालिका तथा जिल्ला सडक कार्यालय बाट प्राप्त

सतह ढलका सम्बन्धमा प्राप्त तथ्याँकको विश्लेषण गर्दा जम्मा ४६७८ घरधुरीमध्ये जम्मा ३८८ परिवारलाई ढलको सुविधा प्राप्त हुन सकेको र ७८ लाई यो सुविधा नभएको देखिन्छ

अध्याय छ

आर्थिक विकासका क्षेत्रहरूको विवरणहरू

आर्थिक विकास देश तथा सामाजिक विकासको मेरुदण्ड हो । आर्थिक क्रियाकलापको विस्तार संकुचित रहनु तथा उपभोगको अनुपात घट्दै जानु देशका लागि राम्रो देखिदैन । दिगो रूपमा उच्च आर्थिक बुद्धिदर हासिल गर्न उच्च लगानीको आवश्यकता पर्दछ । त्यसै गरी उच्च आय समूहको पनि बचत गर्ने बानी वसाल्नु पर्दछ । अभावग्रस्त ठाउँहरूमा वित्तिय संस्थाहरूको सहज र सरल पहुँच हुनु त्यतिकै आवश्यकता पर्दछ ।

तसर्थ देश विकासका साथ साथै गरिवी निवारण गरी स्थानीय जनताहरूको जिवनस्तर सुधार्नका लागि पनि आर्थिक क्षेत्रको विकास अनिवार्य हुन आउँदछ । समाजको तथा राष्ट्रको विकासका लागि आर्थिक क्षेत्रले अन्य क्षेत्रहरु सँग सहकार्य गर्दै अगाडी बढ्नु हितकारी मानिन्छ । यस क्षेत्रको अन्य क्षेत्रहरु कस्तो सम्बन्ध स्थापित भएको छ, त्यहि अनरुपमो नितजाहरु प्राप्त हुने गर्दछ । यसका पनि विविध पाटाहरु छन् ।

सबै पाटालाई संगालेर अगाडि बढेमा मात्र निश्चित उद्देश्य हाँसिल गर्न सकिने देखिन्छ । यस नगरपालिकामा आर्थिक विकासमा देखिएका पक्षहरूका बारेमा तलका विभिन्न शिर्षक अन्तरगत विवेचना गरिएका छ ।

६.१ मासिक आम्दानी

आर्थिक पक्ष हाम्रो जिवनमा प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने तत्व भएकाले हरेक मानिसहरु कुनै न कुनै पेशामा आवद्ध भई नियमित आम्दानी गर्दछन् । हाल विद्यमान समाजमा त भन्न यसको महत्व दिनानु दिन बढ्दै गएको पाइन्छ । “छन गेडी सबै मेरी छैनन् गेडी सबै टेढी” भन्ने नेपाली उखानले समेत यसको चरितार्थ गरेको पाइन्छ । सामाजिक तथा अन्य क्रियाकलापहरूले मानिसहरुलाई आम्दानी गर्नमा सहयोग पुऱ्याउछ ।

नगरपालिका भित्र वसोवास गर्ने घरपरिवारको मासिक आम्दानी तलको तालिकमा निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ६.१.१ मासिक आमदानी

| क्र स | मासिक आमदानि | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|-------|-------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | ५००० सम्म | १०९ | ५३ | ३२ | ५७ | ७६ | २१३ | १४६ | ४५ | ३२ | १३२ | ९८ | १३२ | १७६ | १३०१ |
| २ | ५-२५००० सम्म | २७८ | १०६ | १४३ | ८८ | ११८ | ३३६ | ३९१ | १२४ | १०२ | २०० | १२२ | २४५ | २७४ | २५२७ |
| ३ | २५-५०,००० सम्म | ६० | ३२ | १२ | १९ | १६ | ५९ | ८९ | २८ | १५ | ६७ | ७७ | ३७ | ७८ | ५८९ |
| ४ | ५०,००० भन्दा माथि | १४ | ९ | १३ | १२ | ८ | २३ | ४७ | ७ | ४ | २९ | १३ | ३१ | ५१ | २६१ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०६८

राष्ट्रिय जनगणना २०६८ का आधारमा उपलब्ध तथ्यांकहरूको विश्लेषण गर्दा यहाँ बसोबास गर्ने कुल घरपरिवार मध्ये मासिक आमदानी रु. ५००० सम्म १३०१, रु.५००० देखि २५००० सम्म २५२७, रु. २५०००-५०००० सम्म २६१ तथा रु. ५०,००० भन्दा माथि २६१ घरपरिवारको मासिक आमदानि देखिन गयो ।

६.२ वैदेशिक रोजगारीको अवस्था

वैदेशिक रोजगार नेपाली युवाहरुको चासोको विषय बनेको छ । दैनिक हजारौ युवाहरु राम्रो भविष्यको निमित्त विदेशमा पलायन हुने क्रम निरन्तर जारि छ । हाम्रो जस्तो आर्थिक पछौटेपन भएको देशका नागरिकहरु वैदेशिक रोजगारका क्रममा यसरी पलायन हुँदै जाने हो भने देशमा युवाहरुको खाचौं पर्ने कुरा भविष्यमा नेपालमा नै दखिन आउछ । यस नगर क्षेत्रका निम्न संख्याका मानिसहरु वैदेशिक रोजगारको लागि गएको तथ्य तालिका नं. ६.२.१ बाट प्रस्तु हुन्छ ।

तालिका नं. ६.२.१ वैदेशीएको पारिवारिक विवरण

| क्र.सं. | परिवार सदस्य विदेश | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-----------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | गएको छ | ७ | १३ | १० | ४ | ३ | २४ | ९ | ११ | ६ | १२ | ३ | ७ | १२ | १२१ |
| २ | गएको छैन | ४५४ | १८३ | १९० | १७२ | २१५ | ६०७ | ६६४ | १९३ | १४७ | ४९६ | ३०७ | ४३८ | ५६७ | ४५५७ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोत:- राष्ट्रिय जनगणना २०६८

यस नगरपालिकाका रहेका कूल घरपरिवार मध्ये रोजगारिको शिलशिलामा १२१ घरपरिवारका सदस्यहरु वैदेशिक रोजगारका क्रममा नेपाल बाहिर रहेका तथा ४५५६ घर परिवारका सदस्यहरु नेपालमा नै विभिन्न काममा रहेका छन् ।

६.३ लक्षित देशहरु

नेपाली युवाहरु विदेश गएर काम गर्ने चलन धेरै पुरानो हो तर पछिल्लो दिनहरुमा बाहिरिरहेका युवाहरुको जमात भने निकै डरलागदो छ । नेपाली कामदारहरु शिक्षा तथा शिपको कमिका कारण खाडी लगायतका अन्य मुलुकहरुमा आफ्नो श्रम निकै सस्तो मूल्यमा बेच्न बाब्य भएका छन् । नेपालमा नै काम गरेर सुनौलो भविष्य देखेहरुको संख्या धुलिखेल नगरपालिकामा पनि पाईयो । यस पर्यटकिय नगर क्षेत्रका मानिसहरु वैदेशिक रोजगारका लागि गएका देश र संख्यालाई तलको तालिकामा तालिकाबद्ध गरिएको छ

तालिका नं. ६.३.१

लक्षित देशहरु

| क्र.सं. | गएको देश | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|----------|---------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | भारत | १२ | १४ | १२ | १२ | ११ | १७ | १२ | १४ | १३ | १४ | १३ | ११ | १६ | १७ |
| २ | खाडी | १३ | १५ | १३ | १२ | १२ | १७ | १४ | १६ | १३ | १६ | - | १४ | १२ | २०३ |
| ३ | अन्य | १२ | १० | ११ | - | - | ११ | ९ | ११ | - | १२ | - | १२ | १० | ९८ |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ४७२ |

श्रोत:-राष्ट्रियजनराणना २०६८

माथिको आँकडालाई विश्लेषण गर्दा यो क्षेत्रका मानिसहरु सबैभन्दा बढि खाडी मुलुकमा २०३ जना विदेशिएको पाईयो । त्यसै गरि भारतमा १७१ जना र अन्य मुलुकमा ९८ जना मानिसहरु नेपालबाहिर रहेका पाईयो ।

६.४ विदेशीनुका कारणहरु

आफ्नो मातृभूमीलाई छोडेर अर्काको मुलुकमा गई श्रम बेच्ने रहर कसैलाई पनि हुँदैन त्यो पनि फरक हावापानि, रहनसहन र कम मूल्यमा । विभिन्न परिस्थितिमा विभिन्न कारणले विदेशिएका यस नगर क्षेत्रका मानिसहरु नेपाल बाहिर रहनुको कारणलाई तल तालिका नं. ६.४.१ म देखाईएको छ ।

तालिका नं. ६.४.१ विदेशीनुको कारणहरू

| क्र.सं. | कारण | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|--------|-----------|----|----|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | नोकरी | ३२ | ८ | ७ | - | १२ | ५६ | ४४ | ५० | ३२ | १३ | १६ | १२ | १२ | २९६ |
| २ | अध्ययन | ६ | १६ | ११ | ४ | ६ | ६ | २९ | ३६ | २३ | २ | ९ | १ | ७ | १५६ |
| ३ | अन्य | २ | - | ३ | - | २ | १ | - | - | - | ७ | - | २ | ३ | २० |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ४७२ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८

मथिको तलिकालाई अध्ययन गर्दा धेरै मानिसहरू नोकरीको लागि विदेश गएको पाईयो । नेपाल बाहिर रहेका ४७२ मध्ये २९६ जना नोकरीको लागि, अध्ययनको लागि र अन्य प्रयोजनका लागि क्रमस १५६ र २० जना रहेको पाईयो ।

६.५ आम्दानी रकमको प्रयोग

पैसाको आम्दानि कति भयो भन्ने कुरा भन्दा पनि कमाई भएको रकम कुन क्षेत्रमा खर्च भयो र त्यसवाट कतिको फाईदा पुर्यो भन्ने कुरा धेरै महत्वपूर्ण हुन्छ । वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त भएको रकम धेरैजसो वितासिताका सामान, घरघडेरी र विभिन्न कारणले लागेको ऋण तिर्नको लागि प्रयोग हुने तथ्यलाई तलको तालिकाले प्रस्तु पार्दछ ।

तालिका नं. ६.५.१ आम्दानी रकमको प्रयोग

| क्र.सं. | रकमको प्रयोग | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|--------------|-----------|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | घडेरी किन्न | ५ | - | २ | १ | १ | ७ | १३ | २१ | १२ | १२ | २६ | २९ | ९ | १३८ |
| २ | ऋण तिर्न | १० | ५ | ५ | १ | ५ | २१ | १४ | २० | ११ | ११ | १५ | १६ | ८ | १६३ |
| ३ | गरगाहना | - | १ | ३ | २ | ४ | २ | १० | १५ | १२ | ५ | १० | ३१ | ३ | ९८ |
| ४ | बचत | ५ | १ | ६ | १ | ४ | १० | - | - | - | - | - | ४ | ५ | ३६ |
| ५ | अन्य | ५ | - | ८ | - | २ | ३ | - | - | - | ४ | ८ | ७ | - | ३७ |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | ४७२ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८

वैदेशिक आम्दानीबाट प्राप्त रकमको प्रयोग यस नगरपालिकाका जनताले विभिन्न प्रयोजनका लागी गर्ने गरेको पाइएको छ । यसरी हेदा घडेरी किन्न १३८, ऋण तिर्न १६३, गरगाहनाका लागी ९८, बचत गर्न ३६ तथा अन्य प्रयोजनका लागी ३७घरधुरीले विदेशबाट प्राप्त भएको रकम खर्च गरेका पाईयो ।

६.६ जग्गा जमिनको स्वामित्व

राज्यले उपलब्ध गराएका सेवा सुविधाहरू जस्तै खानेपानिको धारा, टेलिफोनको लाईन, विद्युत आदिको सुविधा लिन भूमि अनिवार्य छ । अर्को मुख्य कुरो त यो छ कि भूमीले हाम्रो आर्थिक, सामाजिक तथा राजनैतिक हैसियतको समेत निर्धारण गर्दछ । हाम्रो समाज तथा परम्पराले सम्पन्नता स्तरिकरणको आधार पनि भूमीलाई नै मानेको छ, किनकि कृषि प्रधान अर्थतन्त्र र कृषिमा आधारित जीवनयापनको विकल्प नभएको हाम्रो जीवनशैली ले पनि भूमीलाई नै बढि महत्व दिन्छ । त्यसकारण यो वस्तुगत विवारण तयार पार्दा यो सवाल बारे पनि खोज गरिएको थियो । यसवारे प्राप्त भएका सूचनाहरूलाई तालिका नं. ६.६.१ मा रखिएको छ ।

तालिका नं. ६.६.१ जग्गा जमिनको स्वामित्व

| क्र.सं. | जग्गा जमिनको स्वामित्व | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|------------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|------|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | | |
| १ | न.पा.भित्र बाहिर दुवै | ६२ | ३४ | ३२ | ९ | १३ | ५४ | ७८ | १४ | ७ | ३२ | ५४ | २३ | १८ | ४३० | |
| २ | न.पा. भित्र | २९८ | १३२ | १२२ | १०३ | १३७ | ४१२ | ५०९ | १३२ | ७८ | ३०९ | १७७ | ३४२ | ३५७ | ३१३६ | |
| ३ | न.पा. बाहिर | ३४ | २१ | १८ | २८ | ३२ | ३७ | ४९ | ३७ | ११ | ४८ | ४२ | २२ | ५७ | ४३६ | |
| ४ | जग्गा नभएको | ६७ | १३ | २८ | ३६ | ३६ | १२८ | ४५ | २१ | ५७ | ३९ | ३७ | ५८ | १४७ | ६७६ | |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | ४६७८ |

श्रोत:- राष्ट्रिय जनराणना २०६८

यहाँ बसोबास गर्ने मानिसहरूले चर्चेको जग्गा जमीनको स्वामीत्वमा नगरपालिका भित्र बाहिर दुवै तर्फ जग्गा जमीन रहेका परिवार ४३०, न.पा. भित्र ३१३६, न.पा. बाहिर ४३६, जग्गा विहिन ६७६ परिवार पाईयो ।

६.७ कृषि उत्पादनको पर्याप्तता

नेपाल कृषि प्रधान मूलुक भएपनि नेपालमा उत्पादित खाद्यबालीले नपुगर वर्षेनी अरबौको खाद्य पदार्थ आयत भईरहदा हाम्रो कृषि अर्थतन्त्र दिनानुदिन धराप बन्दै गईरहेको तर्फ संकेत गर्दछ । पर्यटकिय नगरि धुलिखेलमा उत्पादित खाद्यबालिले नगरवासीलाई कति समयसम्मको लागि पुग्छ भन्ने तथ्याङ्कलाई तालिका नं. ६.६.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ६.७.१ कृषि उत्पादनको पर्याप्तता

| क्र.सं. | खान पुग्ने समय | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|------------------------------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | वर्षभरी नै पुग्ने र बचत हुने | ९१ | ३४ | २३ | ३६ | ५३ | १६६ | १७६ | ४५ | २४ | ९८ | ७६ | १०२ | १४३ | १०६७ |
| २ | ९-११ महिनासम्म पुग्ने | ८९ | ४३ | ४८ | २१ | ६२ | ७८ | १२२ | १६ | ३० | ५० | ६७ | ६७ | ६८ | ७६१ |
| ३ | ६-९ महिनासम्म पुग्ने | ११७ | ४५ | ५२ | ४३ | ४२ | ८९ | १०७ | ५४ | ४३ | १०८ | ६० | ६४ | १२२ | ९४६ |
| ४ | ६ महिनाभन्दा कम पुग्ने | १६४ | ७८ | ७७ | ७६ | ६१ | २९८ | २६८ | ८९ | ५६ | १७२ | १०७ | २१२ | २४६ | १९०४ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८

मथि प्रस्तुत गरिएको तालिकालाई मनन गर्दा यस क्षेत्रको थोरै भूभागमा अन्न बालि लगाउने भएकाले १०६७ घर परिवालराई मात्र वर्षभरीनै खान पुग्ने अन्न उत्पादन हुने पाईयो । त्यसै गरि ७६१ घरपरिवारले आफै उत्पादित खाद्यबालिले ९ महिना देखि ११ महिनासम्म खान पुग्ने गरेको तथ्य पाईयो । त्यसै गरि ९४६ घरपरिवारलाई उत्पादित अन्नबालिले ६ महिना देखि ९ महिनासम्म र १९४० घरपरिवारलाई ६ महिनाभन्दा कम मात्र पुग्ने गरेको पाईयो । यो विकराला स्थिति लामो समय रहने हो भने यसले विकराल स्थिति निम्त्याउने कुरा निश्चित जस्तो देखिन्छ ।

६.८ आम्दानीको मुख्य श्रोत

आम्दानी मानिसको आवश्यकता भएकाले जीवन निर्वाहका लागि साना भन्दा साना कुराको खरिद गर्न तथा त्यसको विक्रि गर्न मानवजातिले विभिन्न क्रियाकलापमा आवद्ध हुनु जरुरी छ । मानिसको रुची, हावापानी, शक्ति, शिक्षाको स्तर आदि कारणहरुमा पाईने फरकपनाको कारण मानिसहरूले एउटै पेशामा आवद्ध नभई फरक फरक पेशा अंगालेका हुन्छन् ।

यस क्षेत्रमा वसोवास गर्ने मानिसहरूको आम्दानीको श्रोत फरक हुनु भनेको उनीहरूले अपनाएको फरक फरक पेशा हो जसलाई तलको तालिकाबाट प्रष्ट पार्न सकिन्छ ।

तालिका नं. ६.८.१ आमदानीको मुख्य श्रोत

| क्र.सं. | आमदानीको मुख्य श्रोत | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|------------------------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | आफै कृषि, पशुपालन, फलफुल खेती, आदि | २६७ | ९९ | ८५ | १३० | १४५ | ३४६ | ३४२ | ९४ | ७४ | २४३ | १४९ | २३१ | २८५ | २४९० |
| २ | व्यापार व्यवसाय | ४२ | १९ | २७ | १२ | २७ | ६० | ७५ | २५ | १४ | ३६ | २० | ६७ | ७१ | ४९५ |
| ३ | सेवा नेकरी | ६४ | १७ | ९ | ९ | १६ | ५८ | १५० | १९ | १२ | ३१ | ४२ | ४५ | ८४ | ५५६ |
| ४ | ज्याला मजदुर | ७९ | ४९ | ६८ | २१ | २३ | १३१ | ९३ | ५१ | ४६ | १०२ | ८७ | ९४ | १२२ | ९६६ |
| ५ | विदेशबाट पठाएको रकम | ७ | १३ | १० | ४ | ३ | २४ | ९ | ११ | ६ | १२ | ३ | ७ | १२ | १२१ |
| ६ | भाडाबापत्र प्राप्त रकम | २ | ३ | १ | - | ४ | १२ | ४ | ४ | १ | ४ | ९ | १ | ५ | ५० |
| ७ | अन्य | | | | | | | | | | | | | | |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोतः- राष्ट्रिय जनगणना २०६८

उल्लेखित तालिकालाई विश्लेषण गर्दा २४९० घरपरिवारको मुख्य आमदानिको श्रोत कृषि नै पाईयो । यसका अलवा ४९५ घरपरिवारको व्यापार व्यावसाय, ५५६ घरपरिवारको सेवा नोकरी, ९६६ घरपरिवारको ज्याला मजदुर र १२१ घरपरिवारको विदेशबाट पठाएको रकम नै आमदानीको मूख्य श्रोत देखिन गयो । यसका अलवा ५० घरपरिवारको मूख्य आमदानिको श्रोत घरभाडा भएको पाईयो ।

६.९ परिवार धान्न चाहिने मासिक खर्च

परिवारको लागि आवश्यक पर्ने खाना, कपडा, शिक्षा, सरकारी सेवा उपयोग गरेवापतको शुल्क आदिका आमदानिको केही रकम मासिक रूपमा खर्च हुने गर्दछ । तल प्रस्तुत आकडामा एउटा परिवारले मासिक रूपमा कति खर्च गर्दछ भन्ने तथ्यलाई उजागर गर्दछ ।

तालिका नं. ६.९.१ परिवार धान्न चाहिने मासिक खर्च

| क्र.सं. | जम्मा रकम | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|-------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | ५००० सम्म | १४२ | ७६ | ७४ | २६ | ४६ | १३३ | १५८ | ४३ | ३४ | १४९ | ६४ | १४८ | १३२ | १२२५ |
| २ | ६०००-२५००० सम्म | २८७ | ११८ | १२१ | १४२ | १६२ | ४७१ | ४७८ | १५८ | ११२ | २६५ | २३८ | २७३ | ४०५ | ३२३० |
| ३ | २६००० -५०००० सम्म | २९ | ६ | ५ | ८ | ९ | २१ | ३२ | ३ | ६ | १२ | ७ | २१ | ३५ | १९४ |
| ४ | ५०००० भन्दा माथि | ३ | - | - | - | १ | ६ | ५ | - | १ | २ | १ | ३ | ७ | २९ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २१८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोतः- धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय

उल्लेखित आकडाँलाई हेर्दा १२२५ घरपरिवारको मासिक खर्च ५०० सम्म हुने गेरको पाईयो । त्यसैगरि ३२३० घरपरिवारले मासिक रूपमा ६००० देखि २५०० सम्म, १९४ घरपरिवारले २६००० देखि ५०००० हजार सम्म तथा २९ घरपरिवारले ५०००० भन्दा माथि मासिक रूपमा खर्च गर्ने गरेको पाईयो ।

६.१० कामको शिलशिलामा घरबाहिर रहेका नाबालक

बालबालिकाहरूले शिक्षा, पोषण, माया, स्नेह पाउनु उनीहरुको अधिकारलाई अन्तराष्ट्रिय रूपमा नै विभिन्न घोषणापत्र तथा सन्धि सम्झौताहरूले सुनिश्चित गरेको छ । विभिन्न आर्थिक, सामाजिक कारणहरूले गर्दा बालबालिकाहरु सानो उमेरमानै स्कूल जान छोडी कामको लागि विभिन्न ठाँउहरुमा जाने गर्दछन् । यस क्षेत्रभित्र जन्मएर हाल घरबाहिर कामको सिलसिलामा नगरभन्दा बाहिर रहेका बालबालिकाको विवरण यस प्रकारको छ ।

तालिका नं. ६.१०.१ कामको शिलशिलामा घरबाहिर रहेका नाबालक

| क्र. सं. | श्रमको प्रकृति | पुरुष | महिला | जम्मा |
|----------|----------------|-------|-------|-------|
| १ | Workshop | २ | - | २ |
| २ | घरेलु | १२ | १६ | २८ |
| ३ | होटल | १३ | ११ | २४ |
| ४ | उद्योग | १३ | ४ | १७ |
| ५ | गलैचा | ० | ० | ० |
| ६ | घरेलु | ३ | २ | ५ |
| ७ | निर्माण | १ | ० | १ |
| ८ | भरिया | १ | १ | २ |
| ९ | झातायात | ११ | ० | ११ |
| १० | अन्य | १२ | ९ | २१ |
| जम्मा | | ६८ | ४३ | १११ |

श्रोतः- युलिखेल नगरपालिकावाट प्राप्त

यस तालिकालाई अवलोकन गर्दा नेपालका अन्य ठाउहरुमा जस्तै यहा पनि बालबालिका हरु घरबाहिर कामको लागि भएको पाईयो । अधिकांश बालबालिकाहरु घरेलु कामदारको रूपमा रहि

काम गर्ने बालबालिकाको संख्या २८, होटलमा काम गर्ने बालबालिको संख्या २४, उद्योगमा काम गर्ने १७ रहेको छ ।

६.११ विभिन्न संघसंस्थाबाट लिएको ऋण

स्वभावैले मानिसका असिमित चाहनाहरु तथा भैपरि आउने समस्याहरुले गर्दा कहिलेकाही आफुसँग भएको सम्पति अपुग भई अरुसँग सापटी लिनुपर्ने हुन्छ । यो आवश्यकतालाई परिपूर्ती गर्न सहकारी लघुवित्त बैंक, बाणिज्य बैंक, विकास बैंक जस्ता वित्तिय संस्थाहरु सेवारत रहेका पाईयो । तर यस्ता संस्थाहरुबाट वितरण हुने सेवा लिन अधिकाँश नगरबासीहरुले भन्नफटिलो भएको अनुभव सुनाए । यस्ता औपचारिक वित्तिय सेवा दिने संस्थाहरुको सेवा निश्चित प्रकृया हुदै लिनुपर्ने प्रावधान भएकोले पनि यस्ता संस्थाले दिने सेवाको महत्व नबुझेका अधिकाँश सेवाग्रही अनौपचारिक क्षेत्रबाट वित्तिय सेवा लिईने क्रम नरोकिएको पाईयो ।

तालिका नं. ६.११.१ विभिन्न संघसंस्थाबाट लिएको ऋण

| क्र.सं. | ऋण लिएको | वर्डा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|----------|-----------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | छ | २२ | १२ | ४६ | ३४ | ३२ | ५६ | ६१ | १६ | १४ | ३६ | २३ | ४९ | ७८ | ४७९ |
| २ | छैन | ४३९ | १८८ | १५४ | १४२ | १८६ | ५७५ | ६१२ | १८८ | १३९ | ३९२ | २८७ | ३९६ | ५०१ | ४९९९ |
| | जम्मा | ४६१ | २०० | २०० | १७६ | २९८ | ६३१ | ६७३ | २०४ | १५३ | ४२८ | ३१० | ४४५ | ५७९ | ४६७८ |

श्रोता:- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा

६.१२ आधारभूत आवश्यकता पूर्ती गर्न नसक्ने अवस्था

परम्परागत कृषि बाटै आफ्ने जीविकोपार्जन गर्नुपर्ने बायता बहुसंख्यक नेपाली परिवारहरको छ । धुलिखेल नगरपालिका क्षेत्र पनि यो बायताबाट बाहिर छैन । भिरालो जमिन र पहाडी ग्रामिण वस्ति बढिनै भएको यस नगरपालिका भित्र वसोवास गर्ने मानिसहरु मध्ये धेरै कमले मात्र स्तरिय जीवनशैली अपनाउन सक्ने हैसियत राख्दछन् ।

यो समुहभित्र सडक छेउका जग्गाधनिहरु, सडक छेउमै घर भएका घरधनीहरु, सरकारी क्षेत्रमा काम गर्ने कर्मचारीहरु, व्यापारिहरु र स्थानिय व्यवसायीहरु पर्दछन् । यो बाहेकका खेति किसानी

गर्ने, ज्याला मजदुरी गर्ने र नगरपालिका बाहिर गएर काम गर्ने परिवारहरूलाई जीविकोपार्जनका विविध आवश्यकताहरू पूर्ती गर्न कठिन नै भएको विचार यो अध्ययनका उत्तरदाताहरूले राखेका छन् ।

तालिका नं. ६.१२.१ आधारभूत आवश्यकता पूर्ती गर्न नसक्ने अवस्था

| क्र.सं. | विवरण | शिक्षा | आधारभूत स्वास्थ्य | चिसोबाट बच्ने | मनोरञ्जनका साधन |
|---------|---------|--------|-------------------|---------------|-----------------|
| १ | प्रतिशत | ११ | २ | ७ | १२ |

श्रोता:- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

माथिको विवरणलाई विश्लेषण गर्दा कुल जनसंख्याको ११ प्रतिशत मानिसहरूलाई शिक्षा आर्जन गर्न अफूयारो परेको, २ प्रतिशत नगरबासि आधारभूत स्वास्थ्य सेवा लिनबाट बच्नित रहेका, ७ प्रतिशत मानिसहरूले जाडोबाट बच्ने आवश्यक वस्तुहरू व्यवस्था गर्न नसक्ने र १२ प्रतिशत वासिन्दा मनोरञ्जनका लागि खर्च गर्न असमर्थ भएको समुह छलफलमा उपस्थित सहभागिहरूले बताए ।

६.१३ परिवारमा भएका सुविधाहरू

स्वभावैले मानिस सुविधाभोगी हुन्छ । मानिसको सुविधाभोगी स्वभाव प्रविधिको विकाससँगै परिवर्तन भईरहेको पनि छ । सुविधा उपभोग गर्ने सवालमा धुलिखेल नगरबासि पनि अन्य नगरबासि सरहै छन् । धुलिखेल आफैमा प्राकृतिक मनोरञ्जनका लागि प्रख्यात ठाँउ हो । त्यसमा पनि यहा सामुदायिक, निजि मनोरञ्जनका माध्यमहरू यथेष्ठ छन् । धुलिखेल नगरबासिहरूले प्रयोग गर्ने साधनहरूलाई तलको तालिकामा तालिकाबद्ध गरिएको छ ।

तालिका नं. ६.१३.१ परिवारमा भएका सुविधाहरू

| क्र.सं. | भएका सुविधाहरू | वडा नं. | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---------|----------------------|---------|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-------|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | |
| १ | रेडियो | १६२ | ११८ | ११७ | ७९ | ११२ | २७३ | ९८ | ११७ | ७६ | १४३ | १७६ | १८७ | २३१ | १८९२ |
| २ | टेलिभिजन | २०२ | ११६ | ११५ | ८१ | १२६ | २२१ | ११९ | १३२ | ८७ | २६५ | २१३ | ९८ | ७६ | १९५१ |
| ३ | टेलिफोन / मोबाइल फोन | २३७ | ११९ | १२१ | ८४ | १३१ | ३३८ | ११९ | १३९ | ९८ | १८६ | ३४२ | ६२१ | २३१ | ३५४८ |
| ४ | साँइकल | - | ८ | ९ | १५ | १२ | ९८ | २८ | २३ | ९ | ३२ | २६ | ७१ | ५२ | ५६३ |
| ५ | मोटर साइकल | २० | ३९ | ४० | ४५ | १२ | ३९ | ५२ | ३१ | १६ | ३२ | १२ | २३ | ५३ | ४१४ |
| ६ | ट्याक्टर | ७ | १ | १ | १ | १ | ३ | २ | २ | १ | २ | १ | ५ | ३ | ३० |
| ७ | घोडा खच्चड | १ | १ | - | १ | - | - | १ | - | - | - | - | - | - | ४ |

| क्र | अन्य सवारी/दुवानीका साधन(ट्रक बस मिनिबस) | ७ | ९ | ७ | ६ | २ | ८ | ४ | ११ | १२ | ५ | ७ | ८ | ४ | ९० |
|-----|--|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|
| ९ | रेफजेरेटर | ११ | ३२ | ३३ | ३६ | २१ | ३१ | ५१ | ३७ | ३२ | ४३ | २९ | ६५ | १२ | ४३३ |
| १० | बाटर फिल्टर | ३८ | २१ | २७ | ३९ | २१ | ६३ | ६७ | २३ | २१ | ३४ | ३२ | ४१ | ३० | ४५७ |
| ११ | पंखा | ४२ | ४२ | ४७ | ५३ | ३० | ७४ | ४८ | ४८ | २३ | ४५ | ८७ | २९ | ६५ | ६३१ |
| १२ | कम्प्युटर /ल्यापटप | २९ | ४८ | ४९ | ४६ | ३६ | ५२ | ७० | ५४ | ९ | ३२ | ४५ | ९१ | ७६ | ६३७ |
| | जम्मा | | | | | | | | | | | | | | १०६५० |

श्रोतः- धुलिखेल नगरपालिकाद्वारा प्राप्त

माथि उल्लेखित तालिकालाई अवलोकन गर्दा त्यहाका वासिन्दाहरूले विलासिताका सामानहरु जस्तै रोडियो, टेलिभिजन, मोबाइल, मोटर साईकल, फ्रिज आदि सामानहरु प्रयोग गर्ने गरेको पाईयो । पूराना आफ्नै मौलिकता बोकेका सामानहरु दिनानुदिन लोप हुने कममा रहेका सामानहरुको प्रयोग कम हुदै गएको अध्ययनले देखाउछ ।

अध्याय सात

वन तथा वातावरण सम्बन्धी विवरणहरु

प्राकृतिक सम्पदाको महत्व मानव विकास तथा शहरीकरणका लागि महत्वपूर्ण छ । बढ्दो शहरीकरण, औद्योगिकिरण तथा विश्वव्यापीकरण को प्रभावका कारणबाट दिनानुदिन प्राकृतिक सम्पदाको विनाश द्रुतर गतिमा विश्वभरि नै भईरहेको छ ।

नेपालमा पनि विभिन्न कारणहरुले वनविनासको क्रम तिव्र रूपमा बढिरहेको छ । नेपालका जंगलहरुबाट दिनहु घरायसी प्रयोगका लागि काठ, दाउरा, घाँस, काठ मिलका लागि आवश्यक पर्ने कच्चा पदार्थ लागि जंगल फडानी भईरहेको छ ।

यसरी वन जङ्गल मासिँदै गए पछि भोलीका दिनमा प्राकृतिक व्यापक प्रकोप हुन गइ जन धनको व्यापक विनाश हुन जाने अवस्था श्रृजना हुन सक्छ । यसर्थ अहिलेको पुस्ताले भोलीका सन्ततीको भविष्य समेत विचार गरी समयमाने सजग हुनु र वन विनाश हुनबाट बचाउन नितान्त आवश्यक हुन आएको छ ।

वनजंगल विनाश हुनबाट बचाउन राज्य तथा स्थानिय निकाय, सरोकारवालाहरु जगरुक हुन जरुरी छ । धुलिखेल नगरपालिकाको वर्तमान अवस्थालाई विचार गर्दा र यहाँको बढ्दो शहरीकरणका बाबजूद पनि मौजूदा वन जङ्गलको स्थितिलाई सन्तोषजनकै मान्नु पर्दछ । तथापि मौजूदा वनको यथोचित मात्रामा संरक्षण गरी राख्नु पनि त्यतिकै आवश्यक छ ।

७.१ वनको विवरण

यस नगरपालिका क्षेत्र भित्र रहेका तथा सिमाना वरिपरिका वनजंलहरुले धुलिखेल नगरपालिकालाई स्वस्च्छ मात्र राख्न नभई पर्यटकको मन खिच्न सफल भएको छ । धुलिखेल नगरवासि तथा सरोकारवालहरुको सक्रियतामा विभिन्न उपभोक्ता समिति, समुदायिक वन विकास समिति जस्ता सामुदायिक संस्थाहरुको स्थापना गरिएका छन् । धुलिखेल नगरवासिले नगरक्षेत्रमा रहेका वनजंगलहरुबाट काठ, दाउरा, स्याउला आदिको प्रयोग दैनिक रूपमा गर्दै आएका पाईयो । यस क्षेत्रमा रहेका केहि प्रमुख सामुदायिक वनहरुको नाम यस प्रकारको छ :

तालिका नं. ७.१.१ सामुदायिक वनको नाम

| क्र सं. | सामुदायिक वनको नाम |
|---------|--|
| १ | सफिनो वन उपभोक्ता समिती |
| २ | च्यान डाडा धान छेर पाखा |
| ३ | छायोल देवी वन |
| ४ | पकुचा दोधान वन |
| ५ | गौखुरेश्वर वन |
| ६ | मजुली देवी वन |
| ७ | वतासे डाडा वन |
| ८ | स्वर्गे हुनेन डाडा (त्यान डाडा) |
| ९ | सरकारी वन धुलिखेल ठुलो वन (धु.न.पा.ले व्यवस्थापन गरेको वन) |

श्रोतः- जिल्ला वन कार्यालय धुलिखेल बाट प्राप्त

७.२ वडा अनुसार वनको विवरण

तालिका नं. ७.२.१ वडा अनुसार वनको विवरण

| क्र.सं. | वनको विवरण | वडा नं. | | | | | | | | | | | | |
|---------|--|---------|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ |
| १ | सफिनो वन उपभोक्ता समिती | | | | | ✓ | | | | | | | | |
| २ | च्यान डाडा धान छेर पाखा | ✓ | | | | | | | | ✓ | | | | |
| ३ | छायोल देवी वन | ✓ | | | | | | | | | | | | |
| ४ | पकुचा दोधान वन | ✓ | | | | | | | | | | ✓ | | |
| ५ | गौखुरेश्वर वन | ✓ | | | | | | | | | | | | |
| ६ | मजुली देवी वन | ✓ | | | | | | | | | | | | |
| ७ | वतासे डाडा वन | | | | | | | ✓ | | | | | | |
| ८ | स्वर्गे हुनेन डाडा (त्यान डाडा) | ✓ | | | | | | | | ✓ | | | ✓ | |
| ९ | सरकारी वन धुलिखेल ठुलो वन (धु.न.पा.ले व्यवस्थापन गरेको वन) | | | ✓ | | ✓ | | | | | | ✓ | | |

श्रोतः- जिल्ला वन कार्यालय धुलिखेल बाट प्राप्त

अध्याय आठ

विविध क्षेत्रका विवरणहरु

होटल, रेष्टुरेण्ट, गैर सरकारी संघ संस्थाहरु तथा सरकारी कार्यालयहरु

८.१ होटल तथा रेष्टुरेण्टहरु

धुलिखेल नगरपालिका क्षेत्रभित्र सञ्चालित होटल, रेष्टुरेण्टहरु तथा साना खाजा पसलहरुको नगरको समग्र विकासमा खेलेको भूमिका महत्वपूर्ण रहेको छ । यहाँ सञ्चालित होटल तथा रेष्टुरेण्टहरुले यस क्षेत्रको सामाजिक रहन सहन, संस्कृति, भाषा, खानपिन, सरसफाइ आदि कार्यहरु व्यवस्थितरूपले सञ्चालन गरी यस नगरको प्रतिष्ठा बढाउने कार्य गर्दै आएका छन् ।

यस नगर क्षेत्रमा बसोबास गर्ने बहुजातीय व्यवस्थित समाज भएकाले उनिहरुका परम्परागत रहन सहन पहिरन आदिका विशिष्ट पहिचान भएको, आ आफ्ना विशेष कला, धर्म, संस्कृतिका कारण पनि अधिकाधिक मात्रामा स्वदेशी तथा विदेशी पर्यटक तथा पाहुनाहरु आकर्षित भई यस ठाँउमा आउने गरेको र यहाँ बसोबास गर्ने अवधि पनि लम्ब्याउने तथा रमणीयताको आनन्द लिइ फर्कने गरेको पाइन्छ ।

यहाँका जनताको सौम्य, मिलनसारिता, लगनसिलता तथा मैत्रीपूर्ण व्यवहारबाट यहाँ आउने आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरु र गोष्ठि, सेमिनार, कार्यशाला आदि प्रयोजनका लागी आउने पदाधिकारीहरुको मन जित्न सफल भएको यस क्षेत्रका होटल व्यवसायीहरु स्वदेशि तथा विदेशि मुद्रा आर्जन गर्न सफल भएका छन् । यति हुदा हुदै पनि यस नगरपालिकामा सञ्चालित होटल तथा रेष्टुरेण्टहरुले कतिपय कठिनाइहरुको सामना गर्न परीरहेको छ । विभिन्न सामनाका बावजुत पनि यहाँ स्थापित होटलहरुले ग्राहकहरुलाई सन्तुष्ट नै पारेका छन् । तथापि सम्भव भएसम्मका बाधा अड्चनहरुलाई हटाउने कार्यमा नगरपालिकाले आवश्यक समन्वय कायम गरी गराइ त्यस प्रकृतिका समस्याहरुको समाधान गर्दै आइरहेको छ । यहा सञ्चालन भैरहेका होटल तथा रेष्टुरेण्टहरु यस नगरपालिकाको मान सम्मान, इज्जत र प्रतिष्ठाका विषयहरु हुन् । यसर्थ यिनको कुशल सञ्चालनमा आवश्यक सहयोग पुऱ्याउनु यस नगरपालिकाको प्रमुख दायित्व पनि हो ।

यहाँका होटल तथा रेष्टुरेण्टहरुको छोटकरी विवरण देहाय अनुसार रहेको छ ।

द.१.१ होटल रेष्टरेण्ट सम्बन्धी तथ्यांक

तालिका नं. द.१.१.१ होटल रेष्टरेण्ट सम्बन्धी तथ्यांक

| क्र.स | होटल रेष्टरेण्टको नाम | स्थापना भएको वर्ष | ठेगाना | कर्मचारी संख्यातथा तालिम प्राप्त अप्राप्त | | वार्षिक पर्यटक संख्या | पर्यटकको किसिम | | आफ्नो जग्गा | | संस्थाको संरचना | फोहोर व्यवस्थापन | | फोहोर उत्पादन | | ट्रेकिङ गाइड व्यवस्था | | ठल निकास व्यवस्था | |
|-------|--|-------------------|----------------|---|-------|-----------------------|----------------|-------|-------------|-------|-----------------|------------------|-------|---------------|--------------|-----------------------|-------|-------------------|-----|
| | | | | महिला | पुरुष | | आन्तरिक | बाह्य | भएको | नभएको | | न.पा बाट | आफैले | जैविक के जी | अजैविक के जी | भएको | नभएको | छ. | छैन |
| १ | माउण्ट प्रिन्सेस होटल प्रा.ली. | २०५६ | धुलिखेल | २ | ८ | - | " | " | " | | आफ्नो भवन | | आफैले | ४ केजी | १ केजी | | नभएको | छ. | |
| २ | होटल गौरी शंकर माउण्टेन भ्यु प्रा.ली. | २०४७ | धुलिखेल ६ | २ | २ | २२०० | " | " | भएको | | आफ्नो भवन | " | " | ५०० केजी | १५० के जी | | नभएको | छ. | |
| ३. | माउण्ट भ्यु गेट हाउस | २०६१ | धुलिखेल २ | | | ५०० | " | " | भएको | | " | " | | १ केजी | १ केजी | | नभएको | छ. | |
| ४. | पानीरमा भ्यु लज रिसोर्ट | | धुलिखेल १ | १ | ७ | | " | | | " | | | " | ५ केजी | ५ केजी | भएको | | | " |
| ५. | धुलिखेल भिलेज रिसोर्ट | २०६५ | धुलिखेल न.पा.१ | १ | ८ | | " | | भएको | | आफ्नो भवन | | " | ९ के.जी. | १ के.जी. | | नभएको | | छैन |
| ६. | हिमालयन होराइजन होटल सन एन स्नो प्रा.लि. | | धुलिखेल न.पा.६ | ५ | २७ | २००० | " | " | भएको | | आफ्नो भवन | | आफैले | १५ के.जी. | ५ के.जी. | भएको | | छ. | |
| ७. | धुलिखेल लज रिसोर्ट | २०५४ | धुलिखेल न.पा.६ | ११ | ४१ | ७००० देखि १०००० | आन्तरिक | | | " | RCC भवन ४ | न.पा बाट | | | | | नभएको | छ. | |
| ८. | मिराकल होटल म्यानेजमेन्ट प्रा.लि. | २०५४ | धु.न.पा.६ | १२ | ४५ | १२०० | आन्तरिक | | " | | " | | " | २५ के.जी. | १० के.जी. | भएको | | छ. | |

श्रोत :- धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय

८.२ गैर सरकारी संघसंस्थाहरु

धुलिखेल नगरपालिकाको समग्र विकासका लागि राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय गैर सरकारी संघसंस्थाहरुले खेलेका भूमिका एउटा कोशेढांगा सावित भएको छ । यि संस्थाहरुबाट स्थानिय वासिन्दाका अपेक्षित आवश्यकताहरुको परिपुर्ति गर्ने कार्यमा सहयोग सहयोग पुऱ्याईरहेको छ । यसका साथै स्थानीय तहमा जनचेतना अभिवृद्धि, रोजगारिका अवसर, तालिम, भौतिक संरचनाको निर्माण आदि जस्ता कार्यमा सहयोग पुऱ्याउदै आएको छ ।

राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय गैर सरकारी संघसंस्थाहरुको आफ्ना छुट्टै श्रोत साधन र प्रविधि भएका कारणबाट स्थानीय जनताले यिनीहरुको सेवा ग्रहण गरी लाभान्वित रहेका छन् । तिनिहरुको श्रोत र प्रविधिको प्रयोगले स्थानिय वासिन्दाहरुको मौलिकपनामा निरन्तरतालाई पनि ध्यानमा राखि स्थानिय कला, संस्कृति, परम्परा, रितिरिवाजको पुरानो ढाँचालाई निरन्तरता दिईएको पाईयो । यस अतिरिक्त यी गैर सरकारी संघ संस्थाहरुले पुलको काम गरी स्थानीय जनतासंग राष्ट्रिय तथा अन्तर राष्ट्रिय सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाहरुका निकायहरुसंग तादात्म्यता कायम गर्नका निमित्त पुलको काम गर्दै आइरहेका छन् ।

यस नगरपालिकाले राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय गैर सरकारी संस्थाहरुको अधिकाधिक मात्रामा सहयोग आदान प्रदान गर्न सकेमा यस नगरको विकासमा टेवा पुग्न जाने छ भन्ने अपेक्षा गर्न सकिन्दै ।

८.३ सरकारी कार्यालयहरु

धुलिखेल नगरपालिकामा अवस्थित सरकारी कार्यालयहरुले यस नगरको विकासमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दै आइरहेका छन् । यस क्षेत्रभित्र अवस्थित सरकारी कार्यालयहरुले सरकारी निकाय मातहातका विभिन्न सेवाहरु उपलब्ध गराउदै आएका छन् । आफै घर आगनमा सरकारी सेवा पाउदा उनिहरुलाई निकै सजिलो भएको कुरा सहभागी स्थानियहरुले बताए । यो नगरपालिकामा काभे पलाञ्चोक जिल्लाको सदरमुकाम रहेको कारणबाट यस जिल्लाका अन्य नगरपालिकाहरुको भन्दा बढी महत्व रहेको छ । जिल्लाको शान्ति सुरक्षा लगायत विकास निर्माण तथा न्यायिक कार्यहरु सम्पादन गर्ने उत्तरदायित्व निर्वाह गर्ने प्रयोजनार्थ स्थापित जिल्ला स्तरीय कार्यालयहरले आआफ्नो दायित्व निर्वाह गर्दै आइ रहेका छन् ।

यस नगरपालिकाले सरकारी, गैर सरकारी, निजी र व्यापारिक प्रतिष्ठान, गाँउ, टोल र सम्पूर्ण वडाबासीहरूको हीतका निमित्त सरसफाइ, सडक बत्ती प्रबन्ध, निर्मित संरचनाहरूको मर्मत सम्भार तथा सञ्चालन देखी लिएर जात्रा, पर्व, मेला, खेलकूद, पार्क बगैंचा व्यवस्थापन तथा सञ्चालन निर्वाधरूपमा गर्दै आइरहेको छ । यस परिप्रेक्षमा यस नगरपालिकामा उक्त कार्यालयहरूको सहयोग र सद्भावना अविच्छिन्नरूपमा प्राप्त भैरहेका कारणबाटनै नगरपालिका यस स्तरसम्म आउन सकेको हो ।

यहाँ अवस्थित सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यालयहरूको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ ।

द.३.१ सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाहरूको तथ्यांक

तालिका नं. द.३.१ सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाहरूको तथ्यांक

| क्र.स. | संस्थाको नाम | कार्यालयको ठेगाना | संस्थाको कार्य प्रकृती | संस्थाको कार्य विवरण | कर्मचारी दरवन्धी | पदपुर्ति संख्या | | आफ्नो जग्गा | | संस्थाको भवन | |
|--------|---|----------------------|--|--|---------------------|-----------------|-------|-------------|-------|--------------|-------------------------------------|
| | | | | | | महिला | पुरुष | भएको | नभएको | भएको | नभएको |
| १ | धुलिखेल अस्पताल | धु.न.पा.५ | स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने | पोष्ट ग्राजुयट तहसम्म अध्यापन कार्य सुलभ मुल्यमा गर्ने | ५५१ | २७६ | २७५ | भएको | | भएको | |
| २ | धुलिखेल खानेपानी उपभोक्ता समिति | धु.न.पा.३ | सेवामुलक | खानेपानी वितरण | १८ | २ | १६ | | नभएको | | नभएको |
| ३ | प्रगती युवा क्लब | धु.न.पा.६ | | शौचालय निर्माण, रक्तदान, गोबरगयाँस सञ्चालन आदि | | | | | नभएको | | भाडामा सञ्चालन |
| ४ | मिलीजुली युवा क्लब | धु.न.पा.६ | सरसफाइ वृक्षारोपण व्यवस्थित पार्नु | सरसफाइ वृक्षारोपण व्यवस्थित पार्नु | | | | | नभएको | | ऋणमा कार्य सञ्चालन गर्दै आएको |
| ५ | इन्टिरेटेड इफोर्ट फर डेभलपमेन्ट नेपाल | धु.न.पा.६ | गै.स.स. | वातावरण शिक्षा कृषि | ११ | ४ | ७ | | नभएको | | नभएको |
| ६ | सामुदायिक प्रहरी सेवा केन्द्र | धु.न.पा.३ | सामाजिक गतिविधि सम्बन्धी | | | | | | | | |
| ७ | ब्रह्मकुमारी राजयाग सेवा केन्द्र | धु.न.पा. | आध्यात्मद्वारा शान्ति एकता सद्भावना चरित्र निर्माण | जनचेतना बृद्धि इश्वरीय ज्ञान तनाववाट मुक्ति | ६ | | | भएको | | भएको | |
| ८ | प्रकाश सामुदायिक पुस्तकालय | धु.न.पा.८ | शिक्षा स्वास्थ्य सम्बन्धी | पुस्तकालय सञ्चालन | १ | १ | | भएको | | भएको | चालु |
| ९ | धुलिखेल युवा | धु.न.पा.५ | सामाजिक सेवा | व्यायाम शाला स्थापना | ३ | | ३ | भएको | | भएको | |

| | | | | | | | | | | | | |
|----|-------------------------------|------------|---|---|----|---|----|-------|-------|-------|-------------------|-------|
| | क्लब | | सम्बन्धी कार्यविवरण | ट्रस्ट निर्माण डस्ट्रिब्युशन कार्यक्रम | | | | | | | | |
| १० | मनविनायक युवा क्लब | धु.न.पा. | सामाजिक सेवा | स्थानिय चाडपर्व स्वयं सेवक हस्पिटल क्षेत्रमा पार्किङ शुल्क उठाउने | २ | | २ | | नभएको | | नभएको | |
| ११ | न्यू गौखुरेश्वर युवा क्लब | धु.न.पा. | सामाजिक तथा खेलकुद कार्य | टोल सरसफाई शौचालय निर्माण वरैचा व्यवस्थापन | ११ | २ | ९ | | | | | |
| १२ | धुलिखेल उद्योग वाणिज्य संघ | धु.न.पा. ३ | व्यापार व्यवसाय संरक्षण संवर्द्धन | व्यापार व्य | २ | | २ | | नभएको | | नभएको | |
| १३ | सहयोग र सरोकार | धु.न.पा. | शिय र कार्यमुलक तालिम | कृषि तालिम पशुपालन तालिम स्वास्थ्य तालिम प्रौढ तालिम | १८ | ८ | १० | भएको | | भएको | | पक्की |
| १४ | धुलिखेल आयुर्वेद औषधालय | धु.न.पा. ४ | | | ४ | | ३ | भएको | | भएको | | पक्की |
| १५ | जेष्ठ नागरिक सेवा केन्द्र | धु.न.पा. ४ | वृद्धवृद्धाहरूलाई सहयोग तथा सेवा प्रदान गर्ने | वृद्धवृद्धाहरूलाई सहयोग तथा सेवा प्रदान गर्ने | १ | १ | | नभएको | | नभएको | भाडामा सञ्चालन | |

श्रोत :- जिल्ला शिक्षा कार्यालय धुलिखेलबाट प्राप्त

८.३.२ सरकारी कार्यालयहरूको तथ्यांक

तालिका नं. ८.३.२.१ सरकारी कार्यालयहरूको तथ्यांक

| क्र.सं | कार्यालयको नाम | कार्यालय रहेको ठेगाना (वाड नं.) | कुल कर्मचारी दरवन्धी | पदपुर्ती भएको संख्या | | प्राविधिक कर्मचारी संख्या | | प्रशाशनिक कर्मचारी संख्या | | सेवाकालिन कर्मचारी सं. | | आफ्नो जग्गा | | जग्गाको क्षेत्रफल | संस्थाको संरचना | संरचनाको अवस्था | |
|--------|--------------------------------|---|----------------------------|-------------------------|-------|------------------------------|-------|------------------------------|-------|---------------------------|-------|-------------|-------|----------------------|-----------------|--------------------|-----------|
| | | | | महिला | पुरुष | महिला | पुरुष | महिला | पुरुष | महिला | पुरुष | भएको | नभएको | | | | |
| १ | जिल्ला बन कार्यालय, धुलिखेल | २ | ६९ | १ | ५० | १ | २५ | | | ४३ | १ | ६८ | | नभएको | | भाडामा | पक्की भवन |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|--|---|------|----|------|---|----|----|-----|----|-----|---------|--|-----------|---|---|-----------------------|
| २ | शैक्षिक तालिम केन्द्र | ५ | १८ | ५ | १२ | २ | ५ | ३ | ७ | १ | ३ | भएको | | ३५-१४-०-३ | " | | पक्की भवन |
| ३ | कारागार कार्यालय | ३ | ६ | | ६ | | | | ६ | १ | | भएको | | ३-८-३-० | " | | |
| ४ | जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ३ | ५२४ | ४२ | ४६९ | ६ | ५५ | ३६ | ४७५ | ४२ | ४६९ | भएको | | १६-२-१-० | " | | |
| ५ | जिल्ला भु संरक्षण कार्यालय | | १२ | | १२ | | ६ | | ६ | | | भएको | | | " | | |
| ६. | जिल्ला हुलाक कार्यालय | २ | १०१ | १५ | ६६ | | | १५ | ६६ | | | भएको | | ३-०-०-० | " | | पानी चुहिने |
| ७ | नापी कार्यालय | ३ | २१ | | २० | | १४ | | ६ | | २० | भएको | | २-०-०० | | | |
| ८ | रुद्रध्वज गण | | १ गण | | १ गण | | | | | | | नभएको | | | | | |
| ९ | मध्यमाञ्चल सिचाइ विकास डिभिजन कार्यालय | २ | २३ | | २१ | | १२ | १ | ८ | | ९ | भएको | | | | | आफ्नो भवन भएको |
| १० | कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालय | | १२ | | १० | | १० | | | | | भएको | | १-१-२-० | | | नयाँ |
| ११ | जिल्ला निर्वाचन कार्यालय | २ | ७ | | ७ | | २ | | ५ | | | नभएको | | | " | | भाडामा |
| १२ | जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय | ३ | २१ | २ | १८ | २ | १० | | ८ | २ | १४ | भएको | | २-९-०-१ | " | " | |
| १३ | जिल्ला पशुसेवा कार्यालय | | ५४ | १ | ५० | १ | २५ | २ | २३ | | ५ | भएको | | १२-१२-१-२ | " | | चालु |
| १४ | प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र | १ | १२ | ३ | ७ | ४ | ७ | ० | १ | | | संयुक्त | | संयुक्त | " | | पुरानो एक तले भवन |
| १५ | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग डिभिजन कार्यालय | | १७ | | १३ | | ९ | | १ | | २ | भएको | | | | | भवन मर्मत संभार कार्य |
| १६ | जिल्ला प्राविधिक कार्यालय | | १७ | १ | १३ | १ | ११ | | ३ | | ६ | | | | | | |

श्रोत :- जिल्ला स्त्रीत विभिन्न कार्यालयहरु बाट प्राप्त

८.४ धर्म तथा संस्कृति

धार्मिक रूपमा हिन्दु तथा बौद्ध सम्प्रदायको बाहुल्यता रहेको यस नगरमा हिन्दु धर्मका विभिन्न तथा पाटी पौवाहरू स्थानीय जनश्रम र सहभागितामा निर्मित भएको पाईन्छ । अधिकांश मठमन्दिर कुनै राजा रजौटाबाट निर्मित भएको त्यति देखिदैन । त्यस्तै यहाँको ऐतिहासिक पक्ष हेर्दा हरिसिद्ध त्रिशक्ति भवानी मन्दिर ऐतिहासिक रूपले नेपाल संवत १९१ मा व्याजु परिवारका देव व्याजुका सन्ततिहरूको अग्रसरतामा निर्मित यस मन्दिर पछि माकजु, विजु, फुलजु, देवजु र तुसुजु परिवारको संयुक्त यस मन्दिरको पुर्णत तीन तले निर्माण भएको छ । कला र कौशलबाट अति नै महत्वपूर्ण यस मन्दिरमा १२ वर्षे हरिसिद्धी मेला लागदछ । हरिसिद्धीका तीन देवीमा आदिशक्तीको रूपमा लिइएको यस देवीको उत्पति कैलाश पर्वतमा चण्ड, प्रचण्ड नामक दैत्यबाट विघ्न बाधा पुऱ्याएकोमा त्यस विरुद्ध पार्वतीको शक्तिबाट उत्पति भएर ती दानवको संहार गरी पछि पार्वती खुशी भइ संहारको रक्षा आदिशक्ति, त्रिशक्ति र महाशक्ति रूप प्रख्यात पाई शक्ति देवीको रूपमा स्थापित छ ।

नारायण मन्दिरः

कला र कौशलको अर्को नमूनको मन्दिर वि.सं. १९५० मा व्याजु परिवारको सक्रियता र नेतृत्वमा निर्मित यस मन्दिरमा विष्णु भगवानको सुन्दर मुर्ति छ । धुलिखेल बजारको मुख्य भागमा अवस्थिय यस मन्दिरमा हरेक वर्ष श्रीकृष्ण अष्टमीका दिन ठुलो मेला लाग्ने गर्दछ । शेषनारायण गुठी समुहबाट सञ्चालन हुने उक्त मेलामा विभिन्न स्थानका भक्तजनहरू भेला हुने तथा ब्रत बस्ने गरिन्छ । यो मन्दिरको जीर्णद्वार तथा संरक्षण गर्नुपर्ने देखिएको छ । यसको पुजा संरचना तयारीका लागि आवश्यक पहल भैरहेको छ ।

भगवती मन्दिरः

करिब २०० वर्ष अगाडी स्थानीय जनताको प्रयासबाट निर्मित यस मन्दिरमा धुलिखेलको सबैभन्दा अग्लो स्थानमा रहेको धार्मिक एवं पुरातात्विक महत्वको यो मन्दिरको महत्व निकै छ । यस मन्दिरको २०१९ सालमा पुनः निर्माण भैसकेको छ । प्रत्येक वर्ष विजया दशमीको अवशरमा भगवती यात्रा सञ्चालन हुनेछ र कला कौशलताको बेजोड र सुन्दरताले सजिएको यस मन्दिरबाट हिमाली तथा महाभारतीय पर्वतहरू देख्न सकिन्छ ।

गौखुरेश्वर मन्दिर :

प्राचिनताको महत्वपूर्ण तीर्थस्थलको रूपमा रहेको यस गौखुरेश्वर मन्दिर धार्मिक आस्थावनहरूको धरोहर नै हो । स्थानीय कथन अनुसार एकजना (किसान) पशुपालकको गाइलाई चराउन लाने क्रममा गाइ हराउन थाले र खोजी कार्य भएपति उक्त स्थानमा सानो शालिग्राम जस्तोमा गाइको थुनबाट दुध भई गरेको देखेछ र आश्चर्य मन्दै गाइ घर लान लाग्दा नमानेपति विविध प्रकारले गाइ घर लगेछ । त्यसै रात किसानको सपनामा शिवको ज्योतिर्लङ्घ त्यस स्थानमा रहेको सपना देखेपति भोलिपल्ट बिहानै गइ खनिहेदा शिवको गाइको जस्तो खुर भएको देखि गौखुरेश्वर महादेवको नाममा प्रचलित रहेको पाइन्छ ।

लंखनमाई मन्दिर :

ऐतिहासिकता र प्राचिनताको अर्को उदाहरण यस लंखनमाई मन्दिर र यस वरपर रहेका दुङ्गेधारा निर्क महत्वका देखिन्छ । स्थापना भएको समयको त्यति शिलालेखहरू तथा मुर्तिहरूको चोरी भएको छ । यद्यपी मुल मुर्ति चाहि निकै अलौकिक छ । मासिक स्थानको रूपमा कार्य सफलताको कामना गर्दै पुण्य तिथि भएको यस मन्दिर ब्रतबन्ध, विवाह, नयाँ घर निर्माण जस्ता कार्यमा सिद्धिको लागि अधिष्ठात्रीको रूपमा पुजा गरिन्छ । धुलिखेल युवा क्लब, स्थानीय जनता, धुलिखेल नगरपालिका र श्री ५ को सरकार पुरातत्व विभागबाटब २०४८ सालमा पुनः निर्माण कार्य सम्पन्न भइसकेको छ ।

गरुड स्तम्भ :

आमा र छोराको सम्फनामा हिरालाल व्याञ्जु तथा आमा मायादेवी व्याञ्जुको नाममा स्थापित यस गरुड ३०/३२ फिट अग्लो ढुङ्गाको स्तम्भ माथि गरुडको स्वर्णयुक्त मुर्ति तथा आमा र छोराको दायाँ र बाया स-साना मुर्ति सहित आमा र छोराको ममतामय भावना प्रतिविम्बित हुन यस स्तम्भ एउटै ढुङ्गाले बनेको छ । करिब १ सय वर्ष अगाडी स्थापना भएको देखिन्छ ।

स्वेत भैरव मन्दिर :

श्रीखण्डपुर बजारको अग्लो स्थानमा रहेको यस स्वेतभैरव मन्दिर धार्मिक तथा सांस्कृतिक रूपमा निकै महत्वपूर्ण स्थान राख्दछ । स्थानीय रूपमा सञ्चालन हुने देशपुजा, पञ्चवली पुजा आदिले

यो मन्दिर प्रख्यात हुन् । भैरवको यस मन्दिरमा नवदुर्गा जात्राको विसर्जन पुजा पनि यही नै गरिन्छ । प्राचिन समय देखि स्थानीय एवं छिमेकी गाउँहरूको धार्मिक स्थालको रूपमा रहेको यो मन्दिर जिर्णोद्धारको लागि पर्खिरहेको छ ।

देवीस्थान मन्दिरः

नगरको पुर्व भागमा अवस्थित यस मन्दिर स्थानीय कोतको रूपमा लिने गरिन्छ । सुन्दर मुर्ति सहितको यस मन्दिरमा दर्शनमा पुजा अर्चना गरिन्छ । पहाडको चुचुरोमा अवस्थित यस मन्दिरबाट हिमाली सुन्दर दृश्यहरू तथा सुर्योदय हुने अस्ताउने लगायत धुलिखेल बजारको सम्पुर्ण भाग र अन्य पहाडी स्थानको अवलोकन गर्न सकिन्छ । धुलिखेलमा पर्यटक आर्कषण गराउने स्थानको रूपमा पनि चिनिन्छ । निकट भविष्यमा यसलाई पिकनिक स्थलको रूपमा निर्माण गर्ने सोचाइ बढिरहेको छ । साना साना अन्य गणेश, नारायण, चैत्य, पानीपौवा, पोखरी आदि थुप्रै रहेका छन् । जसमा कला कौशलताको नमुना रहेको पाइन्छ ।

अन्य मन्दिरहरूको यसप्रकार रहेका छन्:

- चक्र देवी मन्दिर
- चक्र देवी मन्दिर
- छाँया देवी मन्दिर
- काली देवी, थकुरी
- सेती देवी
- गणेश मन्दिर
- गौखुरेश्वर महादेव
- श्री भीमसेन स्थान
- श्री हरी सिद्धी मन्दिर
- फुल चौकी मंहाजु
- मन विजायक गणेश मन्दिर
- वटोल गणेश मन्दिर
- लंखमाई मन्दिर
- इन्द्रायणी ब्रह्मायणी
- भिमसेन कुवा र पोखरी
- मण्डली देवी
- काली देवी

- बज्रयोगिनी
- पञ्चकन्या
- मानेध्याङ्ग
- सेती देवी मन्दिर
- सरस्वती पोखरी
- भिमसेन स्थान
- जात्या देवी
- हरी सिद्धी स्थान
- वौद्ध चैत्य
- वाःह पोखरी
- लायकु दरबार
- नासिका मन्दिर
- चैत्य मन्दिर
- फाथ्युउ गणेश
- सरस्वती मन्दिर र पोखरी
- गणेश मन्दिर
- महाँकाल चैत्य मन्दिर
- महाँकाल खेल चैत्य मन्दिर
- महेश्वरी स्थान
- श्वेत भैरव मन्दिर
- श्रीखण्डपुर चैत्य
- वौद्ध मन्दिर
- नारायण मन्दिर
- भिमसेन स्थान
- महादेव पोखरी

८.५. सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक सम्पदाहरू

पर्यटकिय तथा वातावरणको मनोरम यस नगरपालिका धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाले पनि भरिपूर्ण रहि आएको छ । यहा स्थापित विविन्न धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाले यो क्षेत्र बहुधार्मिक क्षेत्र भएको भान गराउछ । बहुसंख्यक मानिसहरु हिन्दूधर्म मान्ने भएपनि यो क्षेत्रमा हिन्दुका अलवा बौद्ध, इस्लाम, मस्जीद लगाएतका अन्य धर्मका प्रतिनिधित्व गर्ने धार्किक तथा

पुरातात्त्वीक महत्वका सम्पादाहरु पाइन्छ । यो क्षेत्र लिच्छवि कालदेखि नै एक व्यापारिक नाकाका रूपमा स्थापित भएकाले पुराना दुंगे धाराहरु, इनार, पोखरी आदिको लागि पनि प्रख्यात नै मानिन्छ । धर्मिक तथा सास्कृतिक महत्व बोकेका सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक सम्पदाहरुलाई तलको तालिका मार्फत देखाउन सकिन्छ ।

तालिका नं. द.५.१ सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक सम्पदाहरु

| क्र.सं. | वडा नं. | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ |
|---------|------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|
| १ | मठ मन्दिर | ६ | ५ | ३ | ६ | ५ | ४ | ५ | ६ | २ | १ | ० | १ | १ |
| २ | पाटी पौवा | ३ | १ | २ | १ | १ | १ | ० | १ | ३ | ० | ० | ० | १ |
| ३ | सत्तल | १ | ० | ० | २ | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | ० |
| ४ | गुम्बा | १ | ० | ० | ० | ० | २ | ० | १ | २ | २ | ० | १ | ० |
| ५ | मस्जीद | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ६ | चर्च | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० |
| ७ | इनार | १ | १ | १ | ४ | १ | २ | २ | ४ | ४ | ० | ० | ० | ० |
| ८ | दुङ्गेधारा | ३ | १ | ४ | ० | ४ | ४ | ० | ० | ३ | ३ | २ | १ | २ |
| ९ | पोखरी | २ | १ | ४ | १ | २ | ० | ० | ३ | १ | १ | २ | १ | १ |
| १० | कुवा | ४ | १ | ५ | ० | ३ | ५ | ५ | ३ | ० | २ | ३ | २ | ३ |

श्रोत :- धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय

द.६ धुलिखेल नगरपालिका स्थित ढल प्रशोधन केन्द्र

स्वच्छ हावापानि तथा मनोरम वातावरणिय दृश्यले भरिपूर्ण यस नगरिमा पछिल्ला दिनहरुमा बढौदै गएको वातावरणिय विनास, उच्च जनसंख्या वृद्धि, बढो मात्रमा सवारी साधाकनको प्रयोग आदिका कारणबाट विस्तारै वातावरण प्रदुषण वृद्धि हुन थालेका अवस्था प्रति स्थानिय सरोकारवालाहरुको ध्यान खिचिएको छ । यिनै कुराहरुलाई ध्यानमा राखेर यस नगरपालिका भित्र ठाँउ ठाँउमा फोहोर प्रसोधन केन्द्रहरु स्थापन गरिएका छन् ।

तालिका नं. द.६.१ धुलिखेल नगरपालिका स्थित ढल प्रशोधन केन्द्र

| वडा नं. | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ |
|----------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|
| फोहोर पानी प्रसोधन केन्द्र | १ | - | - | - | १ | - | - | - | १ | - | १ | - | - |
| धु.न.पा. कार्यालय | - | - | १ | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |

श्रोत :- धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय

द.७ धुलिखेल नगरपालिका बाट जडान भएको सडक बत्तीहरुको विवरण

सुरक्षाको खासै चुनौती नरहेको यस क्षेत्रमा यात्रुहरु तथा पैदलयात्रीहरुको रातिको समयमा पनि उज्यालो प्रदान गर्ने हेतुले नगरका विभिन्न ठाँउहरु जो प्राय मानिसहरु आवतजावत गर्दछन् यस्ता ठाँउहरुमा नगरपालिकाले सडक वत्तिको व्यवस्था गरेको छ । वढौं गएको जनसङ्ख्या बृद्धिले निम्त्याउन सक्ने असामाजिक कार्यहरुको नियन्त्रण तथा नियमन गर्न यसले सरोकारवालाहरुलाई धेरै सजिलो हुने विश्वास गर्न सकिन्छ । तलको तालिकामा नगर क्षेत्रभित्र जडित वत्तिहरुको विवरणलाई प्रस्तुत गरिन्छ ।

तालिका नं. द.७.१ धुलिखेल नगरपालिका बाट जडान भएको सडक बत्तीहरुको विवरण

| वडा नं. | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | जम्मा |
|-----------------|-----|-----|----|----|----|-----|----|----|----|----|-----|----|----|-------|
| सडक बत्ती विवरण | १८७ | १६५ | ७१ | ६६ | ९० | १९५ | ७८ | ८५ | ८० | ८७ | १२३ | ७२ | ९८ | १३९७ |

श्रोत :- धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय

माथिको तालिका लाई अध्ययन गर्दा नगर क्षेत्रभित्र रहेका १३९७ सडक बत्तिहरुले स्थानिय बासिन्दा तथा पर्यटकहरुलाई रात्रिकालिन समयमा उज्यालो प्रदान गरिरहेका छन् ।

अध्याय नौ

धुलिखेल नगरपालिका

समस्या तथा समस्या समाधानका उपायहरु

राजधानीको सिधा सम्पर्क भएको र स्तरिय सडकले जोडिएको यो नगरपालिका भौगोलिक तथा वातावरणीय हिसाबले उत्कृष्ट छ। शमशितोष्ण हावापानि, दक्षिण मोहडा र समथर भूभागले भरिपूर्ण यो नगरपालिका जति पर्यटकीय दृष्टिले महत्वपूर्ण कृषि कार्यका लागि पनि उतिकै महत्वपूर्ण छ। यति हुदा हुदै पनि यस नगरपालिकाको विकासको स्तर अपेक्षित मात्रामा अत्यन्त उच्च स्तरको हुनु पर्नेमा त्यसो हुन सकिरहेको छैन। यस नगरपालिकाले कार्य सञ्चालनका सिलसिलामा विविध समस्याहरुका सामना गर्ने परी रहेको छ। कतिपय समस्याहरु तात्कालिन रूपमा समाधान हुने प्रकृतिका छन् भने कतिपय समस्याहरु समाधान हुन लामो समय लाग्ने, उच्च प्रविधि तथा आर्थिक श्रोतसाधनका अभावमा सम्पन्न हुन नसक्ने प्रकृतिका छन्।

तर पनि जिल्लाको केन्द्र, पर्यटककाल लागि उत्कृष्ट गन्तव्य, वि.पि.र कोदारी राजमार्गमा संगम, राजधानीबाट नजिक भएका कारण यो नगरपालिकाले आर्थिक, सामाजिक विकासका लागि राम्रो अवसर पाउने निश्चित छ। विकासका हालका प्रयासहरुलाई नै आधार मान्ने हो भने पनि यसको भौतिक, आर्थिक तथा सामाजिक संरचनाले मजबुत आधार बनाईसकेको प्रष्ट हुन्छ।

यस सम्बन्धमा यस नगरपालिकाको अध्ययनबाट देहाय बमोजिमका समस्याहरुका पहिचान गरी तिनको समाधानका लागी निम्न बमोजिमका उपायहरु अवलम्बन गर्नुपर्ने देखिन्छ।

- यस नगरपालिकामा अवस्थित होटल तथा रिसोर्टहरुबाट नेपाल आउने पर्यटकहरुले यथोचित सेवा प्राप्त गर्न सकीरहेका छन्। धुलिखेलबाट अवलोकन गर्न सकिने गौरीशंकर हिम शृँखलाको मनोरम छटाले यहाँ आउने पर्यटकहरुलाई मन्त्रमुग्ध पार्दछ भन्दा अतिशयोक्ति नहोला तथापि आधुनिक स्तरको गुणस्तरीय सेवा उपलब्ध गराउन अझै सकिएको छैन।
- पर्यटन व्यवसाय यस क्षेत्रको निमित्त अत्यन्तै उर्वर क्षेत्र भएको हुनाले यहाँको मनोरम दृश्य अवलोकन गर्न आउने पर्यटकहरुका निमित्त अझ बढी आकर्षित तुल्याई यसका साथै यहाँ अवस्थित होटल तथा रिसोर्टहरुबाट उपलब्ध गराउनु

पर्ने सेवा सुविधाहरुमा नगरको पहिचान गराउने पुस्तिकाहरु तयार पारी उपलब्ध गराउने, टुरिष्ट गाइडको प्रबन्ध मिलाउने, स्तरीय भोजन र यथोचित सेवा प्रदान गर्ने तथा मनोरञ्जनका उपायहरुको पहिचान गरी सो सुविधा उपलब्ध गराउने र यहाँ बस्ने समय लम्ब्याउन सकेमा अभ बढी उपलब्धमूलक हुन सक्नेछ ।

- शैक्षिक क्षेत्रमा, विश्वविद्यालयसम्मका शिक्षण संस्थाहरु रहेकोमा यस नगरपालिकाका जनतामा शैक्षिक स्तर अपेक्षित मात्रामा माथि उठन सकीरहेको छैन । यस सन्दर्भमा यस नगरपालिकाले शैक्षिक कार्यक्रम अन्तर्गत नगरपालिकामा अवस्थित विभिन्न शैक्षिक संस्थाहरुसंग समन्वय गरी दलित, अपाङ्ग, असहाय छात्र छात्राहरुलाई छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने पहल गर्ने तथा केही संख्यामा त्यस्ता छात्र छात्राहरुलाई नगरपालिकालैनै छात्रवृत्ति उपलब्ध गराउने प्रबन्ध गर्ने सकेमा र जनतामा व्यापक मात्रामा शैक्षिक चेतना तथा जागरण ल्याई शिक्षाको प्रकाश छर्न सकेका खण्डमा यहाँको शैक्षिक उन्नति हुन सक्ने छ ।
- यस नगरपालिकाले वितरण गरीरहेको खानेपानी उच्च गुणस्तरको भएको भएतापनि परिमाणात्मक अपर्याप्तताका कारण आवश्यकतानुसार नगरवासीहरुलाई पानी उपलब्ध गराउन नसकिएको र छिरलिएको बस्ती भएका कारणबाट प्रत्येक घरधुरीमा धारा जडान हुन नसकेको अवस्था छ ।
- यस प्रयोजनका लागी नगरपालिकाले साविकमा उपलब्ध श्रोतहरुका अतिरिक्त अन्य वैलिक श्रोतहरुको पहिचान गरी खानेपानी आपूर्तिको प्रबन्ध मिलाउने तथा उपलब्ध भैरहेको खानेपानीको क्षमता अभिवृद्धि गर्नका लागी आवश्यक सम्भाव्यता अध्ययन गरी आयोजनाको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने कार्य गर्न उपयुक्त हुने देखिन्छ ।
- यस नगरपालिकामा जनस्वास्थ्य सेवाका क्षेत्रमा, विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाहरुका अतिरिक्त आधुनिक उपचार प्रणालीले सुसज्जित अस्पतालको उपलब्धता भएतापनि अपेक्षितरूपमा जागरुकता आई स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध गराउन नसकिएको वर्तमान अवस्था एउटा चुनौतिकारुपमा रहेको छ । अस्पताल र स्वास्थ्य केन्द्रमा गएर उपचार गराउनुको सट्टा धार्मी भाँक्रीमा विश्वास गर्ने

र तदनुरूपका उपचार पद्धति अपनाउने प्रवृत्ति हट्टन नसकी रहेको अवस्था पनि विद्यमाननै छ ।

- स्वास्थ्य सेवामा सर्व साधारणको पहुँच हुनकालागी यो सेवालाई सर्व सुलभ बनाउनु पर्ने र राज्यबाट उपलब्ध गराइने सेवा सुविधाहरूका बारे अद्यावधिक जानकारी सर्वसाधारणमा पुऱ्याउन पर्ने आवश्यकता छ । यस अतिरिक्त परापूर्वकालदेखी प्रचलनमा आएका रुढिवादी भावनाहरूलाई तिरस्कार गरी यस भावनामा परिवर्तन ल्याइ सामाजिक जागरण ल्याउनु पर्ने आवश्यकता छ ।
- मातृ शिशु स्वास्थ्यका क्षेत्रमा वाञ्छित मात्रामा दृष्टि पुऱ्याउन नसकदा मातृ शिशु मृत्युदरमा अपेक्षा गरे अनुसारको सफलता हासिल गर्न नसकिएको अवस्था छ । कतिपय महिलाहरूमा लज्जाका कारणबाट पनि आफ्नो रोग लुकाउने प्रवृत्ति भएका कारणबाट यथोचित उपचार हुन नसकी रहेको अवस्था छ । यसका निमित्त महिला स्वयंसेवीहरूलाईनै परिचालन गरी आधुनिक उपचार पद्धति अपनाउने किसिमको वातावरण बनाउन पर्ने आवश्यकता रहेको छ ।
- यस नगरपालिकाको भावी विकासको गति र संभावनाहरूको प्रक्षेपण नगरी शहरी विकासका कार्यहरु अघि बढाईने गरिएको छ । यसबाट विकासको गति कुन रूपमा अघि जाने हो त्यो विषय दिशाविहीन हुन पुगेको छ । भोलीको आवश्यकताहरूको प्रक्षेपण गरेर आज योजना तर्जुमा गर्न सकेमा आज निर्मित संरचनाहरूले भोलीसम्म सेवा प्रदान गरी रहने छन् । अन्यथा आजका संरचनाहरू भोली भताभुङ्ग बनाउने अवस्था शृङ्जना हुन सक्नेछ ।
- यस नगरपालिकामा उपयुक्त योजना बिना अनियन्त्रित र अव्यवस्थित शहरीकरणको विकास पनि हुँदै गैरहेको छ जसबाट कतिपय असहज अवस्थाहरूको शृङ्जना हुने गरेको पाईएको छ । सेवाग्राहीलाई सेवा उपलब्ध गराउन कठिन भैरहेको छ । छिरलिएको बस्ती भएका हुनाले सेवाग्राहीले अधिकाधिक मात्रामा सुविधा उपलब्ध गर्न सक्नु भन्ने भावनाले अभिप्रेरित भएर योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने अवस्था रहेकोछ ।
- नगरपालिकाको प्रमुख उद्देश्य सेवाग्राहीलाई सन्तुष्ट तुल्याइ समयमानै सेवा प्रदान गर्नुनै हो । नगरपालिकाले गर्ने गरेका सानातिना निर्माण तथा मर्मत

सम्भारका कार्यहरु पनि समयमा सम्पन्न नहुँदा निराशा तथा जनआक्रोशको सामना गर्नु पर्दछ ।

- यो नगरपालिका कार्य सम्पादन र सेवा प्रदायकका दृष्टिकोणबाट अब्बल नगरपालिकाहरुको श्रेणीमा पर्दछ । उपर्युक्त सामाजिक अवस्थाका बाबजूद पनि यस नगरपालिकाको विकासको गति द्रुतर मात्रामा अघि बढीरहेको यथार्थता र भविष्यका निमित्त केही न केही गर्ने पर्दछ भन्ने भावनाले उत्पेरित गर्ने गरेको पाईएको छ । यो भावना यस नगरपालिकाको भविष्यको विकास निर्माणमा गरिने भावी योजनाको प्रक्षेपणकालागी सकारात्मक तथा शुभ संकेतकारुपमा मान्नु पर्दछ । यसका निमित्त देहाय बमोजिमका प्रविधि अपनाउन तथा व्यवस्थापन गर्न सकेमा नगरपालिको वर्तमान अवस्थामा सुधार आउन सक्नेछ ।
- फोहरमैलाको वैज्ञानिक तरिकाबाट व्यवस्थापन गर्ने । श्रोतमानै जैविक र अजैविक फोहर छुट्याई प्रशोधन र विसर्जन कार्य गर्ने ।
- यहाँको मनोरम दृश्य अवलोकन गर्न आउने पर्यटकहरुका निमित्त अभ बढी आकर्षित तुल्याई उचित सेवा प्रदान गर्नका लागी पर्यटक पथप्रदर्शकको व्यवस्था गरी आवश्यक सुविधा उपलब्ध गराउने र यहाँ बस्ने समय लम्ब्याउन सकेमा अभ बढी उपलब्धिमूलक हुन सक्नेछ ।
- रोजगारी तथा आय आर्जनकालागी अन्य संभावित क्षेत्रहरुको पहिचान गरी सेवा प्रदान गर्न सक्ने सीपयुक्त सक्षम जनशक्ति तयार पार्न सकिएमा र उपलब्ध श्रोतसाधनहरुको अधिकाधिक मात्रामा परिचालन गर्न सकेमा ग्रामीण रोजगारीका अवसरहरुमा स्थानीय स्तरमानै वृद्धि हुनगाई यहाँको जीवनस्तरमा व्यापकमात्रामा सुधार हुदै जाने कुरा निर्विवादनै छ ।
- यहाँका अन्य सम्भाव्य उत्पादनशील क्षेत्र (एयत्भलतष्वा व्यभवक) हरुको पहिचान गर्ने र तदनुरूपको प्राथमिकता निर्धारण गरी योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने वर्तमान अवस्थाको टड्कारो आवश्यकता छ ।
- यहाँका जनताले अनुभूत गरेका योजनाहरुको कार्यान्वयन पक्षलाई सबल तुल्याई गति दिनु पर्ने अवस्था छ । यसबाट वाञ्छित मात्रामा विकासको गति अघि बढ्न सक्ने अपेक्षा गर्न सकिन्छ । यस प्रयोजनकालागी पनि प्रभावकारी सूचना

प्रणालीको सञ्चाल (भाष्यकारक अवधारणा क्षमतामय विवरण)

निर्माण गर्नु पर्ने नितान्त आवश्यक देखिन्छ ।

- विकास निर्माणका कार्यहरूलाई गतिशील तुल्याउनकालागी आर्थिक पारदर्शिता एउटा महत्वपूर्ण पक्ष हो । कतिपय स्थानीय निकायहरु आर्थिक पारदर्शिताको अभावमा विभिन्न समस्याहस्को सामना गरी रहेका छन् । यस समस्याको समाधानार्थ नगरपालिकाले मासिक रूपमा आफ्नो आमदानी खर्चको विवरण सार्वजनिक गर्ने र सार्वजनिक सुनवाइका माध्यमबाट प्रगति विवरण जनसमक्ष प्रस्तुत गर्दा नगरपालिकाको साखमा अभिवृद्धि हुन जानेछ ।
- नगरपालिकाको आमदानी खर्चको लेखा परिक्षणबाट देखा परेका अनियमितता, बेरुजु, भ्रष्टाचार तथा हिनामिना भएको रकम कलम असुल फर्द्धयौट सम्बन्धमा स्थानीय निकायले प्रचलित कानुन बमोजिम कार्यवाही गर्ने, गर्न लगाउने ।
- नगरपालिकामा लगानीको विश्वसनीय वातारण बनाउनाका लागी शान्ति सुरक्षाको भरपर्दो व्यवस्था गरी लगानी मैत्री वातावरण श्रृजना गर्ने । उद्यमी व्यवसायी तथा लगानी कर्तालाई लगानी गरिएको सम्पति सुरक्षित रहेको प्रत्याभूति दिने तथा समय समयमा अन्तरक्रिया गरी बाधा व्यवधान तथा गुनासाहरुको निरुपण गर्ने ।
- उपभोक्ता समिति, उद्यमी, व्यवसायी तथा लगानीकर्ताले स्थानीय संभाव्यताका आधारमा सञ्चालन गर्ने आयोजना, परियोजना तथा कार्यक्रम सञ्चालनका निमित्त आवश्यक पर्ने पूर्वाधारहरु जस्तै : जग्गा जमीन, बाटो घाटो, विद्युत, खानेपानी आदि जस्ता सुविधाहरु प्रचलित कानुन बमोजिम नगरपालिकाले उपलब्ध गराई दिने ।
- नगरपालिकालाई वातावरण मैत्री बनाउन र स्वच्छ एवं हाभरा नगरपालिकाकोरुपमा विकसित गर्नका लागी सरसफाईका कार्यमा विशेष दृष्टि पुऱ्याउनु आवश्यक देखिन्छ । यसका लागी नगरपालिकाले निर्धारित स्थानहरुमा फोहर संकलन गर्ने भाँडाहरु राखी दिने तथा तोकिएका समयमा फोहर संकलन गर्ने प्रवन्भ मिलाउने व्यवस्था गर्ने, यस बारे जनचेतना अभियान सञ्चालन गर्ने र जथाभावी फोहर गर्ने व्यक्तिलाई प्रचलित कानुन बमोजिम कार्यवाही गर्ने ।

- नगरपालिकामा प्रवेश गर्ने र नगरपालिकाबाट बाहिरिने सवारी साधनहरूलाई व्यवस्थित गर्नका लागी तथा नगरपालिकाका विभिन्न स्थानहरूमा जथाभावी पार्किङ गरी सवारी साधनहरू राख्ने तथा मनोमानी शुल्क असुल गर्नेहरू माथि कडा निगरानी राखी जिल्ला प्रहरी कार्यालयसंग समन्वय कायम गरी पार्किङ शुल्क तथा स्थानको निर्धारण र व्यवस्थापन गर्ने ।
- नगरपालिकामा ल्याष्टिकजन्य फोहरले गर्दा नगरको शोभा विग्रन गएको र प्रदूषण बढ्न गएका कारणबाट ल्याष्टिकको प्रयोगमा निषेध गर्ने । यस्तो कार्य सम्भव नभएमा ल्याष्टिकजन्य फोहरलाई व्यवस्थित गर्नका लागी नगरपालिकाले प्रत्येक घरधुरीलाई एउटा एउटा फलामको सुईरो वितरण गर्ने र ल्याष्टिकजन्य पदार्थलाई सुईरोमा उनेर राखी फोहर संकलकले ल्याष्टिकलाई अलगै जम्मा पारी रिसाइकल गर्ने प्रयोजनकालागी छुट्याई संकलन गर्ने व्यवस्था मिलाउन उपयुक्त हुने देखिन्छ ।
- नगरपालिकामा श्रृजना हुन सक्ने रोजगारीका अवसरहरूको पहिचान गरी स्थानीय स्तरमा श्रृजना हुने रोजगारीमा स्थानीय लक्षित वर्गको पहुँच हुने वातावरण नगरपालिकाले श्रृजना गरी दिने ।
- स्थानीय स्तरमा सञ्चालन गरिएका विकास आयोजना, परियोजना तथा कार्यक्रमहरू निर्दिष्ट तौर तरिकाबाट सञ्चालन भए नभएको बारेमा नियमितरूपमा नगरपालिकाबाट अनुगमन तथा निरिक्षण गर्ने र राम्रो काम गर्ने कर्मचारी, उपभोक्ता समिति, उद्यमी, व्यवसायी तथा लगानीकर्तालाई पुराष्कृत गर्ने तथा अनुचित कार्य गर्नेलाई प्रचलित कानुन बमोजिम दण्डको व्यवस्था गर्न सकेको खण्डमा नगरपालिकाको कार्य सम्पादन स्तरमा प्रभावकारिता आउन सक्दछ र जनतालाई सन्तुष्टि प्रदान गर्न सकिन्छ ।

गरीरबी निवारण कार्यक्रम

नेपालमा योजनाबद्ध विकासक्रमले शुरु भएको छैंटौ दशक पुरा गर्ने क्रममा छ । विकास कार्यक्रमहरूले लक्षित गरे मुताबिक व्यापक लगानीका बाबजूद अहिलेसम्म पनि विकासको गति वाञ्छित मात्रामा तिव्रतररूपमा अघि बढ्न सकिरहेको छैन । कुल जनसंख्याको एक चौथाई नेपाली जनता अहिले पनि गरीबीको जीवन बाँचीरहेका छन । गरिबहरूको निम्नि गास, बास,

लत्ता कपडा, शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी जस्ता आधारभूत आवश्यकताहरूको परिपूर्ति हुन सकीरहेको छैन । लिङ्ग, समुदाय तथा जातजातीका आधारमा परम्परागतरूपमा सामाजिक रुढिवादिताको शिकार भएको यो वर्ग र समूहमा पर्ने नेपाली जनताले विकासको प्रतिफल प्राप्त गर्न सकीरहेको छैन । राष्ट्रले गर्दै आएको व्यापक लगानीका बावजूद गरीब जनता अझै गरीब हुँदै गैरहेको निराशाजनक अवस्था छ । यस कारण राष्ट्रीय योजनामा गरिबी न्यूनिकरण गर्नु आजको अपरिहार्य आवश्यकता र राष्ट्रीय प्राथमिकता हुनु पर्ने अवस्था रहेको छ । धुलिखेल नगरपालिकामा पनि विविध कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरी गरिबी निवारणमा महत्वपूर्ण भूमिका निवाह गर्नु पर्ने आवश्यकता रहेको छ ।

गरीबीको मारमा परेको र अत्यन्त कष्टप्रद जीवन बाँचिरहेको यो वर्ग असंज्ञित छ । यस निम्न वर्गमा सन्निहित अशिक्षा, बेरोजगारी, अज्ञानता तथा निम्न आय भएका कारणले पनि विकास निर्माणका कार्यक्रमहरुमा पहुँच हुन सकिरहेको छैन । यस अतिरिक्त सामाजिक सचेतनाको कमी भएको कारणले पनि स्वस्फूर्तरूपमा उर्जा प्रवाह हुन गै जनजागरण आउन पनि सकीरहेको छैन । वर्तमान सन्दर्भमा गरीबीको दयनीय अवस्थामा रहेका असंगठित तथा सुविधाबाट वञ्चित यो वर्गका जनताका आवश्यकताहरूको पहिचान गर्ने र तदनुरूप विकास निर्माणका कार्यक्रमहरु तर्जुमा गरी ती समस्याहरूलाई स्थानीय समुदायहरूलाई जागरूक तुल्याई सुसंगठित गरेर उनिहरूलाई नै परिचालन गरी कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन गराउनु पर्ने आवश्यकता महशुस गरिएको छ ।

यस नगरपालिकाले गरिबी निवारणमा स्थानीय आवश्यता अनुसार विभिन्न किसिमका विकास निर्माणका आयोजनाहरु सञ्चालन गर्न सक्छ । यसरि संचालन गरिने कार्यक्रमहरुको नमुना स्वरूप केहि उदाहरणहरु निम्न हुन सक्छन् ।

- स्थानीय सम्भाव्यताका आधारमा रोजगारी अभिवृद्धिमूलक कार्यक्रम, आय आर्जन सम्बन्धी कार्यक्रम,
- सामाजिक परिचालन मार्फत जनचेतना जगाउने, स्थानीय रूपमा उपलब्ध श्रोतसाधनहरूको संरक्षण गर्ने गराउने ।
- लक्षित वर्ग सचेतना तथा सहभागितामूलक कार्यक्रम,,
- पर्यटन उद्योग प्रवर्द्धन कार्यक्रम,

- द्वन्द्व प्रभावितहरुको पुनर्स्थापन कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम, द्वन्दवाट ध्वस्त भएका गरिबहरुका भौतिक संरचना पुनर्निर्माण कार्यक्रम,
- एकल महिला शिपमूलक कार्यक्रम, यस्ता कार्यक्रमहरुले उनीहरुको आर्थिक स्तर उठाउने, सामाजिक हैसियत प्राप्त गर्ने प्रभावकारी भुमिका खेल्ने, समाजमा उनीहरुको आवश्यकताई आत्याउने जस्ता कामहरु गर्ने गराउने ।
- शिपमूलक प्रशिक्षण कार्यक्रम, साना रोजगारको अवसर शृङ्जना गर्ने ।
- लघु वित्त परिचालन कार्यक्रम, स्थानियहरुलाई सहज तथा सरल रूपमा वित्तिय सुविधाहरु प्रदान गर्ने ।
- बजारमुखी अर्थतन्त्र विकास सम्बन्धी कार्यक्रम,
- श्रम मूलक प्रविधिमा आधारित रोजगारी अभिवृद्धिमूलक कार्यक्रम,
- परम्परागत प्रविधि र शीप अभिवृद्धि कार्यक्रम, परम्परागत प्रविधिलाई निरन्तरता दिई लोप हुने क्रममा रहेका वस्तुहरुलाई लोप हुनबाट जोगाउने ।
- खानेपानी तथा सरसफाई कार्यक्रम,
- रोजगार सहायता (सचेतना, प्रशिक्षण, क्षमता विकास आदि) कार्यक्रम, साना सामुदायिक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम,

मानिसमा रहेका भित्रि क्षमता कुनै तालिम, सेमिनार आदिवाट अभिवृद्धि गर्न सकिन्छ । मानिसमा रहेका क्षमता अभिवृद्धिले श्रममूलक प्रविधिमा आधारित तथा रोजगारी अभिवृद्धि हुन गई आर्थिक सक्षमता हासिल गर्न सकिन्छ । साथै प्रौढ शिक्षा कार्यक्रम तथा लक्षित समूहको विकासमा सहयोग पुग्ने किसिमका स्थानीय तहमा आवश्यकता महशूस गरिएका अन्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु सञ्चालन गर्न सकिन्छ । ठुला प्रविधियुक्त आयोजनाहरुभन्दा छोटो समयमा सम्पन्न हुने तथा छिटो प्रतिफल दिने किसिमका आयोजनाहरु स्थानीय तहमा बढी मात्रामा सम्भाव्य हुन सक्दछन् ।

- रोजगारी तथा आय आर्जनकालागी अन्य संभावित क्षेत्रहरुको पहिचान गरी सेवा प्रदान गर्न सक्ने सीपयुक्त सक्षम जनशक्ति तयार पार्न सकिएमा र उपलब्ध श्रोतसाधनहरुको अधिकाधिक मात्रामा परिचालन गर्न सकेमा ग्रामीण रोजगारीका अवसरहरुमा स्थानीय स्तरमानै वृद्धि हुनगई यहाँको जीवनस्तरमा व्यापकमात्रामा सुधार हुँदै जाने कुरा निर्विवादनै छ ।

- यहाँका अन्य सम्भाव्य उत्पादनशील क्षेत्र (एयतभलतष्वि व्यभवक) हरुको पहिचान गर्ने र तदनुरूपको प्राथमिकता निर्धारण गरी योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने वर्तमान अवस्थाको टड्कारो आवश्यकता छ ।
- यहाँका जनताले अनुभूत गरेका योजनाहरुको कार्यान्वयन पक्षलाई सबल तुल्याई गति दिनु पर्ने अवस्था छ । यसबाट वाञ्छित मात्रामा विकासको गति अधिबढ्न सक्ने अपेक्षा गर्न सकिन्छ । यस प्रयोजनकालागी पनि प्रभावकारी सूचना प्रणालीको सञ्जाल (भाभअतष्खभ क्लायकवतष्यल क्यकतभ ल्भतध्ययचप) निर्माण गर्नु पर्ने नितान्त आवश्यक देखिन्छ ।
- विकास निर्माणका कार्यहरुलाई गतिशील तुल्याउनकालागी आर्थिक पारदर्शिता एउटा महत्वपूर्ण पक्ष हो । कतिपय स्थानीय निकायहरु आर्थिक पारदर्शिताको अभावमा विभिन्न समस्याहस्को सामना गरी रहेका छन् । यस समस्याको समाधानार्थ नगरपालिकाले मासिक रूपमा आफ्नो आम्दानी खर्चको विवरण सार्वजनिक गर्ने र सार्वजनिक सुनवाइका माध्यमबाट प्रगति विवरण जनसमक्ष प्रस्तुत गर्दा नगरपालिकाको साखमा अभिवृद्धि हुन जानेछ ।
- नगरपालिकाको आम्दानी खर्चको लेखा परिक्षणबाट देखा परेका अनियमितता, बेरुजु, भ्रष्टाचार तथा हिनामिना भएको रकम कलम असुल फर्द्धयौट सम्बन्धमा स्थानीय निकायले प्रचलित कानुन बमोजिम कार्यवाही गर्ने, गर्न लगाउने ।
- नगरपालिकामा लगानीको विश्वसनीय वातारण बनाउनाका लागी शान्ति सुरक्षाको भरपर्दो व्यवस्था गरी लगानी मैत्री वातावरण शृजना गर्ने । उद्यमी व्यवसायी तथा लगानी कर्तालाई लगानी गरिएको सम्पति सुरक्षित रहेको प्रत्याभूति दिने तथा समय समयमा अन्तरक्रिया गरी बाधा व्यवधान तथा गुनासाहरुको निरूपण गर्ने ।
- उपभोक्ता समिति, उद्यमी, व्यवसायी तथा लगानीकर्ताले स्थानीय संभाव्यताका आधारमा सञ्चालन गर्ने आयोजना, परियोजना तथा कार्यक्रम सञ्चालनका निमित्त आवश्यक पर्ने पूर्वाधारहरु जस्तै : जग्गा जमीन, बाटो घाटो, विद्युत, खानेपानी आदि जस्ता सुविधाहरु प्रचलित कानुन बमोजिम नगरपालिकाले उपलब्ध गराई दिने ।

- नगरपालिकालाई वातावरण मैत्री बनाउन र स्वच्छ एवं हाभरा नगरपालिकाकोरुपमा विकसित गर्नका लागी सरसफाइका कार्यमा विशेष दृष्टि पुऱ्याउनु आवश्यक देखिन्छ । यसका लागी नगरपालिकाले निर्धारित स्थानहरुमा फोहर संकलन गर्ने भाँडाहरु राखी दिने तथा तोकिएका समयमा फोहर संकलन गर्ने प्रबन्ध मिलाउने व्यवस्था गर्ने, यस बारे जनचेतना अभियान सञ्चालन गर्ने र जथाभावी फोहर गर्ने व्यक्तिलाई प्रचलित कानुन बमोजिम कार्यवाही गर्ने ।
- नगरपालिकामा प्रवेश गर्ने र नगरपालिकाबाट बाहिरिने सवारी साधनहरुलाई व्यवस्थित गर्नका लागी तथा नगरपालिकाका विभिन्न स्थानहरुमा जथाभावी पार्किंग गरी सवारी साधनहरु राख्ने तथा मनोमानी शुल्क असुल गर्नेहरु माथि कडा निगरानी राखी जिल्ला प्रहरी कार्यालयसंग समन्वय कायम गरी पार्किङ शुल्क तथा स्थानको निर्धारण र व्यवस्थापन गर्ने ।
- नगरपालिकामा ल्याप्टिकजन्य फोहरले गर्दा नगरको शोभा विग्रन गएको र प्रदूषण बढ्न गएका कारणबाट ल्याप्टिकको प्रयोगमा निषेध गर्ने । यस्तो कार्य सम्भव नभएमा ल्याप्टिकजन्य फोहरलाई व्यवस्थित गर्नका लागी नगरपालिकाले प्रत्येक घरधुरीलाई एउटा एउटा फलामको सुईरो वितरण गर्ने र ल्याप्टिकजन्य पदार्थलाई सुईरोमा उनेर राखी फोहर संकलकले ल्याप्टिकलाई अलगै जम्मा पारी रिसाइकल गर्ने प्रयोजनकालागी छुट्याई संकलन गर्ने व्यवस्था मिलाउन उपयुक्त हुने देखिन्छ ।
- नगरपालिकामा श्रृजना हुन सक्ने रोजगारीका अवसरहरुको पहिचान गरी स्थानीय स्तरमा श्रृजना हुने रोजगारीमा स्थानीय लक्षित वर्गको पहुँच हुने वातावरण नगरपालिकाले श्रृजना गरी दिने ।
- स्थानीय स्तरमा सञ्चालन गरिएका विकास आयोजना, परियोजना तथा कार्यक्रमहरु निर्दिष्ट तौर तरिकाबाट सञ्चालन भए नभएको बारेमा नियमितरूपमा नगरपालिकाबाट अनुगमन तथा निरिक्षण गर्ने र राम्रो काम गर्ने कर्मचारी, उपभोक्ता समिति, उद्यमी, व्यवसायी तथा लगानीकर्तालाई पुरष्कृत गर्ने तथा अनुचित कार्य गर्नेलाई प्रचलित कानुन बमोजिम दण्डको व्यवस्था गर्न सकेको खण्डमा नगरपालिकाको कार्य सम्पादन स्तरमा प्रभावकारिता आउन सक्दछ र जनतालाई सन्तुष्टि प्रदान गर्न सकिन्छ ।

भूक्षय नियन्त्रण :

यस नगरपालिकाको वडा नं. १ र वडा नं. ६ मा वर्षा याममा पहिरो जाने गरेको र भू स्खलन हुने गरेको कारणबाट त्यहाँका जनतालाई वर्षेनी कठिनाइको सामना गर्न परी रहेको छ । भू स्खलनबाट एकातिर जनतामा असुरक्षाको अवस्था छ भने अर्कोतिर जमीन कटान भएका कारणबाट आर्थिक समस्या समेत पर्ने गरेको पाइएको छ ।

उपर्युक्त समस्याको समाधानका लागी बायो इञ्जिनियरिंग प्रविधि अपनाइ भू स्खलन नियन्त्रण गर्न आवश्यक देखिन आएको छ । यसका निमित्त प्रभावित क्षेत्रमा अम्लसो, निगालो, उत्तिस तथा छिटो सर्ने र बढने खालका रुख विरुवा रोप्ने र भू क्षय र पहिरो नियन्त्रण गर्नु पर्ने आवश्यकता रहेको देखिन्छ ।

अनुसुची- १

धुलिखेल नगरपालिका कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीहरूको नामावली

| क्र.स. | नाम | पद | तह |
|--------|-----------------------|------------------|---------------------------|
| १ | बिनोद भट्टराई | कार्यकारी अधिकृत | राज पत्राधिकत तृतीय (प्र) |
| २ | जैसीलाल मण्डल | सिभिल इन्जिनियर | अधिकृतस्तर छैठौं |
| ३ | विष्णु कूमार श्रेष्ठ | लेखा अधिकृत | अधिकृतस्तर छैठौं |
| ४ | विजय कुमार बडाल | सिभिल इन्जिनियर | अधिकृतस्तर छैठौं |
| ५ | श्रीविक्रम व्यान्जू | लेखा अधिकृत | सहायकस्तर छैठौं |
| ६ | ईन्द्रमाया श्रेष्ठ | लेखापाल | सहायकस्तर पाँचौं (प्र) |
| ७ | मीन गोपाल तखाल्दे | ना.सु. | सहायकस्तर पाचौं (प्र) |
| ८ | कूमार बस्त्रेत | ना.सु. | सहायकस्तर पाचौं (प्र) |
| ९ | प्रकाश थापा | ना.सु. | सहायकस्तर पाचौं (प्र) |
| १० | गणेशराम मूस्याख्व | सव-ईन्जिनियर | सहायकस्तर चौंथो (प्रा) |
| ११ | जनकलाल श्रेष्ठ | खरिदार | सहायकस्तर चौंथो (प्र.) |
| १२ | नरेशकुमार ताम्राकार | सव-ईन्जिनियर | सहायकस्तर पाँचौं (प्रा) |
| १३ | मिरा रेग्मी (घिमिरे) | रिसेप्शनिष्ट | सहायकस्तर चौंथो (प्रा) |
| १४ | उर्मिला भण्डारी | स्वास्थ्य सहायक | सहायकस्तर चौंथो (प्रा) |
| १५ | धूर्ब प्रसाद पराजूली | विजूली मिष्ट्री | सहायकस्तर चौंथो (प्रा) |
| १६ | श्रीकृष्ण मानन्धर | अमिन | सेवा करार |
| १७ | रामशरण हुमागाई | खरिदार | सहायकस्तर चौंथो (प्रा) |
| १८ | कृष्ण प्रसाद व्यान्जू | विजूली मिष्ट्री | सहायकस्तर चौंथो (प्रा) |
| १९ | सनमान तामाङ्ग | सवारी चालक | सहायकस्तर पाँचौं (प्रा) |
| २० | रवि कूमार श्रेष्ठ | सवारी चालक | सहायकस्तर चौंथो (प्रा) |
| २१ | उद्धव प्रसाद हुमागाई | कार्यालय सहायक | सहायकस्तर तेस्रो (प्र) |
| २२ | जूठे तामाङ्ग | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| २३ | जीत बहादूर तामाङ्ग | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| २४ | कमल प्रसाद नापित | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| २५ | धूर्ब बहादूर कार्की | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| २६ | रघू बहादूर तामाङ्ग | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| २७ | सूदर्शन पराजूली | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| २८ | कपिल बिष्ट | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| २९ | मिन बहादूर तामाङ्ग | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| ३० | सानू लामा | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| ३१ | कृष्ण बहादूर थापा | कार्यालय सहयोगी | सहायकस्तर प्रथम (प्र) |
| ३२ | सिता तामाङ्ग | कार्यालय सहयोगी | सेवा करार |
| ३३ | सविना क्षेष्ठ | सव-अवरासियर | सेवा करार |

| | | | | |
|----|------------------|-------------------------|-----------|--|
| ३४ | प्रदिप महत | Fire Man | सेवा करार | |
| ३५ | हरि बहादुर भुजेल | Fire Man | सेवा करार | |
| ३६ | योगेन्द्र तामाङ | ICT Engineer(Volunteer) | सेवा करार | |
| ३७ | बिनोद सापकोटा | Computer प्राविधिक | सेवा करार | |

श्रोत :- धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय

अनुसूचि २

धुलिखेल नगरपालिकामा कार्यरत सामाजिक परिचालकहरू

| सि.न. | नाम,थर | वडा नं. | संपर्क नं. | कैफियत |
|-------|-------------------|---------|------------|--------|
| १ | ममता तामाङ्ग | १ | ९८५९९६९४६९ | |
| २ | सरस्वती श्रेष्ठ | २ | ९८४९३४३८५९ | |
| ३ | सुजाता श्रेष्ठ | ३ | ९८४९९४०७५२ | |
| ४ | सन्ध्या श्रेष्ठ | ४ | ९८१३३९६९६७ | |
| ५ | सविना धालाखे | ५ | ९८४३४२७६०८ | |
| ६ | सजना तामाङ्ग | ६ | ९८४३४२७७१२ | |
| ७ | शिरिषा विश्वकर्मा | ७ | ९८४९२८४०९९ | |
| ८ | रोशनी बज्राचार्य | ८ | ९८४९००६०७५ | |
| ९ | अमिना प्रधान | ९ | ९८४९४५९०६२ | |
| १० | सविता लम्साल | १० | ९८४३४२०५७२ | |
| ११ | सविता लम्साल | ११ | ९८४३४२०५७२ | |
| १२ | सविता लम्साल | १२ | ९८४३४२०५७२ | |
| १३ | सविता लम्साल | १३ | ९८४३४२०५७२ | |

अनुसूचि - ३

धुलिखेल नगरपालिका

राजनैतिक संयन्त्रका प्रतिनिधिहरू

| क्र.सं. | पदाधिकारीको नाम | राजनैतिक दलको नाम | संपर्क नं. | कैफियत |
|---------|---------------------|---------------------|------------|--------|
| १ | पृथ्वी थापा | माओवादी केन्द्र | ९८४९७७७५९० | |
| २ | जीत कृष्ण घिनान्जु | नेपाली कांग्रेस | ९८४९२४०७८० | |
| ३ | बिनोद पराजुलि | ने.क.पा. ए.मा.ले. | ९८५९०४७६६७ | |
| ४ | निरज खड्का | ने.क.पा. मा.ले. | ९८४९२३८९४४ | |
| ५ | ऋषिराम दुलाल | ने.म.कि.पा. | ९८४९९०४४३३ | |
| ६ | रोशन श्रेष्ठ | ने.क.पा. एकीकृत | ९८५९०७९२१ | |
| ७ | मोहन शाह | रा.प्र.पा. | ९८४९९०२५१० | |
| ८ | महेन्द्र विक्रम शाह | रा. प्र. पा. नेपाल | ९८५९९३८८६६ | |
| ९ | तिर्थ लामा | सँघिय समाजवादी फोरम | ९८४३६३०९९६ | |
| १० | प्रभु कृष्ण ताकाछे | नयाँ शक्ति नेपाल | ९८५९९००९८१ | |
| ११ | राजेश हुमागाई | लोकतान्त्रिक फोरम | ९८४९७५५४८६ | |

श्रोत :- धुलिखेल नगरपालिका कार्यालय

अनुसुची ४

नगर स्तरीय सूचना संकलन फारम

(नोटः यो ढाँचा नगर वस्तुगत विवरणमा समावेश गरिनुपर्ने द्वितीयक सूचनाका श्रोतहरु मार्फत संकलन गरिनुपर्ने सूचनाहरुका लागि नमूनाका रूपमा तयार गरिएको छ । यी सूचनाहरु नगरपालिकाको सूचना संकलन गर्न सक्ने अवस्था र उपलब्धताको आधारमा थपघट गर्न सकिनेछ)

१. परिचय

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

नामाकरणः

अवस्थिति(सीमाना):

पूर्वः ८५ ३३-४३२

पश्चिमः

उत्तरः २७ ३६-९९२

दक्षिणः

भौगोलिक स्वरूप : (भूबनावट, भिरालोपन, मैदान, आदि)

२. स्थानीय चार्डपर्व तथा जात्रा र मेलाहरुको विवरण :

| क्र.सं. | चार्डपर्व | जात्रा | मेलाहरुका नाम | मनाइने महिना | तिथि | मनाउने जातजाति |
|---------|-----------|--------|---------------|--------------|------|----------------|
| | | | | | | |

३. नगरपालिका क्षेत्रका पर्यटकिय स्थलहरुको विवरण (धार्मिक/ऐतिहासिक/पुरातात्त्विक):

| क्र.सं. | पर्यटकीय स्थलहरुको नाम | बडा नं. | स्थलको महत्व | दैनिक औसतमा आउने पर्यटकहरु को संख्या | कैफियत |
|---------|------------------------|---------|--------------|--------------------------------------|--------|
| | | | | | |
| | | | | | |

४. वर्तमान भू-उपयोग सम्बन्ध विवरण

| क्र सं. | विवरण | न. पा. | |
|---------|-------|--------------------------|---------|
| | | क्षेत्रफल (वर्ग कि. मि.) | प्रतिशत |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | जम्मा | | |

श्रोत. केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

५. सिंचित क्षेत्रफलको विवरण

| क्र.सं. | विवरण | क्षेत्रफल (हेमा) | कैफियत |
|---------|-------|-------------------|--------|
| | | | |
| | | | |

श्रोत : जिल्ला कृषि विकास कार्यालय ,.....

६.. नगर क्षेत्रमा भएका वन क्षेत्र सम्बन्धि विवरण

| विवरण | संख्या | क्षेत्रफल (हेक्टरमा) | प्रतिशत | कैफियत |
|-------|--------|-----------------------|---------|--------|
| | | | | |
| | | | | |
| जम्मा | | | | |

श्रोतः

७. छिमेकी गाविस/नगरपालिका/जिल्लासँगको आवागमन

| | | |
|----------------------------------|------------------------|------------|
| शिक्षा.... | स्वास्थ्य.... | रोजगार.... |
| विकास निर्माण तथा पुर्वाधार..... | जनचेतना अभिवृद्धि..... | |
| व्यापार व्यवसाय..... | | |

८. नगरपालिकाका अवसर, चुनौति र समस्याहरु(बार्षिक प्रगती प्रतिवेदनवाट लिने)

.....

९. नगरपालिकाका विकास सम्भावनाहरु (कृषि, जलबिद्धुत, पर्यटन, उद्योग, आदि)

.....

१०. जनसंख्या वितरणको अवस्था (२०५८/२०६८)

| विवरण | गणना वर्ष | |
|--|-----------|------|
| | 2058 | 2068 |
| जनसंख्या | | |
| परिवार संख्या | | |
| जनसंख्याको अनुपातिक वितरण | | |
| जनघनत्व | | |
| औषत वृद्धिदर | | |
| परिवारको औषत आकार | | |
| महिला पुरुष अनुपात (प्रति १०० जना महिलामा पुरुषको संख्या) | | |

श्रोत : राष्ट्रिय जनगणना २०६८

११. वडा अनुसार घरधुरी तथा जनसंख्याको विवरण

| वडा नं. | घर परिवार संख्या | पुरुष | महिला | जम्मा | क्षेत्रफल वर्ग कि.मि. | जनघनत्व | मुख्य वस्तीहरु |
|---------|------------------|-------|-------|-------|-----------------------|---------|----------------|
| | | | | | | | |

| जम्मा | | | | | | | |
|-------|--|--|--|--|--|--|--|
|-------|--|--|--|--|--|--|--|

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

१२. उमेर तथा लिङ्गका आधारमा जनसंख्याको विवरण

| उमेर समूह | महिला | पुरुष | तेश्रो लिंगी | जम्मा |
|------------------------|-------|-------|--------------|-------|
| ५ वर्ष भन्दा मुनि | | | | |
| ५ - ९ वर्षसम्म | | | | |
| १० - १४ वर्षसम्म | | | | |
| १५ - १९ वर्षसम्म | | | | |
| १९ - २४ वर्षसम्म | | | | |
| २५ - ४५ वर्षसम्म | | | | |
| ४६ - ५९ वर्षसम्म | | | | |
| ६० - ६९ वर्षसम्म | | | | |
| ७० वर्षसम्म भन्दा माथि | | | | |
| जम्मा | | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

१३. आर्थिक रूपलेसक्रिय जनसंख्याको अवस्था :

| उमेर समूह | पुरुष | महिला | जम्मा | प्रतिशत |
|---------------|-------|-------|-------|---------|
| ० देखि १४ | | | | |
| १५ देखि ५९ | | | | |
| ६० भन्दा माथि | | | | |
| जम्मा | | | | |

स्रोत :केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग, २०५८

१४. मातृभाषाको आधारमा जनसंख्याको विवरण

| क्र.सं. | मातृभाषा | प्रतिशत |
|---------|----------|---------|
| | | |
| | | |
| जम्मा | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

१५. धर्मको आधारमा जनसंख्याको विवरण

| क्र.सं. | धर्म | प्रतिशत |
|---------|------|---------|
| | | |

| जम्मा | |
|-------|--|
|-------|--|

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

१६. जातियताको आधारमा जनसंख्याको विवरण

| क्र.सं. | जातियता | प्रतिशत |
|--------------|--------------|---------|
| १ | क्षेत्री | |
| २ | ब्राह्मण | |
| ३ | नेवार | |
| ४ | सार्की, कामी | |
| ५ | दमाई | |
| ६ | कुमाल | |
| ७ | गुरुङ | |
| ८ | मगर | |
| ९ | राई लिम्बु | |
| १० | थारु | |
| ११ | झादव | |
| १२ | घर्ती | |
| १३ | अन्य | |
| जम्मा | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

१७. लिंग र उमेरका आधारमा घरमुलीको विवरण

| लिंग | जम्मा | घरमुलीको संख्या | | | | | | | |
|--------------|-------|-----------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------------|
| | | १०-१४ | १५-१९ | २०-२९ | ३०-३९ | ४०-४९ | ५०-५९ | ६०-६९ | ७० दखि माथि |
| जम्मा | | | | | | | | | |
| पुरुष | | | | | | | | | |
| महिला | | | | | | | | | |
| जम्मा | | | | | | | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

१८. १० वर्ष र सो भन्दा माथिका महिला पुरुषहरूको पहिलो पटक बिबाह गरेको उमेरको आधारमा जनसंख्या

| लिंग | जम्मा | पहिलो पटक बिबाह गरेको उमेर | | | | | | | | | | | |
|--------------|-------|----------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|-------------------|--|--|
| | | १० वर्ष भन्दा मुनी | १०-१४ वर्ष | १५-१९ वर्ष | २०-२४ वर्ष | २५-२९ वर्ष | ३०-३४ वर्ष | ३५-३९ वर्ष | ४०-४४ वर्ष | ४५-४९ वर्ष | ५० र सो भन्दा बढि | | |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | |
| पुरुष | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|-------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| महिला | | | | | | | | | | |
| जम्मा | | | | | | | | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

१९. अपांगताको आधारमा जनसंख्या(Population by disability)

| लिंग | जम्मा अपाङ्गता संख्या | अपांगताका आधारमा जनसंख्या | | | | | | | |
|-------|-----------------------------|---------------------------|------------------------------------|--------------------|---------------------------|-------------|--------------|-----------------|------------------------|
| | | सारिरिक रूपमा | दृष्टि बिहिन /कम दृष्टि भएका | बहिरा/कम सुन्ने | दृष्टि बिहिन तथा बहिरा | बोल भएका | गाहे भएका | मानसिक अपांग | बौद्धिक रूपमा असक्त |
| जम्मा | | | | | | | | | |
| पुरुष | | | | | | | | | |
| महिला | | | | | | | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२०. अपाङ्गता परिचयपत्र लिएका बालबालिकाको विवरण

| अपाङ्गता परिचय पत्रको किसिम | परिचयपत्र लिएका बालबालिकाको सङ्ख्या | | |
|---|-------------------------------------|------|-------|
| | बालिका | बालक | जम्मा |
| पूर्ण अशक्त अपांगता (रातो रंगको) | | | |
| अति अशक्त अपांगता परिचय पत्र (नीलो रंगको) | | | |
| मध्यम अपांगता (पहेलो रंगको) | | | |
| सामान्य अपांगता (सेतो रंगको) | | | |
| जम्मा | | | |

श्रोत: जि.वि.स / न.पा. / राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२१. छानाको प्रकारको आधारमा घरधुरी संख्या

| सि. नं. | घरको प्रकार | संख्या | प्रतिशत |
|---------|-----------------------------|--------|---------|
| १ | फुस तथा खरले छाएको | | |
| २ | जस्ता / च्यादरले छाएका | | |
| ३ | टायल तथा ढुगा (Slate) छाएका | | |
| ४ | आर सी.सी | | |
| ५ | काठले छाएका | | |
| ६ | माटोले छाएका | | |
| ७ | अन्य | | |
| ८ | उल्लेख नभएको | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२२. स्वामित्वको आधारमा घरपरिवारको वसोवासको अवस्था

| सि. नं. | स्वामित्वको विवरण | परिवार संख्या | प्रतिशत |
|--------------|-------------------|---------------|---------|
| १ | निजी | | |
| २ | भाडामा | | |
| ३ | संस्थागत | | |
| ४ | अन्य | | |
| जम्मा | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२३. खानेपानीको श्रोतको आधारमा घरपरिवार सम्बन्ध विवरण

| सि.नं. | खानेपानीको श्रोतहरु | घरपरिवार संख्या | प्रतिशत |
|--------------|---------------------|-----------------|---------|
| १ | पाइपधारा | | |
| २ | ट्युबवेल /हेन्डपम्प | | |
| ३ | ढाकिएको इनार /कुवा | | |
| ४ | नढाकिएको इनार /कुवा | | |
| ५ | मूलको पानी | | |
| ६ | खोला/नदीको पानी | | |
| ७ | अन्य | | |
| ८ | उल्लेख नभएको | | |
| जम्मा | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२४. इन्धनको प्रयोगको आधारमा घरपरिवार विवरण

| सि.नं. | इन्धनको प्रकार | घरपरिवार संख्या | प्रतिशत |
|--------------|----------------|-----------------|---------|
| १ | दाउरा | | |
| २ | मट्टीतेल | | |
| ३ | एल पि.र्यास | | |
| ४ | गुइठा | | |
| ५ | गोवर र्यास | | |
| ६ | विजुली | | |
| ७ | अन्य | | |
| ८ | उल्लेख नभएको | | |
| जम्मा | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२५. बत्ती प्रयोगको आधारमा घरपरिवार विवरण

| सि.नं. | बत्तीको प्रकार | घरपरिवार संख्या | प्रतिशत |
|--------|----------------|-----------------|---------|
| १ | विजुली | | |
| २ | मट्टीतेल | | |
| ३ | वायोर्यास | | |
| ४ | सोलार | | |

| | | | |
|--------------|--------------|--|--|
| ५ | अन्य | | |
| ६ | उल्लेख नभएको | | |
| जम्मा | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२६. उपलब्ध सेवा सुविधाको आधारमा घरपरिवार विवरण

| सि.नं. | सेवा सुविधाको विवरण | घरपरिवार | प्रतिशत |
|--------------|--------------------------|----------|---------|
| १ | कुनै सेवा सुविधा नभएका | | |
| २ | कम्तीमा एउटा सुविधा भएका | | |
| ३ | रेडियो भएका | | |
| ४ | टि.भी भएका | | |
| ५ | केवल लाइन जोडेका | | |
| ६ | कम्प्युटर भएका | | |
| ७ | इन्टरनेट सुविधा भएका | | |
| ८ | टेलिफोन भएका | | |
| ९ | मोबाइल | | |
| १० | गाडी भएका | | |
| ११ | मोटर साइकल | | |
| १२ | साइकल | | |
| १३ | अन्य साधन | | |
| १४ | फिज | | |
| १५ | उल्लेख नभएका | | |
| जम्मा | | | |

स्रोत : राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२७. शौचालय प्रयोगको आधारमा घरपरिवार विवरण

| सि.नं. | चर्पीको प्रयोग | घरपरिवार संख्या | प्रतिशत |
|--------------|----------------------------|-----------------|---------|
| १ | चर्पी नभएको | | |
| २ | फ्लस भएको(सार्वजनिक ढल) | | |
| ३ | फ्लस भएको(सेप्टिक ट्याङ्क) | | |
| ४ | साधारण | | |
| ५ | उल्लेख नभएको | | |
| जम्मा | | | |

श्रोत: केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

२८. वसाई सराई सम्बन्ध विवरण

| वसाई सराई विवरण | महिला | पुरुष | जम्मा | मुख्य जिल्लाहरु |
|---------------------|-------|-------|-------|-----------------|
| न.पा भित्र आएका | | | | |
| न.पा वाट बाहिर गएका | | | | |

| | | | | |
|-------|--|--|--|--|
| जम्मा | | | | |
|-------|--|--|--|--|

श्रोतः

३९. २९ खाद्यान्न आत्मार्निभरताको अवस्था :

| क्र.सं. | खाद्यान्न उपलब्धताको आधारमा परिवार संख्याको विवरण | संख्या/प्रतिशत | कैफियत |
|---------|--|----------------|--------|
| १ | ३ महिनाभन्दा कम खान पुग्ने परिवार | | |
| २ | ४ - ६ महिना खान पुग्ने परिवार | | |
| ३ | ७ - ९ महिना खान पुग्ने परिवार | | |
| ४ | १० - १२ महिना खान पुग्ने परिवार | | |
| ५ | आफ्नो खेतवारीको उत्पादनवाट खान पुगेर वेच विखन गर्ने परिवार | | |

श्रोतः

३०. स्वामित्वको प्रकारको आधारमा “महिला”घरमुली सम्बन्धि विवरण

| सि.नं. | स्वामित्वको विवरण | घरपरिवार | प्रतिशत |
|--------|--------------------------------|----------|---------|
| १ | घरजग्गा दुवैमा स्वामित्व भएका | | |
| २ | जग्गामा मात्रै स्वामित्व भएका | | |
| ३ | घरजग्गा दुवैमा स्वामित्व नभएका | | |
| ४ | उल्लेख नभएको | | |
| जम्मा | | | |

श्रोतः केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

३१. भु स्वामित्वसम्बन्धि विवरण

| सि.नं. | स्वामित्वको विवरण | घरधुरी | प्रतिशत |
|--------|--------------------------------|--------|---------|
| १ | स्वामित्व भएका | | |
| २ | स्वामित्व नभएका | | |
| ३ | आफ्नो जग्गा अरुलाई कमाउन दिएको | | |
| ४ | अरुको जग्गा कमाउने | | |
| ५ | उल्लेख नभएको | | |
| जम्मा | | | |

श्रोतः केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

३२. परिवारको स्वामित्वमा रहेको जग्गा जमिन सम्बन्धि विवरण

| सि.नं. | स्वामित्वको विवरण | | जम्मा घरधुरी | प्रतिशत |
|--------|-----------------------|-----------------------|--------------|---------|
| | पहाड (रोपनी) | तराई (कठ्ठा) | | |
| १ | २ रोपनी भन्दा कम | ५कठ्ठा भन्दा कम | | |
| २ | २ देखि ५ रोपनी सम्म | ६ देखि १० कठ्ठा सम्म | | |
| ३ | ६ देखि १० रोपनी सम्म | ११ देखि २० कठ्ठा सम्म | | |
| ४ | ११ देखि २० रोपनी सम्म | २१देखि ३०कठ्ठा सम्म | | |

| | | | | |
|-------|---------------------|------------------|--|--|
| ५ | २० रोपनी भन्दा माथि | ३१कठा भन्दा माथि | | |
| ६ | थाहा नभएको | थाहा नभएको | | |
| जम्मा | | | | |

श्रोतः

३३. गत आर्थिक वर्ष २०६९/०७० को पञ्जिकरणको विवरण :

| क्र.सं. | विवरण | २०६९/७० को जनसंख्या | जम्मा दर्ता संख्या | महिला | पुरुष |
|---------|-------------------------------------|---------------------|--------------------|-------|-------|
| १. | जन्म दर्ता | | | | |
| १.१ | ५ वर्ष सम्मका | | | | |
| १.२ | ५ वर्षदेखि १८ वर्ष सम्मका बालबालिका | | | | |
| १.३ | १८ वर्ष माथिका मानिस | | | | |
| २. | मृत्यु दर्ता | | | | |
| ३. | सम्बन्ध विच्छेद | | | | |
| ४. | बसाईसराई | | | | |
| ५. | विवाह दर्ता | | | | |
| ५.१ | १८ वर्ष भन्दा कम उमेर | | | | |
| ५.२ | १८ वर्ष भन्दा माथि | | | | |
| जम्मा | | | | | |

श्रोतः

३४. गत आर्थिक वर्ष २०६९/०७० मा भएको नागरिकता तथा अन्य सिफारिसहरुको विवरण :

| क्र.सं. | विवरण | सिफारिस संख्या |
|---------|-------|----------------|
| १. | | |
| २. | | |

श्रोतः

३५. जेष्ठ नागरिक तथा एकल महिलाहरुको विवरण (आ.व. २०६९/०७०)

| | विवरण | संख्या | कैफियत |
|-------|----------------------------|--------|--------|
| १. | जेष्ठ नागरिक (७० वर्षमाथि) | | |
| १.१ | महिला | | |
| १.२ | पुरुष | | |
| जम्मा | | | |
| | जेष्ठ दलित | | |

| | | | |
|-------|---|--|--|
| | महिला | | |
| | पुरुष | | |
| जम्मा | | | |
| २. | कुल एकल महिला | | |
| ३ | लोपोन्मुख जाति (कुसुण्डा, राउटे....) | | |
| ४ | जम्मा पूर्ण अपांगः.... महिला:..... पुरुषः.... | | |
| ५ | जम्मा आशिंक अपांगः.... महिला:..... पुरुषः.... | | |

श्रोतः

३६. वडा अनुसार सामाजिक सुरक्षा भत्ता पाउने व्यक्तिहरूको विवरण

| वडा नं. | जेष्ठ नागरीक | | | दलित जेष्ठ नागरीक | | | एकल महिला | आशिंक अपांग | | | कुल जम्मा |
|---------|--------------|-------|-------|-------------------|-------|-------|--------------|-------------|-------|-------|--------------|
| | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा | | महिला | पुरुष | जम्मा | |
| | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | |
| जम्मा | | | | | | | | | | | |

श्रोतः

३७. नगरपालिकाको वार्षिक कार्यक्रमबाट लक्षित कार्यक्रमतर्फ भएको बिनियोजन तथा खर्चको अवस्था

| आर्थिक वर्ष | लक्षित कार्यक्रम | बिनियोजित रकम | खर्च रकम |
|-------------|------------------|---------------|----------|
| | महिला | | |
| | बालबालिका | | |
| | दलित | | |
| | जनजाति | | |
| जम्मा | | | |

(बिनियोजित कार्यक्रमबाट लक्षित कार्यक्रम महिला, बालबालिका, दलित तथा जनजातिका लागि छुट्याइएको र खर्च भएको रकम)

श्रोतः

३८. शैक्षिक संस्थाहरूको विवरण

| विवरण | सरकारी | सामुदायिक | निजी विद्यालय | कुल |
|-------------|--------|-----------|---------------|-----|
| प्रा. वि. | | | | |
| नि. मा. वि. | | | | |
| मा. वि. | | | | |
| उ.मा. वि. | | | | |
| क्याम्पस | | | | |

| | | | | |
|----------------|--|--|--|--|
| वेद विद्याश्रम | | | | |
| मदरशा | | | | |
| अन्य | | | | |

स्रोत: जिल्ला शिक्षा कार्यालय,

३९. नगरपालिका क्षेत्रमा सञ्चालित विश्व बिद्यालय तथा कलेजहरु

| क्र.सं. | उ.मा.वि., कलेजको नाम | ठेगाना | सञ्चालित कार्यक्रम तथा तह | बिद्यार्थी संख्या |
|---------|----------------------|--------|---------------------------|-------------------|
| | | | | |
| | | | | |

श्रोते:

४०. ५ बर्ष र सो भन्दा माथिकाको साक्षरताको आधारमा जनसंख्याको विवरण

| लिंग | ५ बर्ष र ५ बर्ष भन्दा माथिको जनसंख्या | जनसंख्याको अवस्था | | | |
|-------|---------------------------------------|-------------------|------------------|-----------------|------------|
| | | लेखन र पढन सक्ने | पढन मात्रै सक्ने | पढन लेखन नसक्ने | थाहा नभएको |
| जम्मा | | | | | |
| पुरुष | | | | | |
| महिला | | | | | |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०६८

४१. बिद्यालयमा अध्ययन गरिरहेका छात्रछात्राहरुको विवरण: (संख्या उल्लेख गर्ने)

| तह | सरकारी विद्यालय | | | | नीजि विद्यालय | | | | कुल जम्मा |
|----------|-----------------|-------|--------|-------|---------------|-------|--------|-------|-----------|
| | कक्षा | छात्र | छात्रा | जम्मा | कक्षा | छात्र | छात्रा | जम्मा | |
| प्रा.वि | १ | | | | | | | | |
| | २ | | | | | | | | |
| | ३ | | | | | | | | |
| | ४ | | | | | | | | |
| | ५ | | | | | | | | |
| नि.मा.वि | ६ | | | | | | | | |
| | ७ | | | | | | | | |
| | ८ | | | | | | | | |
| मा.वि. | ९ | | | | | | | | |
| | १० | | | | | | | | |

श्रोते:

४२. ५ बर्ष र सो भन्दा माथिकाको शैक्षिक अवस्था

| लिंग | जम्मा | जनसंख्याको अवस्था | | | | | | | | | |
|------|-------|-------------------|---------------------|------------------------|------------------|---------------|-------------------------------|--------------|------------------|------|--------------------------|
| | | साक्षर (beginn | प्रा.वि.तह (१-५) | नि. मा.वि. (६-८) | मा.वि. (९-१०) | एस.एल .सि. | प्रविणता प्रमाण पत्र तह | स्नातक तह | स्नाकोत्तर तह | अन्य | अनौपचारी रक शिक्षा |

| | | | | | | | | | | | |
|-------|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | ers) | | | | | | | | | |
| जम्मा | | | | | | | | | | | |
| पुरुष | | | | | | | | | | | |
| महिला | | | | | | | | | | | |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०६८

४३. विद्यालयमा भर्ना नभएका तथा विद्यालय छाडेका वालवालिकाहरुको विवरण

| लिंग | भर्ना नभएको संख्या | विद्यालय छाडेको संख्या |
|--------|--------------------|------------------------|
| छात्र | | |
| छात्रा | | |
| जम्मा | | |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०६८

४४. कुल साक्षरता दरमा महिलाहरुको हिस्सा

| विवरण | गणना वर्ष | |
|-------------------|-----------|------|
| | 2058 | 2068 |
| कूल साक्षरता दर | | |
| पुरुष साक्षरता दर | | |
| महिला साक्षरता दर | | |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०६८

४५. वडा अनुसार साक्षरता प्रतिशत

| वडा नं. | साक्षरता दर | | | | | |
|---------|-------------|-------|-------|--------|--------|-----------|
| | औषतमा | महिला | पुरुष | द्यलित | जनजाती | अन्य जाती |
| जम्मा | | | | | | |

श्रोत:

४६. न.पा. मा बालविकास केन्द्रको विवरण

| वडा नं | बाल विकास केन्द्रको जम्मा संख्या | भर्ना भएका बालबालिका संख्या | | जम्मा |
|--------|----------------------------------|-----------------------------|--------|-------|
| | | बालक | बालिका | |
| | | | | |
| | | | | |
| जम्मा | | | | |

श्रोत:

४७. न.पा.मा बाल सञ्जालको अवस्था

| वडा | बाल सञ्जालको विवरण | सदस्य संख्या | जम्मा |
|-----|--------------------|--------------|-------|
|-----|--------------------|--------------|-------|

| नं | | लैगिक आधार | | सामाजिक आधार | | | |
|-------|--|------------|--------|--------------|--------|------|--|
| | | बालक | बालिका | दलित | जनजाती | अन्य | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| जम्मा | | | | | | | |

श्रोतः

४८. विशेष शिक्षातर्फ स्रोत कक्षामा अध्ययनरत छात्र/छात्राको विवरण

| सि. नं. | स्रोत कक्षा रहेको विद्यालयको नाम | अपांग बालबालिकाको कक्षागत विवरण | | | | | | | | | | | |
|------------|-------------------------------------|---------------------------------|--------|---------|--------|---------|--------|---------|--------|---------|-------|--|--|
| | | कक्षा १ | | कक्षा २ | | कक्षा ३ | | कक्षा ४ | | कक्षा ५ | | | |
| | | छात्र | छात्रा | छात्र | छात्रा | छात्र | छात्रा | छात्र | छात्रा | छात्रा | जम्मा | | |
| १ | | | | | | | | | | | | | |
| २ | | | | | | | | | | | | | |
| जम्मा : | | | | | | | | | | | | | |

श्रोतः जिल्ला शिक्षा कार्यालय,

४९. नगर क्षेत्रका विद्यालहरुमा शौचालयको विवरण

| जम्मा विद्यालय संख्या | शौचालयको किसिम (संख्यामा उल्लेख गर्ने) | | | | जम्मा |
|-----------------------|--|--|--------------------------------------|--------------------------------|-------|
| | सामान्य, सबैले प्रयोग गर्ने किसिमको | शिक्षक शिक्षिकाका लागि भिन्दाभिन्दै भएको | छात्राछात्रका लागि भिन्दाभिन्दै भएको | अपांगका लागि भिन्दाभिन्दै भएको | |
| | | | | | |

श्रोतः

५०. तहगत शिक्षक विवरण

| तह | स्वीकृत दरवन्दीमा कार्यरत | | | | | परियोजना | राहत दरवन्दीमा कार्यरत | | | नीजि श्रोतमा | | | PCF मा | | | तालिम प्राप्त शिक्षक संख्या | कुल जम्मा | | |
|------------|---------------------------|--|-----|--|-------|----------|------------------------|--|---------|--------------|----|--|--------|--|-------|-----------------------------|-----------|--|--|
| | म. | | पू. | | जम्मा | | स्थायी | | अस्थायी | | म. | | पू. | | जम्मा | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्रा.वि. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नि.मा. वि. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| मा.वि | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| जम्मा | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

श्रोत: जिल्ला शिक्षा कार्यालय,

५१. शिक्षक तथा कक्षा कोठाको पर्याप्तता

| क्र.सं. | विद्यालयको नाम | विद्यार्थी संख्या | शिक्षक संख्या | विद्यार्थी शिक्षक अनुपात (STR) | विद्यार्थी कक्षा कोठा अनुपात (SCR) |
|---------|----------------|-------------------|---------------|--------------------------------|------------------------------------|
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| hDdf | | | | | |

स्रोत : जि.शि.कार्यालय, आवधिक योजना.....

| क्र.सं. | स्वास्थ्य सेवा | संख्या | बेड संख्या |
|---------|---|--------|------------|
| १ | जिल्ला जनस्वास्थ्य कार्यालय | | |
| २ | सरकारी अस्पताल | | |
| ३ | प्रसुती गृह | | |
| ४ | वाल अस्पताल | | |
| ५ | आयुर्वेद अस्पताल | | |
| ६ | प्राकृतिक चिकित्सा | | |
| ७ | स्वास्थ्य चौकी | | |
| ८ | उप-स्वास्थ्य चौकी/नगर स्वास्थ्य केन्द्र | | |
| ९ | प्राथमिक स्वास्थ्य स्याहार केन्द्र | | |
| १० | निजि अस्पताल | | |
| ११ | फार्मेसी | | |
| १२ | चिकित्सक संख्या | | |
| १३ | चिकित्सक अनुपात | | |
| १४ | क्लिनिक | | |
| १५ | बर्थिंड सेन्टरः/धुलिखेल अस्पताल | | |
| १६ | पोलि क्लिनिक | | |
| १७ | स्वास्थ्य संस्थामा सुत्केरी गराउने प्रतिशत | | |
| १८ | दक्ष स्वास्थ्यकर्मी बाट सुत्केरी गराउने प्रतिशत | | |
| १९ | सुडेनीवाट सुत्केरी गराउने प्रतिशतः | | |
| २० | भिसीटी केन्द्र संख्याः | | |
| २१ | महिला स्वयम सेविका संख्याः | | |
| २२ | टि.बी. उपचार केन्द्रः | | |
| २३ | परिवार नियोजन का ५ बिधी र ३ बिधीको सेवा उपलब्ध स्वास्थ्य संस्था संख्या: | | |
| २४ | बि.ओ.सी.(आधारभुत): | | |
| २५ | सि.ई.ओ.सी.(अपरेसन सेवा) उपलब्ध स्वास्थ्य संस्था | | |

| | | | |
|----|--|--|--|
| २६ | गर्भवती जाँच पहिलो पटकको प्रतिशत: | | |
| २७ | गर्भवती जाँच चौथो पटक सम्मको प्रतिशत: | | |
| २८ | सुत्केरी पश्चात जाँच गराउन आउने प्रतिशत: | | |
| २९ | औसत आयु: वर्ष महिला:.... वर्ष पुरुष:.... वर्ष | | |

५२. नगरपालिकामा विद्यमान स्वास्थ्य सेवाहरु

श्रोत: जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय

५३. खोप सेवाको विवरण

| क्र.सं. | विवरण | आ.व. २०६७/०६८ | | आ.व. २०६८/०६९ | | आ.व. २०६९/०७० | |
|---------|-----------------------|---------------|---------|---------------|---------|---------------|---------|
| | | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत |
| १ | वि.सि.जि. | | | | | | |
| २ | डि.पि.टि. | | | | | | |
| ३ | हेपटाइटिस “वि” | | | | | | |
| ४ | दादुरा | | | | | | |
| ५ | पोलियो ३ | | | | | | |
| ६ | टि.टि (गर्भवती महिला) | | | | | | |

श्रोत: जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय

५४. खोप सेवा छोड्ने बालबालिकाको अवस्था

| क्र. सं. | विवरण | आ.व. २०६७०६८ | | आ.व. २०६८/०६९ | | आ.व. २०६९/०७० | |
|----------|--|--------------|---------|---------------|---------|---------------|---------|
| | | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत | संख्या | प्रतिशत |
| १ | वि.सि.जि. र दादुरा | | | | | | |
| २ | डि.पि.टि / हेपटाइटिस वि. / एच.आइ.भि १ र डि.पि.टि/हेपटाइटिस वि. / एच.आइ.भि. ३ | | | | | | |
| ३ | खोप नलगाएका बालबालिका | | | | | | |

श्रोत: जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय

५५. विगत ३ वर्षहरुको पोषणको अवस्था

| | | | |
|--|---------------|---------------|---------------|
| सुचकांकहरु | आ.व. २०६७/०६८ | आ.व. २०६८/०६९ | आ.व. २०६९/०७० |
| ५ वर्ष भन्दा मुनिको बृद्धि अनुगमन (पटक) | | | |
| गर्भवती महिलाहरुका लागि आइरन चक्की वितरण (जना) | | | |

| | | | |
|--|--|--|--|
| गर्भवती महिलाहरूले प्राप्त गरेको जुकाको औषधी (जना) | | | |
| सुत्केरी भएका महिलाहरूका लागि भिटामिन ए वितरण (जना) | | | |
| ६ महिना देखि ५ वर्ष सम्मका वच्चाहरूलाई खुवाएको भिटामिन ए (जना) | | | |
| १ देखि ५ वर्ष सम्मका वच्चाहरूलाई खुवाएको जुकाको औषधी (जना) | | | |

श्रोत: जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय

५६. कुपोषणको अवस्था

| लिंग | संख्या | कैफियत |
|--------|--------|--------|
| वलक | | |
| वालिका | | |
| जम्मा | | |

श्रोत:

५७. दीर्घ रोगको कारणले मृत्यु भएकावालवच्चा सम्बन्ध विवरण

| रोगको नाम | वालिका | वालक | जम्मा |
|-----------------|--------|------|-------|
| एच.आई.भि./ एड्स | | | |
| मलेरिया | | | |
| क्षयरोग | | | |
| मुटु सम्बन्ध | | | |
| मेनेन्जाइटिस | | | |
| कुपोषण | | | |
| अन्य | | | |
| जम्मा | | | |

श्रोत:

५८. लिंग अनुसार वाल विवाह सम्बन्ध विवरण (१८ वर्ष मुनिका)

| लिंग | संख्या |
|--------|--------|
| वालिका | |
| वलक | |
| जम्मा | |

श्रोत:

५९. कामदारको रूपमा घर/परिवारवाट घर बाहिर गएका बालबालिकाहरुको विवरण

| लिंग | संख्या |
|--------|--------|
| बालिका | |
| बालक | |
| जम्मा | |

श्रोतः

६०. श्रमिक बालबालिकाको प्रकार

| सि.नं. | कामदारको विवरण | संख्या | कैफियत |
|--------|---------------------|--------|--------|
| १ | घरेलु कामदार | | |
| २ | होटल तथा रेष्टरेण्ट | | |
| ३ | उच्चोग तथा व्यवसाय | | |
| ४ | अन्य | | |
| जम्मा | | | |

श्रोतः

६१. बालबालिकाहरुको हत्या अपहरण सम्बन्धी विवरण

| घटना विवरण | जिल्लामा घटेका घटना सङ्ख्या | घटना स्थल | उजुरी परेका सङ्ख्या | अदालतमा मुद्दा परेका सङ्ख्या | पीडित बनाइएका बालबालिकाको सङ्ख्या | | उदार गरिएका बालबालिकाको सङ्ख्या | |
|------------|-----------------------------|-----------|---------------------|------------------------------|-----------------------------------|------|---------------------------------|--------|
| | | | | | बालिका | बालक | जम्मा | बालिका |
| अपहरण | | | | | | | | |
| हत्या | | | | | | | | |

श्रोतः

६२. स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचकांकहरु

| सूचक | राष्ट्रियस्तरमा | न.पा. स्तरमा | फरक |
|------------------------------|-----------------|--------------|-----|
| शिशु मृत्युदर | | | |
| कुपोषणको अवस्था | | | |
| चर्पीमा पहुंच भएको जनसंख्या | | | |
| औषत स्वास्थ्य क्षमता सुचकांक | | | |

श्रोतः नेपाल मानव विकास प्रतिवेदन, २०१४।

६३. बालकलबहरुको विवरण

| | |
|---------------------------|-----------------------------|
| समुदायमा आधारित बालकलबहरु | विद्यालयमा आधारित बालकलबहरु |
|---------------------------|-----------------------------|

| | | | | | | | |
|----------------------|--------------|------------|-------|----------------------|--------------|------------|-------|
| बालक्लबको कूल संख्या | बालिका सदस्य | बालक सदस्य | जम्मा | बालक्लबको कूल संख्या | बालिका सदस्य | बालक सदस्य | जम्मा |
| | | | | | | | |

स्रोत: जिल्ला वाल कल्याण समिति

४. वडागत बालक्लबहरुको विवरण

| वडा नं. | बालिका सदस्य संख्या | | | जम्मा | बालक सदस्य संख्या | | | जम्मा | कुल जम्मा |
|---------|---------------------|--------|------|-------|-------------------|--------|------|-------|-----------|
| | दलित | जनजाति | अन्य | | दलित | जनजाति | अन्य | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| जम्मा | | | | | | | | | |

स्रोत:

६५. बालक्लब/तथा बाल समुहले प्रतिनिधित्व गरेका संघ संस्थाहरुको विवरण:

| सि.न. | समितिको नाम | लिंग | | जम्मा |
|-------|-------------|-------------|---------------|-------|
| | | बालक संख्या | बालिका संख्या | |
| १ | | | | |
| २ | | | | |

श्रोत:

६६. DCWBमा दर्ता भई न.पा.अन्तर्गत रहेका बालक्लबहरुको संख्या:.....

६७. नगरपालिकामा जन्मदर्ता भएका बालबालिकाको संख्या

| आ.व. | कुल जन्मदर्ता संख्या | | | कैफियत |
|--------------|----------------------|-----|-------|--------|
| | बालिका | बलक | जम्मा | |
| अधिल्लो आ.व. | | | | |
| चालु आ.व. | | | | |

श्रोत: महिला विकास कार्यालय

६९. महिला हिसां सम्बन्ध विवरण

| सि.नं. | विवरण | संख्या | कैफियत |
|--------|----------------------|--------|--------|
| १ | घरेलु हिंसावाट पिडित | | |
| २ | सौता रहेको | | |
| ३ | वेचविखनमा परेको | | |

| | | | |
|-------|----------------------------|--|--|
| ४ | श्रीमानवाट पिडित / पिटिएका | | |
| ५ | द्वन्दवाट पिडित | | |
| ६ | सामाजिक कुरिती लगाईएका | | |
| जम्मा | | | |

७०. वातावरण तथा सरसफाई

- सार्वजनिक शौचालय : ५..... वटा
- फोहरपानी प्रशोधनशाला : .४... वटा
- ल्याण्डफिल साइट : १ अस्थायी....
- सरसफाई व्यवस्थापन सवारी साधनको अवस्था :
- बायोग्रास प्लान्ट : १.... वटा
- फोहोरमैला उत्पादन (प्रतिदिन) :
- जैविक फोहोर : प्रतिशत
- प्लाष्टिक : प्रतिशत
- कागज : प्रतिशत
- शिशा : प्रतिशत
- धातु : प्रतिशत
- छाला र रवर : प्रतिशत
- अन्य : प्रतिशत
- सरसफाई मजदुर संख्या :..छैन.....
- स्यानिटरी ल्याण्डफिल :..... छैन
- रिसाइकल प्लान्ट:..... छैन

७१. फोहरमैला व्यवस्थापनमापरिवार संख्याको विवरण

| परिवारिक विवरण | नदि वा खोल्सामा | सडकमा | फोहोर थुपार्ने ठांउ, कन्टेनर | घरमा नै लिन आउछ | आफ्नै कम्पाउण्डमा | कम्पोष्ट मल वनाईन्छ | थाहा छैन |
|----------------|-----------------|-------|------------------------------|-----------------|-------------------|---------------------|----------|
| परिवार संख्या | | | | | | | |
| प्रतिशत | | | | | | | |

- श्रोतः

७२. नगर सेवा प्रवाहविवरण

- दमकल : .छैन.....संख्या
- एम्बुलेन्स:छैन.संख्या र सेवाको अवस्था (न.पा. तथा अन्य संघसंस्थाले सञ्चालन गरेको समेत)

- शववहान :छैनसंख्या र सेवाको अवस्था (न.पा. बाहेक अन्य संघ संस्थाले सञ्चालन गरेको समेत)
- नगर प्रहरी भ्यान : ...छ.....

७३. सडक सञ्चालको विद्यमान अवस्था

| क्र.सं. | सडकको वर्गीकरण | लम्बाई कि.मि. | सडकको औसत चौडाइ (मि.) | सडकले सेवा पुगेका बडाहरु |
|---------|-------------------------------|---------------|-----------------------|--------------------------|
| १ | राजमार्ग | | | |
| २ | सहायक राजमार्ग | | | |
| ३ | पक्की तथा कालोपत्रे | | | |
| ४ | ग्रामेल सडक | | | |
| ५ | कच्ची सडक/मौसमी सडक | | | |
| ६ | मुल वाटो (Trail) | | | |
| ७ | इँटा विच्छाइएको वाटो | | | |
| ८ | दुंगा छापेको वाटो | | | |
| ९ | सिढी तथा खुडकिला/भचाड (Stair) | | | |
| जम्मा | | | | |

स्रोत : नगरपालिका

७४. निर्माणाधीन नगर स्तरीय सडकहरु

| सडकको किसिम | अनुमानित लम्बाइ किमी | सडकको औसत चौडाइ (मि.) | सडकले सेवा पुग्न सक्ने बडा तथा बस्तीहरु | लाभान्वित जनसंख्या |
|----------------|----------------------|-----------------------|---|--------------------|
| कालो पत्रे | | | | |
| ग्रामेल | | | | |
| कच्ची तथा धुले | | | | |
| जम्मा | | | | |

श्रोत:

७५. नगर क्षेत्र भित्र रुट परमिट लिएर सञ्चालन भएका सवारी साधनहरुको विवरण

| बस चल्ने शुरु स्थान | बस पुग्ने अन्तिम स्थान | दैनिक सञ्चालन हुने सवारी साधन संख्या | बस स्टप संख्या (यात्रु चढाउने ओराले स्थान) | कैफियत |
|---------------------|------------------------|--------------------------------------|--|--------|
| | | | | |

| | | | | |
|-------|--|--|--|--|
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| जम्मा | | | | |

श्रोतः

७६. नगर क्षेत्र चले सवारी साधनहरूको विवरण

| क्र.स. | सवारी साधनको प्रकार | संख्या | अवस्था | | कैफियत |
|--------|-------------------------|--------|---------------------|--------------------------|--------|
| | | | १० वर्ष सम्म पुरानो | १० वर्ष भन्दा बढि पुरानो | |
| १ | नीजि | | | | |
| २ | सरकारी स्वामित्वका | | | | |
| ३ | सार्वजनिक (भाडाका) | | | | |
| ४ | कुट्टनीतिक | | | | |
| ५ | अन्तर्राष्ट्रिय गै.स.स. | | | | |
| जम्मा | | | | | |

श्रोतः

७७. नगरपालिकामा विद्यमान सतहढलको अवस्था

| सतह ढलको प्रकार | कि.मि. |
|------------------------|--------|
| ह्युम पाइप | |
| पक्की स्ल्याब ढाकिएको | |
| पक्की स्ल्याब नढाकिएको | |
| जम्मा | |

स्रोत : नगरपालिका

७८. सार्वजनिक शौचालय सम्बन्ध विवरण

| क्र.स | सार्वजनिक शौचालय रहेको स्थान | वडा न. | कैफियत |
|-------|------------------------------|--------|--------|
| १ | हजार सिढी | १ | |
| २ | खेल मैदान | २ | |
| ३ | चोक सुधार | २ | |
| ४ | अरनिको चोक | ७ | |

श्रोतः

७९. प्रकोपबाट भएको क्षति सम्बन्ध विवरण (गत वर्षको)

| प्रकोपको किसिम | क्षतिको विवरण | भएको अनुमानित क्षती (रकम रु.) |
|----------------|---------------|-------------------------------|
| बाढि | | |
| पाहरो | | |
| आगजनी | | |
| खडेरी | | |

| | | |
|---------|--|--|
| शित लहर | | |
| भूकम्प | | |
| अन्य.. | | |

श्रोतः

८०. विपद व्यवस्थापन पुर्व तयारी सम्बन्धि विवरणः

८१. नगरपालिकाको शहरी विद्युतीकरण

| क्र.सं. | विवरण | परिमाण (संख्या) |
|---------------------|--|-----------------|
| १ | ग्राहस्थ लाईन संख्या | |
| २ | औद्योगिक लाईन संख्या | |
| ३ | व्यापारिक संख्या | |
| ४ | मन्दिरमा वितरीत संख्या | |
| ५ | खानेपानी | |
| ६ | सडक वत्ति | |
| ७ | अस्थायी वत्ति | |
| ८ | सिंचाई | |
| जम्मा ग्राहक संख्या | | |
| ९ | स्वचिङ्ग स्टेशन - ट्रान्शफर्मर संख्या | |

श्रोत : नेपाल विद्युत प्राधिकरण

८२. नगरपालिकामा दुर संचार सम्बन्धि विवरण

| क्र.सं. | संचार सेवाको किसिम | परिमाण | कैफियत |
|---------|--------------------------------|--------|--------|
| १ | PSTN टेलिफोन लाईन | | |
| २ | ए.डी.एस.एल. सेवा | | |
| ३ | इन्टरनेट तथा जी.पी.आर.एस. सेवा | | |
| ४ | मोबाइल टावर जी.एस.एम. | | |
| ५ | मोबाइल टावर स्काई | | |
| ६ | जी.एस.एम. पोस्टपेड मोबाइल | | |
| ७ | जी.एस.एम. प्रिपेड मोबाइल | | |
| ८ | स्काई पोस्टपेड मोबाइल | | |
| ९ | स्काई प्रिपेड मोबाइल | | |

श्रोत : नेपाल दुरसंचार संस्थान

८३. पुलपुलेसा सम्बन्धि विवरण

नगर भित्र पक्की तथा आरसिसि पुल, कल्भर्ट तथा झोलुगे पुलहरूको विवरण :

| पुल/झोलाको नाम | दायाँ किनारा रहेको स्थान | बायाँ किनारा रहेको स्थान | निर्मित साल | सहयोगी निकाय |
|----------------|--------------------------|--------------------------|-------------|--------------|
| | | | | |
| | | | | |

श्रोतः

८४. नगरभित्र रहेका व्यापारिक केन्द्रहरूको विवरण

| क्र.सं. | व्यापारिक केन्द्रहरुका नाम | मुख्य व्यापारिक वस्तुहरु | कैफियत |
|---------|----------------------------|--------------------------|--------|
| १ | | | |
| २ | | | |

श्रोतः

८५. सामुदायिक भवनहरुको विवरण :

| क्र.सं. | सामुदायिक भवनहरुका नाम | वडा नं. बस्ती | हालको उपयोग |
|---------|------------------------|---------------|-------------|
| १ | | | |
| २ | | | |

श्रोतः

८६. सार्वजनिक पाटीपौवा र चौतारासम्बन्धि विवरण

| क्र.सं. | सार्वजनिक वस्तु विवरण | स्थान | उपयोग | कैफियत |
|---------|-----------------------|-------|-------|--------|
| १ | | | | |
| २ | | | | |

श्रोतः

८७. खेल मैदान सम्बन्धी विवरण:

| क्र.सं. | खेल मैदानको किसिम र अनुमानित क्षेत्रफल | स्थान तथा वडा नं. | उपयोगको अवस्था (कसले उपयोग गर्दछ) | कैफियत |
|---------|---|----------------------|---|--------|
| १ | | | | |
| २ | | | | |

८८. पार्क तथा वाल उद्धान सम्बन्धी विवरण:

| क्र.सं. | पार्क तथा वाल उद्धानको विवरण | स्थान तथा वडा नं. | कैफियत |
|---------|------------------------------|-------------------|--------|
| १ | | | |
| २ | | | |

श्रोतः

८९. नगरपालिका केन्द्रदेखि प्रत्येक वडाकेन्द्रसम्मको दूरी

| वडा नं. | नगरकेन्द्र रहेको स्थान | केन्द्रसम्मको दूरी (किमी) |
|---------|------------------------|---------------------------|
| | | |
| | | |
| | | |

श्रोतः

९०. राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय गैरसरकारी संघसंस्था सम्बन्धि विवरण

ज्ञानाज्ञ १. NGO को विवरण

| सि.न | NGO को नाम | रहेको स्थान | सम्पर्क नं | उद्देश्य/कार्य क्षेत्र | कैफियत |
|------|------------|-------------|------------|------------------------|--------|
| १. | | | | | |
| २. | | | | | |
| ३. | | | | | |

श्रोतः

२. INGOहरुको विवरण

| सि.नं. | INGO को नाम | रहेको स्थान (ठेगाना) | उद्देश्य/कार्य क्षेत्र | सम्पर्क नं | सहयोगी दातृ निकाय | कैफियत |
|--------|-------------|-------------------------|------------------------|------------|----------------------|--------|
| १. | | | | | | |
| २. | | | | | | |

श्रोतः

३. UN Agency/Bilateral Organisationsहरुको विवरण

| सि.नं. | UN Agencies को नाम | रहेको स्थान | सम्पर्क नं | उद्देश्य/कार्य क्षेत्र | सहयोगी दातृ निकाय | कैफियत |
|--------|-----------------------|-------------|------------|------------------------|----------------------|--------|
| १. | | | | | | |
| २. | | | | | | |

९१. नगर क्षेत्रभित्र गठन भएका टोल विकास संस्थाहरुको विवरण विवरण

| क्र.सं. | टोलविकास संस्थाको नाम | ठेगाना | संस्थाको किसिम (महिला, पुरुष, मिश्रित) | सम्पर्क नं | सदस्य संख्या | बचत रकम |
|---------|--------------------------|--------|--|------------|-----------------|------------|
| १. | | | | | | |
| २. | | | | | | |

श्रोतः

९२. वडा नागरिकमञ्च तथा नागरिक सचेतना केन्द्र सम्बन्धि विवरण

| वडा नं. | जम्मा सदस्य | लैंगिक आधार | | सामाजिक आधार | | | जम्मा |
|------------|----------------|-------------|-------|--------------|--------|------|-------|
| | | महिला | पुरुष | दलित | जनजाती | अन्य | |
| १ | | | | | | | |
| २ | | | | | | | |
| hldf | | | | | | | |

श्रोतः

९३. जनचेतनामूलकतालिम प्राप्त गरेको जनसंख्या विवरण

| | | | |
|------------------|------|-------|--------|
| Sf = तालिम विवरण | लिंग | जम्मा | कैफियत |
|------------------|------|-------|--------|

| | | महिला | पुरुष | | |
|--------------------|----------------------|-------|-------|--|--|
| १ | वचत तथा ऋण | | | | |
| २ | संस्थागत नेतृत्व | | | | |
| ३ | लैगिक समविकास | | | | |
| ४ | स्वास्थ्य | | | | |
| ५ | परिवार नियोजन | | | | |
| ६ | खानेपानी सरसफाई | | | | |
| ७ | वन व्यवस्थापन | | | | |
| ८ | फोहोरमैला व्यवस्थापन | | | | |
| ९ | सिप विकास | | | | |
| १० | अन्य | | | | |
| हार्डफ़िल्ड | | | | | |

श्रोतः

९४. मुख्य पेशा सम्बन्धि विवरण

| क्र.स. | विवरण | परिवार सख्ता | प्रतिशत |
|------------------|------------------|--------------|---------|
| १ | कृषि | | |
| १.१ | खेतीपाती | | |
| १.२ | पशुपालन | | |
| १.३ | कुखुरा पालन | | |
| १.४ | माछा पालन | | |
| १.५ | अन्य | | |
| जम्मा | | | |
| २ | गैर कृषि | | |
| २.१ | व्यापार | | |
| २.२ | उद्योग | | |
| २.३ | नोकरी | | |
| २.४ | दैनिक ज्यालादारी | | |
| २.५ | वैदेशिक रोजगार | | |
| २.६ | अन्य खुलाउने | | |
| जम्मा | | | |
| कुल जम्मा | | | |

श्रोतः

९५. औसत मासिक पारिवारिक आमदानी विवरण

| क्र.स. | औसत मासिक पारिवारिक आमदानी विवरण (रुपैयामा) | परिवार सख्ता | प्रतिशत |
|--------|---|--------------|---------|
| १ | १००० भन्दा कम | | |
| २ | १००० देखि २००० | | |
| ३ | २००१ देखि ३००० | | |

| | | | |
|--------|------------------|--|--|
| 4 | ३००१ देखि ५००० | | |
| 5 | ५००१ देखि १०००० | | |
| 6 | १०००० देखि १५००० | | |
| 7 | १५००० देखि २५००० | | |
| 8 | २५००० भन्दा माथि | | |
| हार्डफ | | | |

श्रोतः

९६. औसत मासिक पारिवारिक वचत विवरण

| S ⁺ ; = | औसत मासिक पारिवारिक वचत विवरण (रुपैयामा) | Kरवार ; Vof | kltzt |
|--------------------|--|-------------|-------|
| 1 | सुन्य | | |
| 2 | ५०० देखि १००० | | |
| 3 | १००१ देखि २००० | | |
| 4 | २००१ देखि ३००० | | |
| 5 | ३००१ देखि ५००० | | |
| 6 | ५००१ देखि १०००० | | |
| 7 | १०००० भन्दा माथि | | |
| हार्डफ | | | |

श्रोतः

९७. वडा अनुसार विपन्नता घर परिवार संख्या स्तरिकरण (PPI= progress out of poverty Indexमापन विधी अपनाउनु पर्ने)

| वडा नं. | विपन्नता स्तरिकरण | | | | | कैफियत |
|---------|-------------------|------|-------|---------|-------|--------|
| | अति गरिव | गरिव | मध्यम | सम्पन्न | जम्मा | |
| | | | | | | |
| जम्मा | | | | | | |

श्रोतः

९८. विद्युत/सौर्य उर्जा आयोजनाहरूको स्थिति

| नं. | विद्युत/उर्जाआयोजनाको नाम | क्षमता कि.वा. | क्षेत्र | लाभान्वित घरधुरी | मि. संख्या |
|-----|---------------------------|---------------|---------|------------------|------------|
| १ | | | | | |
| २ | | | | | |
| ३ | | | | | |
| ४ | | | | | |

श्रोतः

९९. नगरपालिकाको वार्षिक कृषि उत्पादन सम्बन्धी विवरण

| वाली/उत्पादन समूह | आर्थिक वर्ष (२०६९/०७०) | |
|--|------------------------|---------------------|
| | क्षेत्रफल (रोपनीमा) | उत्पादन (किवन्टलमा) |
| अन्न वाली | | |
| धन | | |
| मकै | | |
| कोदो | | |
| गहुँ | | |
| दलहन वाली | | |
| मास, बोडी, सिमी, मस्याड, मुसुरो | | |
| तेलहन वाली | | |
| तोरी, सूर्यमुखी | | |
| तरकारी वाली | | |
| आलु, प्याज, काउली, भन्टा, बन्दा, गोलभेडा, राम तोरिया, साग..... | | |
| अदुवा, बेसार, लसुन, खुसार्नी | | |
| फलफूल खेती | | |
| केरा, आँप, सुन्तला, नासपाती, भुईकटहर ... | | |

श्रोत:

१००. नगरपालिकाको पशु धन तथा सोबाट हुने उत्पादनको अवस्था सम्बन्धी विवरण

| क्र. सं. | किसिम | संख्या | | | उत्पादन | | |
|----------|---------------|---------|-------|-------|--------------|-----------|---------|
| | | स्थानीय | उन्नत | जम्मा | दूध लि. | मासु केजी | उन केजी |
| १ | पशुधन | | | | | | |
| क | गाई गोरु | | | | | | |
| ख | भैंसी राँगा | | | | | | |
| र | बोका खसी वाखा | | | | | | |
| घ | भेडा च्यांगा | | | | | | |
| ड | सुँगुर वंगुर | | | | | | |
| च | अन्य..... | | | | | | |
| २ | पंक्षी | स्थानीय | उन्नत | जम्मा | अण्डा संख्या | मासु केजी | |
| क | कुखुरा | | | | | | |
| ख | हाँस | | | | | | |
| र | अन्य | | | | | | |
| ३ | माछा | | | | केजी | | |
| व | मौरी घार | | | | मह केजी | | |
| ४ | अन्य | | | | | | |

श्रोत:

१०१. नगरबाट बाहिर निर्यात हुने वस्तुहरुको विवरण (कृषिजन्य, पशुजन्य, औद्योगिक, तथा व्यापारिक वस्तुहरु)

| क्र.सं. | आयात निर्यात वस्तुहरुको नाम | निकासी हुने वार्षिक परिमाण(किवन्टल) | जम्मा निकासी मूल्य |
|---------|-----------------------------|-------------------------------------|--------------------|
| | | | |

| | | | |
|-------|--|--|--|
| १ | कृषि तथा वनजन्य उत्पादनको निर्यात (खाद्यन्न तथा नगदे लगायत जडिबुटी.....) | | |
| जम्मा | | | |
| २ | औद्योगिक निर्यात (निर्माण सामाग्री.....) | | |
| जम्मा | | | |
| ३ | कृषि तथा वनजन्य उत्पादनको आयात (खाद्यन्न तथा नगदे लगायत जडिबुटी.....) | | |
| जम्मा | | | |
| ४ | औद्योगिक निर्यात (निर्माण सामाग्री.....) | | |
| जम्मा | | | |

श्रोतः

१०२. नगरभरीको जग्गाको किसिम अनुसारको विवरण (बिधा / रोपनी) :

| जग्गाको किसिम | जम्मा क्षेत्रफल |
|---------------|-----------------|
| अब्बल | |
| दोयम | |
| सिम | |
| चाहर | |
| अन्य | |
| जम्मा | |

श्रोतः

जाजाढ

१०३. औद्योगिक तथा व्यापार, व्यवसाय सम्बन्धी विवरण

| सि.नं | व्यापार, व्यवसाय विवरण | जम्मा संख्या |
|-------|-------------------------------------|--------------|
| 1 | दुग्ध व्यवसायी | |
| 2 | टेलर्स | |
| 3 | सुनचाँदी व्यवसायी | |
| 4 | भाडा व्यवसायी | |
| 5 | होटल व्यवसायी | |
| 6 | फेन्सी व्यवसायी | |
| 7 | किलिनिक तथा औषधी व्यवसायी | |
| 8 | तरकारी तथा फलफूल व्यवसायी | |
| 9 | इलेक्ट्रोनिक व्यवसायी | |
| 10 | माछामासु पसल, व्यवसायी | |
| 11 | हेयर सैलुग तथा सौन्दर्यकला व्यवसायी | |
| 12 | उद्योग | |
| 13 | आर्ट व्यवसायी | |
| 14 | वेकरी तथा मिष्ठान व्यवसायी | |
| 15 | वाल मनोरञ्जन | |
| 16 | बंगुर पालन | |
| 17 | कार्ड बोर्ड उत्पादन | |
| 18 | बोडिंग स्कुल संचालन | |
| 19 | ठेक्कापट्टा | |
| 20 | जुता पसल | |

| | |
|----|---|
| 21 | फोटो स्टुडियो |
| 22 | फर्निचर |
| 23 | किनारा पसल तथा व्यवसायी |
| 24 | सि.डि.पसल |
| 25 | पुल हाउस |
| 26 | अटो वर्कसप |
| 27 | कपास उद्योग |
| 28 | राइस मिल |
| 29 | घडि रेडियो टि.भी मर्मत |
| 30 | पेट्रोल पम्प |
| 31 | मसला उद्योग |
| 32 | चस्मा पसल |
| 33 | पसिमना पसल |
| 34 | माटाका भाडा, मुकुण्डो तथा सेरामिक्स |
| 35 | खोज अनुसन्धान सेन्टर |
| 36 | खाजाघर तथा चिया पसल |
| 37 | ढुवानी सेवा |
| 38 | पांगो माटो व्यवसाय |
| 39 | टयुसन सेन्टर |
| 40 | हाउजिंग |
| 41 | कार्पेट पसल |
| 42 | सरसफाइ तथा फोहोर मैला संकलन |
| 43 | नर्सरी फुल व्यवसायी |
| 44 | कुरियर |
| 45 | मदिरा व्यवसाय |
| 46 | रयास डिलर |
| 47 | नृत्य प्रशिक्षण तथा संगीत प्रशिक्षण केन्द्र |
| 48 | पाउ भण्डार |
| 49 | क्याटरिंग |
| 50 | कानुन व्यवसायी र परामर्श सेवा |
| 51 | जिमखाना |
| 52 | निर्माण व्यवसायी तथा सप्लायर्स |
| 53 | कवाडी संकलन केन्द्र |
| 54 | मल बिउ उत्पादन |
| 55 | कम्प्युटर टेनिंग सेन्टर साईबर व्यवसायी |
| 56 | फिल्म हल |
| 57 | सिसा पसल |
| 58 | पुस्तक व्यवसायी तथा फोटोकपी |
| 59 | मनी टान्सफर |
| 60 | सहकारी |
| 61 | बैंक |
| 62 | विज्ञापनमिडियारकेवल सेवा |
| 63 | कागज उद्योग तथा छापाखाना |
| 64 | पानी फिल्टर |
| 65 | पार्टी प्यालेस |

१०४. नगरपालिकाको विगत ५ आर्थिक वर्षको आयव्ययको विवरण :

| आर्थिक वर्ष | आय शीर्षक | रकम | व्यय शीर्षक | रकम |
|--------------|-----------|-----|-------------|-----|
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| जम्मा | | | | |

(नोट: पूँजीगत खर्च र प्रशासनिक खर्च अलग अलग छुट्याउने)

श्रोत:

१०५. नगरपालिकाले सञ्चालन गरेका प्रमुख कार्यक्रम तथा योजनाहरु

कार्यक्रम विवरण

| सि नं. | कार्यक्रमगत विवरण | कार्यान्वयनको अवस्था | मुख्य प्रयासहरु |
|--------|--|----------------------|-----------------|
| १. | प्रशासनिक सांगठनिक सुदृढीकरण , क्षमता र सेवा प्रभावकारीता अभिवृद्धि सम्बन्धी कार्यक्रम | | |
| | | | |
| | | | |
| २. | वित्तीय व्यवस्थापन तथा श्रोत परिचालन सम्बन्धी कार्यक्रम | | |
| | | | |
| | | | |
| ३. | भौतिक पूर्वाधार तथा शहरी विकास सम्बन्धी कार्यक्रम | | |
| | | | |
| | | | |
| ४. | समाजकल्याण तथा सामाजिक विकास सम्बन्धी कार्यक्रम | | |
| | | | |
| | | | |
| ५. | कला संस्कृति , सम्पदा तथा वातावरणिय सुधार कार्यक्रम | | |
| | | | |
| | | | |
| ६. | पर्यटन विकास कार्यक्रम | | |
| | | | |
| | | | |

१०६. नगरपालिकाको संगठनात्मक ढाँचा

१०७..... नगरपालिकाको कार्यालयमा हाल कार्यरत कर्मचारीहरुको विवरण

| सि.नं. | कर्मचारीको नाम थर | पद | कार्यरत शाखा | कैफियत |
|--------|-------------------|----|--------------|--------|
| १ | | | | |
| २ | | | | |
| ३ | | | | |
| ४ | | | | |
| ५ | | | | |

श्रोत: प्रशासन शाखा,नगरपालिकाको कार्यालय,

१०८. नगरपालिका क्षेत्रभित्रका सरकारी कार्यालयहरुको नाम, टेलिफोन विवरण

| सि.नं. | पद | कार्यालय | फोन नं. (कार्यालय) | फोन नं. (निवास) |
|--------|----|----------|-----------------------|--------------------|
| १. | | | | |
| २. | | | | |

१०९. नगरपालिका स्थित स्थानीय राजनैतिक दलहरु

| १. नेपाली काँग्रेस | | | |
|--------------------|--------|----|---------|
| सि.नं. | नाम,थर | पद | फोन नं. |
| | | | |
| | | | |

(द्वितीयक सूचनाका लागि प्रयोग गरिने ढाँचा सूचनाको किसिम अनुसार थपघट तथा परिमार्जन गर्न सकिन्छ। नगरपालिकाको अवस्था अनुसार सूचनाको किसिम पनि कमबेशी हुन सक्छन्।)